

द्विवार्षिक प्रतिवेदन Biennial Report

2013-2015



सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान,
प्रौद्योगिकी और विकास अध्ययन संस्थान
पूसा गेट, के.एस. कृष्णन मार्ग, नई दिल्ली

**CSIR-National Institute of
Science, Technology
and Development Studies**
Pusa Gate, K.S. Krishnan Marg, New Delhi

सीएसआईआर-निस्टैड्स

द्विवार्षिक प्रतिवेदन 2013-2015



सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी और विकास अध्ययन संस्थान
पूसा गेट, डॉ. के.एस. कृष्णन मार्ग, नई दिल्ली



© सीएसआईआर-निस्टैड्स: सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी और विकास अध्ययन संस्थान

पूसा गेट, के. एस. कृष्णन मार्ग, नई दिल्ली-110012

वेबसाइट: <http://nistads.res.in>

ईमेल: director@nistads.res.in

टेलीफोन: + 91 11 25846064, 25843227 फैक्स: + 91 11 25846640

संपादकीय टीम मूल प्रारूप: विपन कुमार, मधुलिका भाटी, अनिल कुमार शर्मा,
तारा वर्मा एवं जे. एस. नरुला

संपादकीय टीम हिंदी प्रारूप: डा. तबस्सुम ज़माल, वीरपाल सिंह एवं योगेन्द्र कुमार



CSIR-NISTADS STAFF



AcSIR



Administration



Library



P M E



INSPIRE

विषय-वस्तु

निदेशक की कलम से	7
1. शोध परियोजनाएं	9
• भारतीय विज्ञान व प्रौद्योगिकी एवं नवाचार नीति (स्टिप)	11
• प्रायोजित परियोजनाएं	13
• आंतरिक परियोजनाएं	19
2. वैज्ञानिक एवं नवोन्मेषी अनुसंधान अकादमी (एक्सर)	24
3. संकाय	
• शैक्षणिक पृष्ठभूमि तथा शोध अभिरुचियां	27
• प्रकाशन	36
• व्याख्यान/सम्मेलन में पेपर प्रस्तुति	54
• विदेशी यात्राएं	62
4. संगोष्ठियां/सम्मेलन/कार्यशालाएं/गोलमेज चर्चाएं	65
5. मंगलवार संगोष्ठी/अन्य व्याख्यान	71
6. पुस्तकालय	77
7. आईटी आधारिक ढांचा (इन्फ्रास्ट्रक्चर)	78
8. अनुसंधान परिषद	79
9. प्रबंध परिषद	81
10. सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई) प्रकोष्ठ	83
11. बजट	84
12. स्टॉफ सूची	85



निदेशक की कलम से



सीएसआईआर- राष्ट्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी और विकास अध्ययन संस्थान (सीएसआईआर- निस्टैड्स), नई दिल्ली की वर्तमान द्विवार्षिक प्रतिवेदन में वर्ष 2013-15 की अवधि में संचालित इसकी कुछ गतिविधियों और उपलब्धियों का उल्लेख किया गया है। सीएसआईआर- निस्टैड्स की स्थापना विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार (एसटीआई) नीतियों से जुड़ी शोध संचालित करने और विकास को बढ़ावा देने हेतु किए जाने के कारण यह देश का अद्वितीय और महत्वपूर्ण शोध संस्थान बन गया है। यह वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) का एक मात्र संस्थान है जो अंतर्विषयी शोध संचालित कर रहा है। यह सीएसआईआर और देश की विस्तृत शोध व विकास व्यवस्था के अंतर्गत समाज, प्राकृतिक एवं इंजीनियरी विज्ञान दोनों के बीच एकमात्र सेतु है।

वर्ष 2013-15 की अवधि में, इस संस्थान ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी नीति शोध और स्टिप परियोजना के अंतर्गत 'भारत विज्ञान व प्रौद्योगिकी' की द्विवार्षिक रिपोर्ट श्रृंखला जारी की है। इसने बदलते हुए भारतीय और वैश्विक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के मुद्दों एवं व्यवस्थाओं की तर्ज पर अपने शोध पर फिर से ध्यान केंद्रित किया है। यह संस्थान वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीय नवाचार, सृजनात्मकता और नीति निहितार्थों के साथ-साथ उनके अनुप्रयोगों से जुड़े ज्ञान की उत्पत्ति और प्रसार के लिए सदैव समर्पित रहा है। इस दौरान इसने स्टिप परियोजना के अंतर्गत भारत विज्ञान व प्रौद्योगिकी रिपोर्ट खंड-3 तैयार किया है जो कि कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रैस, 6 रिसर्च रिपोर्ट तथा बुलेटिन 8 द्वारा प्रकाशित कराई गई है। इसके अलावा, इस संस्थान ने अनेक प्रायोजित परियोजनाएं जैसे प्रतिष्ठित इंस्पायर प्रोग्राम (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित) जो कि 31 मार्च 2015 को 7 वर्ष पूरे कर चुका है, को भी संचालित किया है। निस्टैड्स ने राष्ट्रीय नवाचार व्यवस्था के आरंभ से ही मुख्य शोध समस्याओं की रूपरेखा तैयार की है और अनेक परियोजनाओं में भागीदार रहा है।

हम इस संस्थान के शैक्षणिक कार्यों में मार्गदर्शन करने के लिए इसकी शोध परिषद के अध्यक्ष, प्रो. अशोक चन्द्रा तथा प्रतिष्ठित सदस्यों के आभारी हैं। हमें आशा करते हैं कि सीएसआईआर- निस्टैड्स को इसके मिशन और भविष्य-दृष्टि प्राप्त करने हेतु आगे बढ़ने में उनकी निरंतर सहायता मिलती रहेगी।



शोध परियोजनाएं

- भारतीय विज्ञान व प्रौद्योगिकी और नवाचार नीति (स्टिप)
- प्रायोजित परियोजनाएं
- आंतरिक परियोजनाएं

परियोजनाएं

भारतीय विज्ञान व प्रौद्योगिकी और नवाचार नीति (स्टिप)

समन्वयकर्ता : डा. सुजीत भट्टाचार्य; डा. (सुश्री) तबस्सुम ज़माल;
डा. एस. पोहित एवं डा. योगेश सुमन

आरंभ होने का वर्ष: 2012 समाप्ति वर्ष: 2017

इस परियोजना का उद्देश्य भारत में समीक्षात्मक ज्ञान की विषमताओं पर चर्चा करना है। इस परियोजना में, विशेष रूप से, सामर्थ्य एवं क्षमता का मापन और भारत तथा अन्य सम्बद्ध देशों में ज्ञान के अनेक स्वरूपों के परिणामों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। विश्वव्यापी जगत में प्रतियोगी दबाव का सामना करने के लिए दोषनिवारक कार्रवाई आरंभ करने हेतु भारत में ज्ञान की स्थिति अन्य प्रतियोगी देशों की तुलना में समीक्षात्मक है। भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा वर्ष 2010-20 के दशक को नवाचार दशक के रूप में घोषित किए जाने के साथ ही देश में प्रेरणादायक नवाचार गतिविधि संचालित करने में विज्ञान व प्रौद्योगिकी के प्रति सरकारी दृष्टिकोण में पिछले कुछ वर्षों में एक जोरदार बदलाव देखने को मिला है। कम महत्व से लेकर अधिक महत्व वाले उद्योग की अर्थव्यवस्था में अधिकतम रोजगार के पूल के रूप में कार्य करते हुए, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम इस अध्ययन का मुख्य केंद्र बिंदु होगा। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए, इस अध्ययन में देश में नवाचार गतिविधि को मजबूत बनाने वाले अनेक नीतिगत मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

इस अवधि के परिणाम निम्न प्रकार हैं:-

पुस्तकें

- भारत, विज्ञान व प्रौद्योगिकी: खंड 3, कैम्ब्रिज

विश्वविद्यालय प्रेस, भारत, नई दिल्ली,
आईएसबीएन: 978-93-84463-04-05

रिपोर्ट

- मधुलिका भाटी, पी. कुमार, रेहन अहमद एवं कौकौक ऐशी (2015), 'हरित प्रौद्योगिकियां: ऊर्जा के क्षेत्र में क्रांति' स्टिप परियोजना के अंतर्गत एक रिपोर्ट (प्रकाशन के अधीन), 81-85121-43-5
- पी.के. बिस्वास तथा पी. ब्यानार्जी (2014) 'सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम में प्रौद्योगिकीय परिवर्तन, उत्पादकता में वृद्धि एवं अभिनव परिवर्तन', सीएसआईआर- निस्टैड्स, नई दिल्ली द्वारा स्टिप परियोजना के अंतर्गत रिपोर्ट।
- पी.के. बिस्वास तथा पी. ब्यानार्जी (2014), 'सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र का विश्लेषण: अवसर, नीति अंतराल एवं कार्रवाई', सीएसआईआर- निस्टैड्स, नई दिल्ली द्वारा स्टिप परियोजना के अंतर्गत रिपोर्ट। आईएसबीएन: 81-85121-38-9
- पी.के. बिस्वास, पी. ब्यानार्जी; अरुंधति चौधरी एवं प्रतीक कुकरेजा (2014) 'औद्योगिक ढांचा एवं नवाचार की पद्धति: भारत का रसायन





उद्योग’, सीएसआईआर- निस्टैड्स, नई दिल्ली द्वारा स्टिप परियोजना के अंतर्गत रिपोर्ट । आईएसबीएन: 81-85121-41-9

- पी.के. बिस्वास, पी. ब्यानार्जी; रश्मि कुमारी; अरुंधति चौधरी एवं प्रतीक कुकरेजा (2014), ‘औद्योगिक ढांचा एवं नवाचार की पद्धति: भारत मूल धातु उद्योग’, सीएसआईआर- निस्टैड्स, नई दिल्ली द्वारा स्टिप परियोजना के अंतर्गत रिपोर्ट । आईएसबीएन: 81-85121-40-0
- विपन कुमार, संबुल नकवी, सुनीता कुमार एवं पी. ब्यानार्जी (2014), स्त्रांसाधनों और तुलनात्मक क्षमताओं के स्थानांतरण पहलू के संबंध में भारत की मानवशक्ति का विश्लेषण- सीएसआईआर- निस्टैड्स, नई दिल्ली द्वारा स्टिप परियोजना के अंतर्गत रिपोर्ट । आईएसबीएन: 81-85121-39-7

शोध पत्रिका

- जी. डी. संध्या, एन. मृणालिनी एवं प्रदोष नाथ (2014) ‘डायनैमिज्म इन एसएंडटी ऐंड दी रोल ऑफ एसएंडटी ऐंड इन्नोवेशन पालिसीज इन चाइना: लैसन्स फ्रॉम इंडिया’, स्टिप बुलेटिन सं. 4, मार्च 2014, सीएसआईआर- निस्टैड्स
- मधुलिका भाटी, सौरभ राम कुमार तथा पुष्कर बंसल (2015), ‘जल क्षेत्र में नैनोटेक्नोलॉजी का अनुप्रयोग’, स्टिप नीति पत्रिका सं. 6, सीएसआईआर- निस्टैड्स
- एन. मृणालिनी, प्रदोष नाथ तथा जी. डी. संध्या, (2013), ‘अंडरस्टैंडिंग इन्नोवेशन’, स्टिप पत्रिका सं. 1, सीएसआईआर- निस्टैड्स, 2013
- एन. मृणालिनी, प्रदोष नाथ तथा जी. डी. संध्या, (2013), ‘एफडीआई इन आरएंडडी इन इंडिया: पॉलिसी इंप्लीकेशन्स’ स्टिप पत्रिका सं. 2, सीएसआईआर- निस्टैड्स, सितंबर 2013
- एस. भट्टाचार्य, शिल्पा तथा एच कौल, (2014), ‘साइंटिफिक रिसर्च इन इंडिया: ड्रौइंग इनसाइट्स फ्रॉम बिब्ल्योमीट्रिक इंकेटर्स’, स्टिप पत्रिका सं. 3, सीएसआईआर- निस्टैड्स, जनवरी
- तबस्सुम ज़माल (2014), ‘रोल ऑफ स्टेट एसएंडटी काउंसिल्स इन इंडिया’ स्टिप पत्रिका सं. 5, सीएसआईआर- निस्टैड्स
- वाई. माधवी तथा ए. महाजन (2015), ‘अफोर्डेबिल हेल्थकेयर: दी इंडियन पर्सपेक्टिव’, स्टिप नीति पत्रिका सं. 8, सीएसआईआर- निस्टैड्स
- योगेश सुमन, तबस्सुम ज़माल, एस. पोहित, महेश कुमार सेनी, ज्योत्सना पांडेय तथा नीतेश कुमार यादव (2014) ‘प्रमोटिंग इन्नोवेशन इन इंडियन एमएसएमईज: पॉलिसी पर्सपेक्टिव’, स्टिप नीति पत्रिका सं. 7, सीएसआईआर- निस्टैड्स

प्रायोजित परियोजनाएं

इंस्पायर प्रोग्राम के लिए डाटा प्रबंधन एवं सहायता सुविधा का विकास

टीम: विपन कुमार

प्रायोजक : विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार

आरंभ तिथि : 1/4/2009 समाप्ति तिथि : 31/12/2015

इस परियोजना का उद्देश्य इंस्पायर प्रोग्राम के निम्नलिखित तीन मुख्य घटकों को डाटाबेस प्रबंधन तथा सहायता उपलब्ध कराना है:-

क) स्कीम फौर अर्ली अट्रैक्शन ऑफ टेलेन्ट्स फौर साइंस (सीट्स): इस योजना के अंतर्गत 10-15 आयु वर्ग के कुल 1 लाख युवा विद्यार्थियों को उनके स्कूली जीवन में एक बार 5000/- की विज्ञान नवाचार छात्रवृत्ति उपलब्ध कराना और पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रत्येक वर्ष 10वीं की परीक्षा में शीर्ष के 1 प्रतिशत विद्यार्थियों के लिए ग्रीष्मकालीन शिविर में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित व्यक्तियों तथा विज्ञान में भारतीय मार्गदर्शकों सहित विश्व विज्ञान के मार्गदर्शकों के द्वारा सदस्यता ।

ख) स्कॉलरशिप फौर हायर ऐजुकेशन(शी): इसके अंतर्गत 17-22 आयु वर्ग के 10 हजार विद्यार्थियों को बी.एससी. तथा एम.एससी स्तर पर विज्ञान शिक्षा जारी रखने के लिए प्रति वर्ष 1 लाख रुपए की छात्रवृत्ति; तथा

ग) 22-32 आयु वर्ग के 1000 युवा शोधकर्ताओं को 5 वर्ष के लिए अस्सोर्ड अपौरचुनिटी फौर रिसर्च कैरियर (एओआरसी) ताकि वे अपनी पीएच. डी. पूरी करने के पश्चात अगले 5 वर्ष की अवधि के लिए अस्सोर्ड अपौरचुनिटी फौर रिसर्च कैरियर द्वारा समर्थित विज्ञान में डॉक्टरल रिसर्च जारी रख सकें ।





मॉडलिंग स्टडीज ऑन ग्रीन हाउस गैस इमीशन

इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनोमिक ग्रोथ, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ संयुक्त रूप से

टीम: संजीव पोहित

प्रायोजक : पर्यावरण एवं वन मंत्रालय

स्थिति : जारी आरंभ तिथि : जून 2014

इस अध्ययन का एकमात्र उद्देश्य है यह कि दशकीय समयावधि में ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन की संभावित रूपरेखा में विकास किया जाए: वर्तमान में (2010) तथा 2030; 2040; 2050 तक आने वाले जलवायु समझौतों के लिए पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के लिए इनपुट उपलब्ध कराई जाए। इस संबंध में, इस अध्ययन में निम्नलिखित उद्देश्यों पर चर्चा करने का प्रयास किया गया है: (क) बड़े आर्थिक मॉडल परिप्रेक्ष्य एवं उपलब्ध नीति विकल्पों की भारतीय अर्थव्यवस्था से भविष्य में ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन के लिए संभावित रूपरेखा उपलब्ध कराई जाए ताकि बहु-

क्षेत्रीय पहुंच के परिप्रेक्ष्य से कम कार्बन विकास का मार्ग शुरू किया जा सके, (ख) ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन तथा भारत में वर्तमान में अध्ययन वाले क्षेत्र जैसे जल क्षेत्र, के न्यूनीकरण विकल्प के लिए विस्तृत क्षेत्रीय परिदृश्य तैयार करना तथा (ग) इय बात का अनुमान लगाना कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि, नगरीकरण एवं गरीबी उन्मूलन के बीच ट्रेड-ऑफ तथा ओवरलैप्स पर नियंत्रण करने के लिए सहयोगी सांख्यिकीय उप मॉडल सहित अर्थव्यवस्था के लिए बृहत-आर्थिक कल्याण संकेतकों के रूप में उपर्युक्त क तथा ख का क्या तात्पर्य है।

फार्म समुदाय पर आलू तथा मैथा तेल के भविष्य बाजार का प्रभाव

टीम: प्रदीप बिस्वास तथा संजीव पोहित (आईआईएम कोलकाता के साथ संयुक्त रूप से)

प्रायोजक: एमसीएक्स

स्थिति: पूर्ण

भविष्य बाजार पर उपलब्ध विद्यमान साहित्य के अधिकांश भाग में मुख्य रूप से किसानों/ किसान समूहों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। जिसमें थोड़ा ध्यान उनके व्यापार नेटवर्क में बदलाव, विशेष रूप से उत्पाद क्षेत्र के दूर-देहात पर दिया गया है। इस अध्ययन में यह प्रयास किया गया है कि विद्यमान व्यापार नेटवर्क के अंतर्गत भविष्य की व्यापार व्यवस्था

में भागीदारों के संबंधों की प्रकृति की खोज करके इस अंतर को भरा जाए। ऐसा दो उत्पादों के संबंध में हुआ है-- आलू तथा मैथा तेल, इन दो उत्पादों के व्यापक इकोसिस्टम पर आधारित भविष्य व्यापार के प्रभावों की सार्थक जानकारी के लिए व्यक्त किए गए आय के साथ हुआ है।

उत्तर प्रदेश राज्य के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति निर्माण

टीम: तबस्सुम ज़माल

प्रायोजक : उत्तर प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूपीसीएसटी), लखनऊ

अवधि : 2011-2013 (पूर्ण)

उत्तर प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के साथ मिलकर कार्य करते हुए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विकास के क्षेत्र और राज्य स्तर पर शोध प्रयासों में नीतिगत हस्तक्षेपों की जांच-पड़ताल करके निस्टैड्स के अनुभव में संबर्धन हुआ है। इस नीति दस्तावेज में क्रियान्वयन के ढांचे पर ध्यान केंद्रित किया गया है तथा उन उपायों की रूपरेखा तैयार की गई है जो नीति के क्रियान्वयन के क्रम में अपनाए जा सकते हैं। इसमें यह भी सुझाव दिया गया है कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति के लक्ष्यों, कार्य तथा प्रभाव की मॉनीटर करने और इसके अतिरिक्त विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्षेत्रीय समन्वय सुधारने के लिए संस्थानिक क्षमताएं स्थापित की जाएं। इस दस्तावेज में इस बात पर जोर दिया गया है कि आर्थिक और अन्य नीतियों के साथ प्रतीकात्मक संबंध विकसित करके विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी व्यवस्था और सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों के बीच अंतरालों को कम किया जाए। उत्तर प्रदेश राज्य की समस्याओं का समाधान खोजने तथा अंतरविषयी शोध को प्रोत्साहित करने और समग्र आर्थिक विकास एजेंडा सहित विज्ञान, शोध एवं नवाचार व्यवस्था के योगदानों को जोड़ते हुए आधुनिक विज्ञान के माध्यम से पारंपरिक ज्ञान को बढ़ावा दिया जाए। इसके अतिरिक्त इस रिपोर्ट में संगतता एवं उत्कृष्टता की प्राथमिकताओं को शामिल करने हेतु मुख्य संस्तुतियां शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, लखनऊ को इस परियोजना की रिपोर्ट सौंपने के अतिरिक्त, इसकी एक प्रति आगे की नीति संबंधी कार्रवाई के लिए उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल को भी प्रस्तुत की गई। यह परियोजना भारतीय राज्यों के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की रूपरेखा तैयार करने हेतु शुरू की गई है तथा सामान्यतया राज्य तथा समाज के कल्याण में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कितना योगदान कर सकती है, इस संबंध में महत्वपूर्ण सकारात्मक क्षमता के साथ उत्तर प्रदेश राज्य एक उदाहरण बन गया है। इस अनुभव ने अन्य राज्यों की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी योजनाओं का अध्ययन करने के लिए पथप्रदर्शक का कार्य किया है। उदाहरण के लिए, हरियाणा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, पंचकूला से हरियाणा के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति की रूपरेखा तैयार करने हेतु इसके समान शोध परियोजना संचालित करने का अनुरोध प्राप्त हुआ है।

राज्य सरकार के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति तैयार करने में निस्टैड्स में विकसित विशेषज्ञता का यह सकारात्मक संकेत है। (सीएसआईआर-निस्टैड्स ने पिछले कुछ वर्षों में कुछ अन्य राज्यों को राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी योजनाओं के लिए नीति संबंधी इनपुट उपलब्ध कराया है।)





ग्रामीण उद्यम का स्केलिंग-अप

सीटीडी, नई दिल्ली तथा आईआईटी, मुंबई के सहयोग से ब्रिजिंग दी अर्बन ऐंड रूरल डिवाइड पर इंडो- यूके कोलाबोरेटिव रिसर्च इनिशिएटिव

टीम: राजेश्वरी एस. रैना

अवधि: सितंबर 2012 से दिसंबर 2015

21वीं सदी में स्थायी विकास के लिए ग्रामीण उद्यमों और उनके मूल्य नेटवर्क की ज़रूरत होगी जो ग्रामीण और शहरी लोगों की ज़रूरतों को पूरा कर सकें। किंतु इसके लिए, ग्रामीण उद्यम को स्केल के उपयुक्त अर्थ एवं डिजाइन, उपलब्ध सामग्री, बाजार एवं प्रबंधकीय नवाचारों के साथ स्केल परिणामों की ज़रूरत है। वेल्स में यूके घटक (रिसर्च पार्टनर- इम्पीरियल कॉलेज, लंदन, नौटिंगिल ऐंड स्वांसी यूनिवर्सिटीज) तथा उत्तराखंड में भारतीय घटक (रिसर्च पार्टनर- सीटीडी, आईआईटी, मुंबई तथा निस्टैड्स) ने ज़रूरत पर आधारित प्रयोक्ता केंद्रित तथा नेटवर्क से जुड़े हुए ग्रामीण उद्यमों को स्केल-अप करने के लिए नये मॉडल तथा

कार्यविधि विकसित करने का प्रयास किया है। इस परियोजना में संबोधित 'कॅम्यूनिटीज ऑफ प्रैक्टिस', खुबानी (वाइल्ड एप्रीकोट) के समुदाय स्तरीय संग्रहकर्ता तथा प्रोसेसर हैं जो नवाचार अभियांत्रिकी के समाधानों तथा समुदाय की गतिशीलता में संस्थागत एवं नीति नवाचार, गुणवत्ता नियंत्रण हेतु आईसीटी आधारित उपकरण एवं उत्पादन फ्लो एवं बाजार का समन्वय से सम्बद्ध हैं। इनके सहयोग से भारत में अगली पीढ़ी के ग्रामीण उद्यमों के लिए नये मॉडल तैयार करने व प्रदर्शित करने हेतु स्केलिंग अप करने संबंधी इस परियोजना के उद्देश्य को प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

जैव कृषि के लिए नीति तथा संस्थागत सहायता: समेकित स्थायी विकास के लिए मार्ग तैयार करना

टीम : राजेश्वरी एस. रैना

प्रायोजक : टैरी फौर डिवेलपमेंट ऑफ एग्रीकल्चर ऐंड को-आपरेशन (डीओएसी)

अवधि : फरवरी 2012-सितंबर 2014

इस अध्ययन में भारत में जैव कृषि के विकास एवं मूल्यांकन का विश्लेषण किया गया है। इसका उद्देश्य स्थायी एवं समेकित कृषि विकास सुश्चित करने हेतु जैव कृषि के लिए उपलब्ध नीति तथा संस्थागत

सहायता को समझना है। भारतीय संघ के 11 राज्यों में जैव कृषि, स्पष्ट जैव कृषि नीतियों में उत्पादन व्यवस्था के लिए बढ़ते हुए निर्यात एवं घरेलू बाजार के बावजूद, जैव कृषि के लिए अपर्याप्त सरकारी

सहायता है। अंतरराष्ट्रीय अनुभव तथा तीन राज्यों (पंजाब, उत्तराखंड एवं कर्नाटक) के विशेष मामलों का विस्तृत विश्लेषण करते हुए इस अध्ययन में कृषि के बदलते हुए संदर्भों तथा जैव कृषि में मौजूद एवं कार्यक्रमों के प्रभाव को प्रस्तुत किया गया है। इसमें यह सिफारिश की गई है कि केंद्र सरकार तथा वचनबद्ध

राज्य सरकारें जैव कृषि की सहायता के लिए अपने-अपने कृषि विकास कार्यक्रम, शोध व विकास की रूपरेखा तैयार करें तथा उसे क्रियान्वित करें। यह देश के कम से कम 100 जिलों में उपयुक्त तथा विकेंद्रीकृत जन निवेश तथा शोध व विकास सहायता के साथ हो।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और नवाचार परिणामों का अध्ययन

टीम: सुजीत भट्टाचार्य (परियोजना प्रमुख), प्रवीण शर्मा, फयाज अहमद शेख, शिल्पा और अर्शिया कौल

प्रायोजक : सीईएफआईपीआरए/आईएफसीपीआर

आरंभ तिथि : 1 जनवरी 2013 पूर्ण होने की तिथि : 30 सितंबर 2013 (पूर्ण)

बुनियादी और अनुप्रयुक्त शोध के अनेक क्षेत्रों में भारत और फ्रांस के दीर्घकालीन सहयोगी संबंध रहे हैं। इनमें से संयुक्त शोध के सक्रिय क्षेत्र हैं- गणित, पदार्थ विज्ञान, अंतरिक्ष विज्ञान और संक्रामक रोग हैं। इन दोनों देशों के बीच शोध सहभागिता को आगे भी मजबूत बनाने हेतु समय-समय पर बड़े कदम उठाए गए हैं। इस सहभागिता का एक महत्वपूर्ण परिणाम आईएफसीपीआर/सीईएफआईपीआर [इंडो-फ्रेंच सेंटर फ़ॉर प्रमोशन ऑफ़ एडवांस्ड रिसर्च]/[सेंटर फ़्रेंको-इंडियन पोर ला प्रमोशन दी ला रिसर्च एवांसी]—वर्ष 1987 में स्थापित द्विपक्षीय संस्थान की स्थापना है ताकि दोनों देशों के बीच विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सहभागिता को मजबूत किया जा सके।

इस रिपोर्ट में इस संस्थान की स्थापना से पिछले 25 वर्षों में इसके द्वारा निभाई गई भूमिका की विस्तृत जांच की गई है तथा इस मूल्यांकन पर आधारित इंडो-फ्रेंच विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार सहभागिता को आगे भी मजबूत करने के संबंध में इसकी वचनबद्धता को बढ़ाने हेतु सुझाव दिए गए हैं। इसमें ज्ञान के

मूल्यों के प्रति ध्यान आकर्षित किया गया है जो इस संस्थान के स्फ़ॉर्डिंग ऑफ़ साइंटिफिक ऐंड इंडस्ट्रियल रिसर्च प्रोजेक्ट्स- के माध्यम से सृजित किया गया है। इस संस्थान ने दोनों देशों की विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार में मानव संसाधन क्षमता बढ़ाते हुए, अकेले वैज्ञानिक तथा दोनों देशों के संस्थानों में संबंध मजबूत करने और इसके द्वारा कुछ महत्वपूर्ण आर्थिक तथा/ अथवा सामाजिक परिणामों में मार्गदर्शन करने वाली सार्थक शोध के समर्थन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सीईएफआईपीआरए ने वर्षों से विश्व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की बदलती हुई डायनैमिक्स, दोनों देशों की शोध ज़रूरतों, और वैश्विक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए अपनी भूमिका व्यापक बनाया है। इस अध्ययन में इस बात की भी खोज की गई है कि सीईएफआईपीआरए की गतिविधियां दोनों देशों के बीच सामान्यतः विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार कार्यक्रमों और समकालिक वचनबद्धता को किस प्रकार प्रभावित कर रही हैं।





भारत-जापान सहयोगी विज्ञान कार्यक्रम के 20 वर्ष

टीम: सुजीत भट्टाचार्य, प्रवीण शर्मा, शिल्पा तथा प्रीति गर्ग

प्रायोजक: विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

आरंभ तिथि : 15 मार्च 2015 समाप्ति तिथि : 31 दिसंबर 2015 (जारी)

इस अध्ययन का उद्देश्य भारत तथा जापान के बीच सहयोगी शोध बढ़ाने में विज्ञान को प्रोत्साहित करने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार तथा जापान सोसायटी फ़ॉर दी प्रमोशन ऑफ साइंस (जेएसपीएस) द्वारा निभाई गई भूमिका का निर्धारण करना है। इस संबंध में, दोनों देशों की परस्पर यात्राओं, संगोष्ठियों तथा व्याख्यान श्रृंखलाओं के माध्यम से शोधकर्ताओं की क्षमता बढ़ाने हेतु दोनों संस्थानों के कथित तथा समर्थित कार्यक्रमों में विभिन्न तरीकों का पता लगाया जाएगा। इसके अतिरिक्त,

इस अध्ययन में समर्पित परियोजना निधि के माध्यम से यह भी जांच की जाएगी कि संस्थागत क्षमता तथा नये हानिकारक क्षेत्रों को किस प्रकार सहायता उपलब्ध कराई गई। इस कार्यक्रम से प्राप्त परिणामों के विश्लेषण के आधार पर इस अध्ययन में भारत- जापान शोध सहयोग बढ़ाने में इस कार्यक्रम की शक्ति का आकलन किया जाएगा तथा इस कार्यक्रम को अधिक सफल बनाने के लिए विचारणीय विषयताओं का उल्लेख किया जाएगा।

आंतरिक परियोजनाएं

मानसिक स्वास्थ्य उपचार तथा आयुर्वेद

टीम : अनुराधा सिंह

अप्रैल 2013-अगस्त 2016

इस परियोजना के अंतर्गत भारत में मानसिक स्वास्थ्य के मौजूद प्रतिमान (पैराडाइम) के पुनरीक्षण का समीक्षापूर्ण रूप से खोज की गई है। आयुर्वेद के अनुसार मानसिक स्वास्थ्य के निरोधक तथा आरोग्यकर पहलुओं की जांच-पड़ताल की गई है तथा यह पता लगाया गया है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं नीति निर्धारण में सर्वोत्तम प्रथाएं किस तरह मुख्य सांस्कृति प्रवृत्ति बन सकती हैं।

सर्वोत्तम प्रथाओं तथा प्रभावोत्पादकता के रूप में उनकी परिणामोन्मुखता एवं रोग उपचारक सफलता का निम्नलिखित तीन अस्पतालों में आयुर्वेद के पारंपरिक पाठ और उनकी रेजनन्ट प्रथाओं का अध्ययन किया जा रहा है:-

- इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद ऐंड इंटीग्रेटेड मैडिसिन आई- आईएम हेल्थ केयर सेंटर, बेंगलुरु। यह

आयुर्वेद के पारंपरिक उपचार के लिए 100 बिस्तरों वाला नया अस्पताल है।

- आर्य वैद्य चिकित्सालय तथा रिसर्च इंस्टीट्यूट, कोयमबटूर। यह आयुर्वेद तथा सिद्ध परंपरा के सिद्धांतों पर कार्यरत 150 बिस्तरों वाला अस्पताल है। इसके साथ इसमें अवतार, दी आर्य वैद्य ट्रस्ट इंस्टीट्यूट फौर एडवांस रिसर्च है।
- एडवांस सेंटर ऑफ आयुर्वेद (एसीए) ऑफ दी नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेन्टल हेल्थ ऐंड न्यूरोसाइंस (एनआईएमएचएनएस), बेंगलुरु
- इस परियोजना के परिणामों को एक पुस्तक के रूप में अगस्त 2016 तक प्रकाशित कराने की योजना है।





हिमालयी इकोलॉजी तथा आर्थिक विकास (एचईईडी)-समग्र विकास के लिए कृषि-जैवविविधता संरक्षण एवं उद्यम को प्रोत्साहन

टीम: मोह. रईस

अप्रैल 2010-मार्च 2013

भारत का केंद्रीय हिमालय क्षेत्र पारंपरिक कृषि समाज का प्रतिनिधित्व करता है जहाँ 70 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या अपने जीवन-निर्वाह के लिए मुख्य रूप से कृषि खाद्यान्न फसलों पर निर्भर करती है। इस क्षेत्र में पारंपरिक फसलों की 40 से अधिक अलग-अलग प्रजातियां हैं जिनमें अनाज, कृत्रिम अनाज, बाजरा, दालें, तिलहन आदि शामिल हैं, उगाई जाती हैं। बढ़ते हुए शहरीकरण तथा इस क्षेत्र में हो रहे प्रवास के साथ यह व्यवस्था समाप्त होती जा रही है तथा यहां बाजरा की कृषि कम हो गई है। इस राज्य में

पारंपरिक फसलों पर आधारित अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए बहुत बड़ी विश्वसनीयता की आवश्यकता है। इसके लिए सरकारी निजी साझेदारी की आवश्यकता है जो कृषि उत्पादों के भंडारण, वाहन-व्यवस्था तथा विक्रय को बढ़ा सके। इसके अतिरिक्त मूल्य श्रृंखला में मध्यस्थता में कमी लाने की आवश्यकता है तथा किसानों को दूरस्थ बाजारों से भी जोड़ा जाना चाहिए। हमें ऐसी व्यवस्थित आपूर्ति श्रृंखला की आवश्यकता है जो किसानों को सुरक्षा प्रदान करेगी और उनको अपने उत्पादों का उचित मूल्य मिलेगा।

भारत में खाद्य संसाधन उद्योग: विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी क्षमताएं एवं नीतिगत मामले

टीम: मुह. रईस

आरंभ तिथि : अप्रैल 2013 स्थिति : जारी

भारतीय खाद्य संसाधन उद्योग ने पिछले कुछ वर्षों में बाजारों में बदलती हुई प्रवृत्तियों, उपभोक्ता गुटों एवं व्यवस्थापन द्वारा संचालित महत्वपूर्ण विकास तथा परिवर्तन देखे हैं। इन प्रवृत्तियों जैसे बदलती हुई डेमोग्राफिक्स, बढ़ती हुई जनसंख्या एवं तीव्र गति से हो रहे शहरीकरण के भविष्य में भी जारी रहने की

उम्मीद है तथा इसलिए मूल्य वर्धित उत्पादों की मांग बढ़ेगी और भारत में खाद्य संसाधन उद्योग की ज़रूरत होगी। भारत का खाद्य संसाधन क्षेत्र स्पष्ट रूप से निवेश के लिए एक आकर्षक क्षेत्र है तथा यह निवेशकों को महत्वपूर्ण विकास क्षमता प्रदान करता है। इस क्षेत्र में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी क्षमता एवं शोध व

विकास को बढ़ाने के व्यापक अवसर हैं। भारत खाद्य संसाधन क्षेत्र में मौजूद सभी अवसरों को सिर्फ तभी नियंत्रित कर सकता है जब इसकी श्रम शक्ति शिक्षित और दक्षता प्राप्त हो। सरकार को बाजार की तर्ज पर अपने कौशल विकास कार्यक्रम को मजबूत बनाने; नये प्रशिक्षण संस्थान खोलने की ज़रूरत है। इसके

अतिरिक्त, आधारभूत सुविधाओं का विकास जैसे प्रशीतन सुविधा, सड़क सुविधाएं एवं विद्युत आपूर्ति आदि भारत के खाद्य संसाधन उद्योग को मजबूत बनाने में सहायक हैं। इससे विकारीय खाद्य उत्पाद उद्योग पर बहुत सकारात्मक संकेत जाएगा जैसे फल तथा सब्जियां, दुग्ध उद्योग, मांस तथा मुर्गीपालन आदि।





भारत में जैवप्रौद्योगिकी नवाचार के लिए प्रौद्योगिकी लाइसेंसिंग की भूमिका

टीम : संध्या वाकडीकर

आरंभ तिथि : अप्रैल 2013 स्थिति : जारी

इस अध्ययन का उद्देश्य अन्य विकल्पों जैसे शोध व विकास सहयोगों, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश, संयुक्त जोखिमों, विलय तथा उपलब्धियों के संदर्भ में, प्रौद्योगिकी लाइसेंसिंग के लिए निर्धारकों का विश्लेषण करना है। इसके अतिरिक्त, प्रौद्योगिकी लाइसेंसिंग की प्रवृत्ति, शोध व विकास सहयोग, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश, संयुक्त जोखिम तथा विलय एवं उपलब्धियों इत्यादि का विश्लेषण करने हेतु यह अध्ययन संचालित किया गया है। इससे विश्व के जैवप्रौद्योगिकी परिदृश्य में भारत को प्रतियोगी तथा एक पहचान बनाने के लिए तेजी से आगे बढ़ते हुए

जैवप्रौद्योगिकी क्षेत्र में प्रौद्योगिकी लाइसेंसिंग की संगतता का पता चलेगा। इस अध्ययन में लाइसेंस द्वारा खरीदी गई सामग्री का स्वरूप जैसे सूचना

(प्रौद्योगिकी, जेनोमिक डाटाबेस, इत्यादि) सामग्री, शोध व विकास उत्पाद आदि की जांच की जाएगी तथा इसे फर्म की विशेषताओं के साथ जोड़ा जाएगा।

जैवप्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्यरत संगठनों तथा उद्योग के डाटाबेस तैयार किए गए। जैवप्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्यरत प्रौद्योगिकी के लाइसेंसरों तथा लाइसेंसदारों (1200 से अधिक प्रश्नावलियां डाक द्वारा भेजी गईं) के पास प्रश्नावलियां भेजी गईं। इस संबंध में कुछ प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुई हैं। ये डाटा व्यवस्थित हैं तथा इनका शोध पेपर लिखने हेतु उपयोग किया जा रहा है। लाइसेंसिंग प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुभूत समस्याओं का अध्ययन करने हेतु कुछ साक्षात्कार भी संचालित किए गए हैं।

सीएसआईआर नेटवर्क परियोजनाएं

सीएसआईआर नोलेज गेटवे एंड ओपन सोर्स प्राइवेट क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर (नोगेट)

नोडल अधिकारी: योगेश सुमन

सीएसआईआर-निस्केयर द्वारा समन्वित सीएसआईआर नेटवर्किंग प्रोजेक्ट

अवधि: फरवरी 2013(जारी)

सीएसआईआर नोलेज गेटवे एंड ओपन सोर्स प्राइवेट क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर (नोगेट) सूचना विज्ञान क्लस्टर के अंतर्गत संचालित 2वीं पंचवर्षीय योजना नेटवर्क परियोजना है। यह परियोजना 38 प्रतिभागी प्रयोगशालाओं जिनमें सीएसआईआर-एम कम्प्लेक्स तथा सीएसआईआर मुख्यालय सम्मिलित हैं, के साथ सीएसआईआर- निस्केयर, नई दिल्ली द्वारा नोडल प्रयोगशाला के रूप में कार्यान्वित की जाएगी। उक्त परियोजना 39 सीएसआईआर केआरसी (नोलेज रिसोर्स सेंटर) को चार समूहों में विभाजित करके चरणबद्ध तरीके से कार्यान्वित की जाएगी।

इस परियोजना का उद्देश्य सीएसआईआर प्राइवेट क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर तथा ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी सॉल्यूशन सेल (ओएसएसटीएससी) के माध्यम से सीएसआईआर की कंप्यूटिंग पावर की क्षमता तथा सामर्थ्य को बढ़ाना है। इसके अतिरिक्त, सीएसआईआर केआरसी को सीएसआईआर की

प्रयोगशालाओं में सीएसआईआर पुस्तकालय: कैटालॉग शेयरिंग, अंतर पुस्तकालय ऋण तथा दस्तावेज आपूर्ति सेवा के लिए रेफरल सेवा स्थापित करके सूचना स्रोत शेयरिंग के अतिरिक्त ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर का उपयोग करके इन्टिग्रेटिड लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉल्यूशन उपलब्ध कराना है।

इस परियोजना की गतिविधियों को तीव्र गति से कार्यान्वित किए जाने के आधार पर सीएसआईआर- निस्टैड्स, नई दिल्ली को इस परियोजना के अंतर्गत प्रतिभागी प्रयोगशालाओं के समूह- रूप में रखा गया है। सीएसआईआर- निस्टैड्स पुस्तकालय में अब तक उपलब्ध सभी संकलनों को कंप्यूटरीकृत किया जा चुका है तथा इंटरनेट के द्वारा सर्च योग्य बना दिया गया है। इसके अतिरिक्त, इस पुस्तकालय में पुस्तकों की प्राप्ति तथा जारी करना भी कंप्यूटरीकृत किया जा चुका है।





वैज्ञानिक एवं नवोन्मेषी अनुसंधान अकादमी (एक्सर)

समन्वयकर्ता : योगेश सुमन

सतपाल सांगवान, संजीव पोहित, तबस्सुम ज़माल, सुजीत भट्टाचार्य, मुह. रईस, वाई. माधवी, नीलम कुमार, राजेश्वरी एस. रैना, योगेश सुमन, नरेश कुमार, विपन कुमार, जयदीप घोष तथा डा. कस्तूरी मंडल

सीएसआईआर- निस्टैड्स ने अकादमी ऑफ साइंटिफिक ऐंड इन्नोवेटिव रिसर्च के भाग के रूप में विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा नवाचार अध्ययन (एसटीआईएस) पर पीएच.डी. पाठ्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विश्लेषणात्मक क्षमताओं सहित विद्वानों और व्यवसायियों का समीक्षात्मक समूह तैयार करना है ताकि आर्थिक रूप से उत्पादक, सामाजिक रूप से प्रगतिशील एवं पर्यावरणीय रूप से धारणीय तरीकों में भारत की विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार ट्रेजैक्टरी का मार्ग प्रशस्त तथा परिवर्तन किया जा सके। सीएसआईआर- निस्टैड्स ने अपने अकादमिक तथा नीतिगत प्रयासों में विज्ञान तथा समाज के बीच इंटरफेस का संचालन किया है। सीएसआईआर- निस्टैड्स के पीएच.डी. पाठ्यक्रम में निम्नलिखित शामिल हैं-

अनिवार्य पाठ्यक्रम

1. मात्रात्मक शोध क्रियाविधि
2. गुणात्मक शोध की भूमिका
3. भारतीय अर्थव्यवस्था तथा नीति

4. नवाचार व्यवस्था तथा विकास
5. विज्ञान इतिहास की प्रस्तुति
6. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति
7. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी व्यवस्था- भारत तथा विश्व

वैकल्पिक पाठ्यक्रम (सिर्फ कुछ की सूची नीचे दी गई है)

1. व्यापार तथा प्रौद्योगिकी
2. मूल्य श्रृंखला विश्लेषण के माध्यम से उद्यम विकास
3. शोध, नवाचार एवं विकास के संदर्भ में बौद्धिक संपदा अधिकार
4. पर्यावरणीय इतिहास
5. संसाधन नियोजन तथा नीति

संकाय

- शैक्षणिक पृष्ठभूमि तथा शोध अभिरुचियां
- प्रकाशन
- आमंत्रित व्याख्यान/सम्मेलनों में पेपर प्रस्तुतिकरण
- विदेशी यात्राएं

शैक्षणिक पृष्ठभूमि तथा शोध अभिरुचियां

निदेशक

डा. एस. गंगोपाध्याय

निदेशक (अतिरिक्त भार, मार्च 2015)



डा. सुभमय गंगोपाध्याय ने 29 मई 2009 को केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई), नई दिल्ली के निदेशक का पदभार संभाला है। इससे पहले उन्होंने 2 सितंबर 2008 से इस संस्थान के कार्यवाहक निदेशक के रूप में कार्य किया है। उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरी में स्नातक (बी.ई.) तथा आईआईटी, कानपुर (उ. प्र.) से ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम इंजीनियरी में स्नातकोत्तर (एम.टैक) की डिग्री प्राप्त की है। डा. एस. गंगोपाध्याय ने शिष्टमंडल छात्रवृत्ति योजना (कॉमनवैल्थ स्कॉलरशिप प्लान) के अंतर्गत यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू ब्रिस्विक्, कनाडा से एम.एससी तथा पीएच.डी की उपाधि प्राप्त की है।

डा. एस. गंगोपाध्याय ने वर्ष 1979 में केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में वैज्ञानिक 'बा' के रूप में कार्यग्रहण किया तथा वर्ष 2005 में वैज्ञानिक रुजी- के पद पर पदोन्नति हुई। निदेशक का पदभार संभालने से पूर्व वह सीआरआरआई में यातायात एवं परिवहन आयोजना प्रभाग (ट्रैफिक ऐंड ट्रांसपोर्टेशन प्लानिंग डिवीजन) के प्रमुख रहे हैं। उन्हें यातायात इंजीनियरी तथा यातायात योजना, क्षेत्रीय एवं शहरी यातायात मांग मॉडलिंग टैरिफ प्लो थ्योरी ऐंड कैपेसिटी एनालाइसिस, सड़क यातायात सुरक्षा, शहरी यातायात की भीड़-भाड़ तथा सड़क यातायात का पर्यावरणीय प्रभाव के क्षेत्र में 35 से अधिक वर्षों का अनुभव प्राप्त है। उन्होंने भारत के अनेक शहरों में यातायात तथा

वाहनों के अध्ययन का व्यापक स्तर पर समन्वय किया है। उन्होंने मुंबई, सूरत, नागपुर, अमरावती, नागपुर तथा आइजोल के लिए विस्तृत यातायात एवं परिवहन अध्ययन; भारत के महानगरों में शहरी सड़क परिवहन तथा वायु प्रदूषण; दिल्ली में मेट्रो सुविधा लागू होने के पश्चात लाभों का मूल्यांकन तथा दिल्ली में बुद्धिमतापूर्ण वाहन व्यवस्था का लागू होना एवं वाहन योजना तथा यातायात इंजीनियरी से जुड़ी अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूर्ण कराया है।

डा. एस. गंगोपाध्याय दिसंबर 2014 तक दिल्ली विकास प्राधिकरण के तकनीकी सब ग्रुप के सदस्य रहे हैं। वह आईआरसी, आईएमआरए समिति के अध्यक्ष तथा आईआरसी मैटेरियल अक्रिडाइटेशन कमेटी के अध्यक्ष, आईआरसी की ट्रैफिक ऐंड ट्रांसपोर्टेशन प्लानिंग कमेटी (एचआई) के अध्यक्ष एवं इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन ट्रांसपोर्ट (इंडिया) के उपाध्यक्ष और बीआईएस की इक्जीक्यूटिव कमेटी के सदस्य रहे हैं। उन्होंने 90 से अधिक शोध पेपर तथा लगभग 50 तकनीकी रिपोर्ट प्रकाशित कराई हैं। उन्होंने कुछ पीएच.डी. तथा एमई विद्यार्थियों का भी मार्गदर्शन किया है तथा कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए), आस्ट्रेलिया, इटली एवं श्रीलंका, जर्मनी और दक्षिणी अफ्रीका की यात्रा की है।





डा. पार्थसारथी ब्यानार्जी
निदेशक, निस्टेड्स फरवरी 2015 तक

शोध अभिरुचियां: विज्ञान व प्रौद्योगिकी एवं समाज अध्ययन, नवाचार अध्ययन
ईमेल : psb_nist@yahoo.com



वैज्ञानिक
प्रदोष नाथ

शोध अभिरुचियां: नवाचार; विज्ञान व प्रौद्योगिकी नीति; शोध व विकास प्रबंधन
ईमेल : pradoshnath@yahoo.com



दिनेश अबरोल

शोध अभिरुचियां: विज्ञान व प्रौद्योगिकी एवं समाज अध्ययन, नवाचार अध्ययन एवं
सस्टेनेबिलिटी अध्ययन
ईमेल : ap1966@hotmail.com, dinesh.abrol@gmail.com



डा. सुभान खान

शोध अभिरुचियां: ग्रामीण अध्ययन, जियो-स्पेशल प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग, संसाधन
नियोजन
ईमेल : drsubhankhan@gmail.com



डा. एन. मृणालिनी

शोध अभिरुचियां: शोध व विकास तथा नवाचार डायनैमिक्स
ईमेल : mnatesa@yahoo.co.uk



डा. कविता मेहरा

शोध अभिरुचियां: नवाचार अध्ययन; प्रौद्योगिकी हस्तांतरण; विविध क्षेत्रों जैसे जैवप्रौद्योगिकी, पुष्पकृषि, रेशमपालन एवं दुग्ध उद्योग आदि में प्रौद्योगिकियों का व्यवसायीकरण

ईमेल : kavitamehra@yahoo.com



अनुराधा सिंह

शोध अभिरुचियां: विज्ञान तथा भारतीय चिकित्सा परंपरा का क्रॉसरोड; पारंपरिक चिकित्सा सिद्धांत की दार्शनिक स्थापनाएं; आयुर्वेद के विशेष संदर्भ में मानसिक स्वास्थ्य तथा मातृ स्वास्थ्य; स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं का पुनर्जीवन; आयुर्वेद की मेनस्ट्रीमिंग

ईमेल : anuradha.singh.mail@gmail.com



डा. जी. डी. संघा

शोध अभिरुचियां: शोध व विकास एवं इन्नोवेशन डाइनेमिक्स

ईमेल : leelagi@yahoo.co.uk



डा. तबस्सुम ज़माल

डा. तबस्सुम ज़माल निस्टैड्स में वरि. प्रधान वैज्ञानिक के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने प्रौद्योगिकी तथा सामाजिक परिवर्तन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। डा. जमाल ने राष्ट्रीय नवाचार व्यवस्था, राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद और मानव संसाधन विकास, विशेष रूप से तकनीकी तथा व्यावसायिक शिक्षा एवं रोजगारपरक कौशल को प्रोत्साहित करने संबंधी प्रशिक्षण के क्षेत्र में कार्य किया है। उन्होंने संगठित तथा असंगठित क्षेत्र की इवैल्यूएशन एंड इम्पैक्ट असेसमेंट ऑफ गवर्नमेंटल प्रमोशनल स्कीम्स पर अनेक परियोजनाओं को पूरा किया है। अर्थशास्त्र: ट्रेड इन टेक्नोलॉजी में पीएच.डी. की डिग्री रखते हुए इकोनोमिक एंड टेक्नीकल कोपरेशन इन डेवलपिंग कंट्रीज पर केंद्रित उनके नाम से दो पुस्तकें प्रकाशित हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने प्रसिद्ध पत्रिकाओं तथा सम्मेलन की कार्यवाहियों में अनेक शोध पेपर प्रकाशित कराए हैं। सीएसआईआर- निस्टैड्स में अकादमी ऑफ साइंटिफिक एंड इन्नोवेशन रिसर्च के संकाय के रूप में डा. जमाल वर्तमान में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी व्यवस्था: भारत तथा विश्व पर पाठ्यक्रम का अध्यापन कर रही हैं।

ईमेल: tabassumjamal59@gmail.com





एस. के. धवन

शोध अभिरुचियां: संगठन तथा विज्ञान, शोध व विकास प्रबंधन; एवं विज्ञान शिक्षा
ईमेल : sunilkdhawan@yahoo.com



डा. सतपाल सांगवान

शोध अभिरुचियां: विज्ञान का इतिहास; जलवायु परिवर्तन; ऊर्जा नवाचार
ईमेल : sangwan1003@gmail.com



डा. एस. पोहित

वर्तमान में वह सीएसआईआर- निस्टैड्स, नई दिल्ली में वरि. प्रधान वैज्ञानिक तथा अकादमी ऑफ साइंटिफिक ऐंड इन्वेंशन रिसर्च में प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। इससे पूर्व वह नैशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनोमिक रिसर्च (सीनियर फ़ेलो), इंडियन काउंसिल फ़ॉर रिसर्च ऑन इंटरनैशनल इकोनोमिक रिलेशन्स (सीनियर फ़ेलो), इंडियन स्टेटिस्टिकल इंस्टीट्यूट में (सीनियर फ़ेलो) रहे तथा वह यूनिवर्सिटी ऑफ़ मिसीगन (एन आर्बर, यूएसए) में अतिथि विद्वान भी रहे ।

प्रो. पोहित 20 वर्षों के मॉडलिंग अनुभव सहित व्यापार तथा पर्यावरण के क्षेत्र में एक अनुभवी मूर्तिकार हैं । उन्होंने संस्थानिक अर्थशास्त्र, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश, शोध व विकास एवं नवाचार व्यवस्था और हरित विकास के क्षेत्र में कार्य किया है । वह 8 पुस्तकों के सह लेखक हैं तथा पुस्तकों/ पत्रिकाओं में लगभग 80 लेख प्रकाशित कराए हैं । उन्होंने विश्व के अनेक देशों- जापान, कनाडा, यूएसए, भारत, बांग्लादेश, स्विटजरलैंड, नीदरलैंड, सिंगापुर तथा फिनलैंड में आयोजित संगोष्ठियों एवं सम्मेलनों में शोध पेपर प्रस्तुत किए हैं ।

ईमेल: spohit@gmail.com



प्रो. प्रदीप कुमार बिस्वास

शोध अभिरुचियां: सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम; ग्रामीण उद्योग कौशल; शोध व विकास तथा नवाचार

ईमेल : pkbiswas1963@gmail.com



डा. सुजीत भट्टाचार्य

डा. सुजीत भट्टाचार्य ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली से पीएच.डी की उपाधि तथा दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली से एम.एससी. (भौतिकी) की डिग्री प्राप्त की है। वह वर्तमान में, अकेडमी ऑफ साइंटिफिक ऐंड इन्नोवेशन रिसर्च में प्रोफेसर तथा सीएसआईआर- निस्टैड्स, नई दिल्ली में वरि. प्रधान वैज्ञानिक के रूप में कार्यरत हैं तथा वह जर्नल ऑफ साइंटोमीट्रिक रिसर्च (वॉल्टर कुवर्स हेल्थ द्वारा प्रकाशित) के मुख्य संपादक हैं। उनका मुख्य कार्य क्षेत्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति अध्ययन, साइंटोमीट्रिक्स है तथा वह शोध, नवाचार एवं विकास के संदर्भ में बौद्धिक संपदा अधिकार में अध्ययन कर रहे हैं। उनको 20 से अधिक वर्षों का शोध कार्य का अनुभव है तथा वह वर्ष 2007-2009 की अवधि में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली के विज्ञान नीति प्रभाग में सेंटर फॉर स्टडी इन साइंस पॉलिसी में प्रोफेसर रहे (सीएसआईआर-निस्टैड्स से प्रतिनियुक्ति पर)। उनके अन्य शैक्षणिक कार्यों में वर्ष 2009-10 की अवधि में दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली की शासी निकाय के सदस्यता शामिल है। उन्होंने पीअर रिव्यूड जर्नल तथा सम्मेलन की कार्यवाहियों 50 से अधिक शोध पेपर प्रकाशित कराए हैं और अनेक राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में शोध पेपर प्रस्तुत किए हैं। उनके शैक्षणिक कार्यों में सीएसएसपी-जेएनयू में बौद्धिक संपदा अधिकारों पर पाठ्यक्रम एवं अकेडमी ऑफ साइंटिफिक ऐंड इन्नोवेशन रिसर्च में विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार नीति पाठ्यक्रम विकसित करना शामिल है। वह अंतरराष्ट्रीय सहयोगी नेटवर्क 'कोलनेट' के प्रधान अन्वेषक हैं तथा इंटरनैशनल सोसायटी ऑफ साइंटोमीट्रिक्स ऐंड इन्फर्मेशन मैनेजमेंट (आईएसएसआई) न्यूज़लैटर के एशियन संपादक, विभिन्न हैसियत से अनेक राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों की कार्यक्रम समितियों में सदस्य और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के शोध-प्रबंध पर्यवेक्षक रहे हैं। वह विश्वविद्यालयों के अनेक कार्यक्रमों से अतिथि के रूप में सक्रियता से जुड़े हुए हैं। उनके नवीनतम कार्य 'भारत में ज्ञान का सृजन तथा नैनोप्रौद्योगिकी में नवाचार' (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित परियोजना) तथा 'असेसिंग दी इम्पैक्ट ऑफ सीईएफआईपीआरए- भारत- फ्रांस का द्विपक्षीय संस्थान', सीईएफआईपीआरए द्वारा आर्थिक सहायता प्राप्त परियोजना हैं।

ईमेल : sujit_academic@yahoo.com, sujit.personal@gmail.com
for journal: editor@jscires.org; website: <http://jscires.org/journal-scientometric-research>



डा. मुह. रईस

शोध अभिरुचियां: विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा समाज पर अंतरविषयी शोध एवं इकोलॉजीकली सस्टेनेबिल रिसर्च तथा विकास पर ध्यान केंद्रित करना

ईमेल : mohammad_rais@hotmail.com





डा. वाई. माधवी

डा. वाई. माधवी सीएसआईआर- निस्टैड्स में वरि. प्रधान वैज्ञानिक के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से प्राणि विज्ञान में पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की है। उनकी शोध अभिरुचियों में सामान्त्या, जैवचिकित्सीय विज्ञान के समाजविज्ञान और प्रौद्योगिकीय पहलू तथा विशेषकर, स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दे और भारतीय संदर्भ में सार्वजनिक नीति के लिए उनके निहितार्थ शामिल हैं।

डा. माधवी भारत में टीका विज्ञान व प्रौद्योगिकी विकास एवं जन स्वास्थ्य परिप्रेक्ष्य में नीति के लिए समाज एवं निहितार्थों पर इसका प्रभाव की सीएसआईआर- निस्टैड्स में पिछले 20 वर्षों से कार्यरत हैं। उन्होंने निस्टैड्स तथा तथा देश में पहली बार शोध के उपयुक्त क्षेत्र के रूप में “वैक्सीन एसटीएस तथा नीति” की पहचान एवं विकास करने से पहले औषधि नीति, औषधि मूल्य नियंत्रण, टीका शोध व विकास तथा उत्पादन में उद्योग-संस्थान की परस्परक्रिया (इंटरैक्शन) जैसे क्षेत्रों की खोज की है। डा. माधवी ने अब तक पीअर रिव्यू जर्नल में 28 शोध पेपर, 5 पुस्तक अध्याय, तथा 7 तकनीकी रिपोर्टें प्रकाशित की हैं।

ईमेल: y_madhavi@yahoo.com



डा. नरेश कुमार

शोध के क्षेत्र:

(क) प्रौद्योगिकी तथा नये उत्पाद प्रसार एवं प्रौद्योगिकी पूर्वानुमान

(ख) विज्ञान व प्रौद्योगिकी मानव संसाधन/मानव शक्ति अध्ययन

ईमेल : nareshkumar@yahoo.com



डा. एल. पुलाम्ते

शोध अभिरुचियां: विज्ञान तथा ग्रामीण भारत

ईमेल : lpulamte@yahoo.com



डा. नीलम कुमार

शोध अभिरुचियां: विज्ञान का मनोविज्ञान

ईमेल : kumarneelam28@gmail.com



डा. राजेश्वरी एस. रैना

राजेश्वरी एस. रैना (पीएच.डी. (अर्थशास्त्र)- सेंटर फ़ौर डिवेलपमेंट स्टडीज, केरल विश्वविद्यालय) सीएसआईआर- निस्टैड्स में प्रधान वैज्ञानिक के रूप में कार्यरत हैं । उनका अनुभव तथा ज्ञान का आधार विज्ञान तथा अर्थशास्त्र है तथा वह विकास नीति एवं वैज्ञानिक ज्ञान के बीच इंटरफेस की प्रखर विद्यार्थी रही हैं । वर्तमान में उनकी शोध, नीति तथा संस्थागत सुधार और (क) भारत तथा चीन में समग्र विकास के लिए नवाचार, (ख) जैव-नवाचार व्यवस्था, तथा (ग) कृषि- पर्यावरण नीतियां, ज्ञान एवं व्यवहार के लिए क्षमताओं पर केंद्रित है ।

ईमेल : rajeswari_raina@yahoo.com



विपिन कुमार

श्री विपिन कुमार भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई से अभियांत्रिकी में एम.टेक की डिग्री सहित एक प्रशिक्षित अभियंता हैं । निस्टैड्स में कार्यग्रहण करने से पहले उन्होंने नैशनल एयरोस्पेस लेबोरेटरीज (एनएएल), बेंगलुरु के कोर इंजीनियरिंग ग्रुप में कार्य किया है ।

वर्ष 2002 से वह सीएसआईआर- निस्टैड्स में प्रौद्योगिकी प्रबंधन एवं नीति के क्षेत्र में कार्यरत हैं । उनका ऊर्जा तथा जलवायु परिवर्तन नीति शोध, विज्ञान व प्रौद्योगिकी मानव संसाधन नीति शोध एवं लघु एवं मध्यम उद्यम नवाचार क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान है । उन्होंने इंटरनैशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिस्प्लिनरी रिसर्च में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में कार्य किया है । श्री विपिन कुमार ने बोन, जर्मनी में ग्लोबल यंग फैकल्टी 2010-11, जर्मनी के रूप में वोक्सवान फैलोशिप तथा एमजीजी5 फैलोशिप 2009 प्राप्त की है । उन्होंने तीन पुस्तकें लिखी हैं, 16 पुस्तकों के अध्याय, 23 इंटरनैशनल जर्नल पेपर/सम्मेलन की कार्यवाही के पेपर एवं 14 तकनीकी रिपोर्ट प्रकाशित की हैं । वह सीएसआईआर तथा एम्प्री रिसर्च रोडमैप: दी सीएसआईआर रिसर्च रोडमैप इनिशिएटिव्स के लिए ऊर्जा नीति के टीम मार्गदर्शक थे । उनका आईएलओ- जिनेवा, जीआईजैड जर्मनी, दक्षिण केंद्र जिनेवा, यूनिवर्सिटी ऑफ ईसेन, जर्मनी ऍंड फ़ौरेन फ़ैडरल ऑफिस- जर्मनी के साथ सक्रिय सहयोग रहा है । उन्होंने हरित कौशल विकास, विज्ञान व प्रौद्योगिकी मानव संसाधन एवं नवीकरणीय ऊर्जा शोध के क्षेत्र में अनेक प्रायोजित परियोजनाएं ली हैं ।

वर्तमान में वह सीएसआईआर- निस्टैड्स के परियोजना मॉनीटरिंग एवं मूल्यांकन (पीएमई) प्रभाग के प्रमुख भी हैं ।

ईमेल: vipin.nistad@gmail.com





डा. योगेश सुमन

डा. सुमन को देश में विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं उद्योग के विकास से जुड़े नीतिगत मुद्दों पर शोध अध्ययन संचालित करने का लगभग 18 वर्षों का अनुभव है। इन शोध अध्ययनों के फलस्वरूप एक ओर विज्ञान व प्रौद्योगिकी में इंटरैक्शन के विविध पहलुओं का पता लगाने के उद्देश्य से शोध रिपोर्ट, पुस्तक के अध्याय एवं शोध प्रकाशन किए गए हैं तथा दूसरी ओर समाज तथा सरकार। इस क्रियाविधि में प्रश्नावलियों तथा केस अध्ययनों के माध्यम से मूलभूत डाटा संग्रह करना एवं विश्लेषण करना; तथा औद्योगिक, पेटेंट एवं प्रकाशन डेटाबेस के माध्यम से गौण डाटा शामिल हैं। वर्तमान में वह सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) में नवाचार चुनौतियों के अध्ययन में कार्यरत हैं।

ईमेल: geetyogesh@yahoo.com, yogesh.nistads@gmail.com



संध्या वाकडीकर

शोध अभिरुचिया: प्रौद्योगिकी हस्तांतरण; नवाचार

ईमेल: sandhyawakdikar@yahoo.com



डा. मधुलिका भाटी

वह वर्ष 2010 से सीएसआईआर- राष्ट्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी और विकास अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली में वैज्ञानिक के रूप में कार्यरत हैं। उनकी मुख्य रुचि हरित प्रौद्योगिकियां विशेषकर, ऊर्जा क्षेत्र, उभरती हुई प्रौद्योगिकियों जैसे नैनोप्रौद्योगिकी, जैवप्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विकासशील और विकसित देशों की नीति विश्लेषण में है। अन्य रुचि के क्षेत्र हरित रसायन, आदि हैं।

ईमेल: madhupratya@gmail.com



अविनाश प्रसाद क्षितिज

वर्तमान में शोध व विकास विश्लेषण एवं वृद्धि संबंधी शोध नीति से सम्बद्ध हैं। वह विज्ञान नीति के क्षेत्र में पीएच.डी. अध्ययन जारी रखने के लिए जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के सेंटर फॉर स्टडीज इन साइंस पॉलिसी के साथ भी जुड़े हुए हैं। उनके शोध क्षेत्रों में नवाचार क्षमता अध्ययन एवं सामाजिक नेटवर्क विश्लेषण शामिल हैं।

ईमेल: avinash.kshitij@yahoo.com



डा. कस्तूरी मंडल

डा. कस्तूरी मंडल सीएसआईआर- राष्ट्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी और विकास अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली में वैज्ञानिक एवं सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने मुख्य रूप से तुलनात्मक विज्ञान व प्रौद्योगिकी एवं नवाचार नीति अध्ययन, क्रॉस कंट्री विश्लेषण के क्षेत्र में कार्य किया है। पर्यावरणीय रसायन में पीएच.डी. की उपाधि रखते हुए उन्होंने जल सेक्टर से जुड़े मुद्दों पर भी कार्य किया है। उन्होंने जल सेक्टर में यूरोपियन संघ तथा विश्व बैंक की अनेक परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

ईमेल: kasturimon@yahoo.com, kstr.mndl@gmail.com



डा. सुमन रे

शैक्षणिक योग्यताएं/ पूर्व धारित पद

- सेंटर फॉर सेलूलर ऐंड मोलकूलर बायोटेक्नोलॉजी, हैदराबाद, भारत में कनिष्ठ वैज्ञानिक (मई, 2008 - जुलाई, 2013)
- बायोटेक्नोलॉजी में पीएच.डी. (वर्ष 2010 में डिग्री प्रदान की गई)- भारतीय विषयविज्ञान अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (पूर्व भारतीय विषयविज्ञान अनुसंधान केंद्र) तथा छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर से डिग्री प्राप्त हुई।
- भारतीय विषयविज्ञान अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में जनवरी, 2004 से मार्च 2005 तक जूनियर रिसर्च फेलो के रूप में कार्यरत वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा धन उपलब्ध कराया गया।
- भारतीय विषयविज्ञान अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में मार्च 2005- मार्च 2008 तक सीनियर रिसर्च फेलो के रूप में कार्यरत वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा धन उपलब्ध कराया गया।
- जून 2001-फरवरी, 2003 तक जैवप्रौद्योगिकी विभाग, लेडी कीने कॉलेज, शिलोंग, भारत में लेक्चर
- एम.एससी. (जैवप्रौद्योगिकी), नोर्थ-ईस्ट हिल यूनिवर्सिटी, शिलोंग, भारत
- बी.एससी. (प्राणि विज्ञान), लेडी कीने कॉलेज, शिलोंग, भारत

रामनुजन फेलो वैज्ञानिक

प्रो. जयदीप घोष

शोध अभिरुचियां: सोशल नेटवर्क एनालाइसिस; डाइनेमिक सिस्टम्स; एजेंट प्रोग्रामिंग; एवं स्मॉल वर्ल्ड



पुस्तकें

1. सुजीत भट्टाचार्य, प्रवीण शर्मा, शिल्पा, आर्शिया कौल, नोलेन्यंगला तथा एफजैड शेख (2014), 'सीईएफआईपीआरए-25 : स्ट्रेथनिंग बाइलेटरल कोलाबोरेशन ऐंड कोपरेशन इन साइंस, टेक्नोलॉजी ऐंड इन्नोवेशन बिटवीन इंडिया ऐंड फ्रांस', सीईएफआईपीआरए: नई दिल्ली ।
2. पी. ब्यानार्जी, सुजीत भट्टाचार्य, पी. के. बिस्वास, नरेश कुमार, विपन कुमार, कस्तूरी मंडल, कविता मेहरा, संजीब पोहित, राजेश्वरी एस. रैना तथा योगेश सुमन (संपादन) (2014) 'भारत, विज्ञान और प्रौद्योगिकी: खंड 3', कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस इंडिया: नई दिल्ली । आईएसबीएन: 978-93-84463-04-05
3. कस्तूरी मंडल, नीदिया आशूलोवा तथा सेवलना जी. किरदिना (संपा.) (2014) 'सोशियो इकोनोमिक ऐंड टेक्नोलॉजीकल इन्नोवेशन्स: मैकेनिज्म ऐंड इंस्टीट्यूशन्स', नैरोसा पब्लिशिंग हाउस: नई दिल्ली, आईएसबीएन 978-81-8487-339-9.
4. निशा तनेजा, संजीब पोहित, मिशिता मेहरा, पी. मुखर्जी, आइशा दया तथा समृद्धि बिमल (2014) 'इंडिया पाकिस्तान: ट्रेड पर्सेप्शन सर्वे' अकेडैमिक फाउंडेशन: दिल्ली, आईएसबीएन 9789332701267.
5. निशा तनेजा तथा संजीब पोहित (संपा.) (2014) 'इंडिया पाकिस्तान ट्रेड: स्ट्रेथनिंग इकोनोमिक रिलेशन्स', स्प्रिंजर: जर्मनी, आईएसबीएन 978-8132219484.
6. बी. पाल, वी. ओझा, संजीब पोहित, तथा जे. रॉय (2014) 'जीएचजी इमीशन्स ऐंड इकोनोमिक ग्रोथ: ए कंप्यूटेबिल जनरल इक्विलीब्रियम मॉडल बेस्ड एनालाइसिस फॉर इंडिया', स्प्रिंजर द्वारा प्रकाशित, आईएसबीएन 978-81-322-1942-2

7. बिस्वतोश साहा, हरदीप ग्रेवाल, बी. चक्रवर्ती, प्रदीप बिस्वास, पी. ब्यानार्जी तथा संजीब पोहित (2013) 'इम्पैक्ट ऑफ पटैटो ऐंड मैथा ऑयल फ्यूचर्स ऑन दी कमोडिटी इकोसिस्टम', एमसीएक्स: मुंबई, अप्रैल
8. आर. एस. रैना (संपा.) (2015) 'साइंस, टेक्नोलॉजी ऐंड डिवेलपमेंट इन इंडिया: एन्काउंटरिंग वैल्यूज', ऑरिएंट ब्लैकस्वान: नई दिल्ली

शोध रिपोर्ट

1. बिस्वतोश साहा, हरदीप ग्रेवाल तथा भास्कर चक्रवर्ती (आईआईएम कलकत्ता) तथा प्रदीप बिस्वास, पी. ब्यानार्जी एवं संजीब पोहित (सीएसआईआर-निस्टैड्स) (2013) 'इम्पैक्ट ऑफ पटैटो ऐंड मैथा ऑयल फ्यूचर्स ऑन दी कमोडिटी इकोसिस्टम', आईआईएम, कलकत्ता तथा सीएसआईआर-निस्टैड्स, नई दिल्ली द्वारा अध्ययन ।
2. जी.डी. संध्या, एन. मृणालिनी तथा प्रदोष नाथ (2014) 'डाइनैमिक्स इन साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी ऐंड दी रोल ऑफ एसऐंडटी इन्नोवेशन पॉलिसीज इन चाइना: लैसन्स फ्रॉम इंडिया' स्टिप बुलेटिन नं. 4, मार्च 2014, सीएसआईआर- निस्टैड्स
3. के. बूमर तथा सुजीत भट्टाचार्य (2014) 'नैनोटेक्नोलॉजीज इन इंडिया, पॉलिसी', ब्रीफ नम्बर 3, जून 2014, नैनो-डेव प्रोजेक्ट के अंतर्गत प्रकाशित (www.Nano-Dev.org).
4. मधुलिका भाटी, सौर-राम कुमार तथा पुस्कर बंसल (2015), 'नैनोटेक्नोलॉजी एप्लीकेशन इन वाटर सेक्टर', स्टिप पॉलिसी बुलेटिन नं. 6, सीएसआईआर- निस्टैड्स
5. मधुलिका भाटी, पी. कुमार, रेहान अहमद तथा के. ऐशी (2015) 'ग्रीन टेक्नोलॉजीज: रिवांल्यूशन

- इन एनर्जी सेक्टर', स्टिप परियोजन के अंतर्गत रिपोर्ट (प्रकाशन के अधीन), 81-85121-43-5
6. एन. मृणालिनी, प्रदोष नाथ एवं जी.डी. संध्या, (2013) 'अंडरस्टैंडिंग इन्नोवेशन', स्टिप बुलेटिन नं. 1 सीएसआईआर- निस्टैड्स, 2013
7. एन. मृणालिनी, प्रदोष नाथ एवं जी.डी. संध्या, (2013) 'एफडीआई इन आरएंडडी इन इंडिया: पॉलिसी इंप्लीकेशन्स', स्टिप बुलेटिन नं. 2, सीएसआईआर- निस्टैड्स, सितंबर 2013
8. पी. के. बिस्वास तथा पी. ब्यानार्जी (2014), 'टेक्नोलॉजीकल चेंज, प्रोडक्टिविटी ग्रोथ ऐंड इन्नोवेशन इन एमएसएमई' सीएसआईआर- निस्टैड्स द्वारा स्टिप परियोजना के अंतर्गत प्रकाशित ।
9. पी. के. बिस्वास तथा पी. ब्यानार्जी (2014), 'एनालाइसिस ऑफ एमएसएमई सेक्टर: अपॉरचुनिटी, पॉलिसी गैप्स ऐंड एक्शन- सीएसआईआर- निस्टैड्स, नई दिल्ली द्वारा स्टिप परियोजना के अंतर्गत प्रकाशित, आईएसबीएन: 81-85121-38-9
10. पी. के. बिस्वास तथा पी. ब्यानार्जी; अरुंधति चौधरी तथा प्रतीक कुकरेजा (2104) 'इंडस्ट्री स्ट्रक्चर ऐंड दी पैटर्न ऑफ इन्नोवेशन: कैमिकल इंडस्ट्री ऑफ इंडिया', सीएसआईआर- निस्टैड्स, नई दिल्ली द्वारा स्टिप परियोजना के अंतर्गत प्रकाशित, आईएसबीएन: 81-85121-41-9
11. पी. के. बिस्वास, पी. ब्यानार्जी; रश्मि कुमारी; अरुंधति चौधरी तथा प्रतीक कुकरेजा (2104) 'इंडस्ट्री स्ट्रक्चर ऐंड दी पैटर्न ऑफ इन्नोवेशन: बेसिक मेटल इंडस्ट्री ऑफ इंडिया', सीएसआईआर- निस्टैड्स, नई दिल्ली द्वारा स्टिप परियोजना के अंतर्गत प्रकाशित, आईएसबीएन: 81-85121-40-0.
12. राजेश्वरी रैना तथा जे. एफ. ग्रेबर (2014), रिपोर्ट ऑन दी 'सिम्पोजियम ऑन ग्रोथ, ग्रीन ग्रोथ ऑर डिग्रोथ? न्यू क्रिटीकल डाइरेक्शन्स फॉर इंडियाज सस्टेनेबिलिटी', सीएसआईआर- निस्टैड्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजक तथा फोर्ड फाउंडेशन, आईसीएसएसआर- एनआरसी एवं आईएनएसईई द्वारा प्रायोजक के रूप में दिसंबर 2014 में टेरी विश्वविद्यालय को सौंपी गई । (www.ecoinsee.org)
13. एस. भट्टाचार्य, शिल्पा तथा ए. कौल, (2014), 'साइंटिफिक रिसर्च इन इंडिया: ड्रोइंग इनसाइट्स फ्रॉम बिब्लियोमीट्रिक इंडीकेटर्स', स्टिप बुलेटिन नं. 3, सीएसआईआर- निस्टैड्स, जनवरी
14. सुजीत भट्टाचार्य, प्रवीण शर्मा, शिल्पा, ए. कौल, नोकलियंगला तथा फयाज अहमद शेख (2014) 'सीईएफआईपीआरए-25 वर्ष: स्ट्रेथनिंग बाइलेटरल कोलाबोरेशन ऐंड कोपरेशन इन साइंस, टेक्नोलॉजी ऐंड इन्नोवेशन बिटवीन इंडिया ऐंड फ्रांस', सीईएफआईपीआरए, नई दिल्ली को प्रस्तुत की गई । 2014
15. तबरसुम ज़माल (2014), 'रोल ऑफ दी स्टेट एसएंडडी काउंसिल इन इंडिया', स्टिप पॉलिसी बुलटिन नं. 5, सीएसआईआर- निस्टैड्स
16. विपन कुमार, संबुल नकवी; सुनीता कुमार तथा पी. ब्यानार्जी (2014) 'एनालाइसिस ऑफ इंडियाज मैनपावर रिसोर्सेंज विद रिस्पेक्ट ऑफ माइग्रेशन आस्पेक्ट ऑफ रिसोर्स ऐंड कंपैरेटिव कैपेबिलिटीज' सीएसआईआर- निस्टैड्स, नई दिल्ली द्वारा स्टिप परियोजना के अंतर्गत प्रकाशित, आईएसबीएन: 81-85121-39-7.
17. वाई. माधवी तथा ए. महाजन (2015) 'अफोर्डेबिल हेल्थ केयर: दी इंडियन पर्सपेक्टिव', स्टिप पॉलिसी बुलटिन नं. 8, सीएसआईआर- निस्टैड्स
18. योगेश सुमन, तबरसुम ज़माल, एस. पोहित, महेश कुमार सैनी, ज्योत्सना पांडेय तथा नितेश कुमार यादव (2014) 'प्रोमोटिंग इन्नोवेशन इन इंडियन एमएसएमई: पॉलिसी पर्सपेक्टिव', स्टिप पॉलिसी बुलटिन नं. 7, सीएसआईआर- निस्टैड्स





पत्रिका (जर्नल) पेपर

1. ए. एम. आयंशोला, कस्तूरी मंडल, एस. ओ. बिल्यू तथा ए. डब्ल्यू एस. (2015) 'प्रेगमैटिक अप्रोच टू दी कम्बीनेशन ऐंड सिलेक्शन ऑफ टैंक्स फौर वाटर डिस्ट्रीब्यूशन पाइप नेटवर्क बेस्ड ऑन प्रेसर सिमूलेशन', इथाओपियन जर्नल ऑफ इनवायरनमेंटल स्टडीज ऐंड मैनेजमेंट, 8(2): 130-140
2. अदिति जमालपुरिया, (2013), 'ऑन इन्फर्मेशन डिसेमिनेशन ऐज एन इनफॉर्मल इनवायरनमेंटल रेगुलेशन', इन्वायरनमेंट ऐंड डिवेलपमेंट इकोनोमिक्स, 18(06): 749-772
3. ए. इब्राहिम, के. के. मुईन अहमद तथा बी.एम. गुप्ता, (2013) 'ग्लोबल रिसर्च आउटपुट ऑन डेट पॉम (फीनिक्स डेक्टीलफेरा): ए 12 ईयर्स साइंट्रोमीट्रिक्स पर्सपेक्टिव', साइंट्रोमीट्रिक्स, डीओआई : 10.1007/s111920013-0991-y
4. अपर्णा बासु, (2013) 'सम डिफरेंस ऐंड इन रिसर्च पब्लिकेशन ऑफ इंडियन साइंटिस्ट इन इंडिया ऐंड दि डायसपोरा, 1986-2010', 'साइंट्रोमीट्रिक्स' 94(3): 1007-1019
5. अपर्णा बासु, (2013), 'वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग', एसआरईएलएस जर्नल ऑफ इन्फर्मेशन मैनेजमेंट, 50(5): 679-690
6. अपर्णा बासु, (2014), 'दि एलब्यूक्वेर्क मॉडल ऐंड एफीशिएंसी इन्डीकेटर्स इन नैशनल साइंटिफिक प्रोडक्टिविटी विद रिस्पेक्ट टू एनपॉवर ऐंड फंडिंग इन साइंस', 'साइंट्रोमीट्रिक्स' डीओआई : 10.1007/s11192-014-1254-2
7. बी. पाल एंड संजीव पोहित, (2014), 'इन्वायरनमेंटली एक्सटैन्डिड सोशल एकाउन्टिंग मैट्रिक्स फौर क्लाइमेट चेंज पॉलिसी एनलिसिस फौर इंडिया', जर्नल ऑफ रीजनल डिवेलपमेंट ऐंड प्लानिंग, 3(1):61-76.1
8. बी. डी. कुंवर तथा बी. एम. गुप्ता, (2013), 'कन्ट्रीब्यूशन ऑफ कर्नाटक यूनिवर्सिटी इन साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी: रिसर्च आउटपुट ऐंड साइंटेशन इम्पैक्ट डयूरिंग 2001-10', डेसिडौक जर्नल ऑफ लाइब्रेरी ऐंड इन्फर्मेशन टेक्नोलॉजी, 33(2): 114-124
9. बी. एम. गुप्ता तथा आदर्श बाला, (2013), 'ऐपिलैप्सी रिसर्च इंड इंडिया: ए साइंट्रोमीट्रिक एनालाइसिस ऑफ पब्लिकेशन आउटपुट डयूरिंग 2002-11', एनाल्स ऑफ न्यूरोसाइंस 2013, 20(2), डीओआई : 10.5214/ans.0972.7531.200209
10. बी. एम. गुप्ता तथा आदर्श बाला, (2013), 'एल्जीमर्स डिजीज रिसर्च इन इंडिया: ए साइंट्रोमीट्रिक एनालाइसिस ऑफ पब्लिकेशन आउटपुट डयूरिंग 2002-11', रिसर्च इन न्यूरोलॉजी: एन इंटरनैशनल जर्नल, आर्टिकल आईडी 24542, डीओआई :10.5171/203.204542
11. बी. एम. गुप्ता तथा आदर्श बाला, (2013), 'पार्किंसन्स डिजीज इन इंडिया: एन एनालाइसिस ऑफ पब्लिकेशन आउटपुट डयूरिंग 2002-11', इंटरनैशनल जर्नल ऑफ न्यूट्रीशन, फार्माकोलॉजी, न्यूरोलॉजिकल डिजीज, 3(3): 254-62
12. बी. एम. गुप्ता तथा आदर्श बाला, (2013), 'ए साइंट्रोमीट्रिक अप्रोच टू शीजोफ्रेनिया रिसर्च इन इंडिया: एन एनालाइसिस ऑफ पब्लिकेशन आउटपुट डयूरिंग 2002-11', एशियन जर्नल ऑफ साइकाइट्री, अगस्त, 6(4): 292-98, (लिंक: <http://dx.doi.org/10.1016/j.ajp.2013.01.007>)
13. बी. एम. गुप्ता, आदर्श बाला तथा अविनाश क्षितिज, (2013) 'एस ऐंड टी पब्लिकेशन आउटपुट ऑफ इंडिया: ए साइंट्रोमीट्रिक एनालाइसिस ऑफ पब्लिकेशन आउटपुट, 1996-2011', लाइब्रेरी फिलॉसफी ऐंड प्रैक्टिस (ई-जर्नल) पेपर 921, (link: <http://digitalcommons.unl.edu/libphilprac/921>).
14. बी. एम. गुप्ता, आदर्श बाला तथा अविनाश

- क्षितिज, (2013) 'वर्ल्ड कैटरेक्ट रिसर्च: ए साइंटोमीट्रिक एनालाइसिस ऑफ पब्लिकेशनस आउटपुट, 1996-2011' लाइब्रेरी फिलॉसफी ऐंड प्रैक्टिस (ई-जर्नल) पेपर 895, (link: <http://digitalcommons.unl.edu/libphilprac/895>).
15. बी. एम. गुप्ता, अविनाश क्षितिज तथा रितु गुप्ता, (2015) 'कन्द्रीब्यूशन ऐंड साइटेशन इम्पैक्ट ऑफ सीएसआईआर, इंडिया पब्लिकेशनस ड्यूरिंग 2007-11', जर्नल ऑफ नैचुरल साइंस, बायोलॉजी ऐंड मैडिसिन, 6(1):169-182.
 16. भारवी दत्त तथा के. निकम, (2013) 'सोलर सेल रिसर्च इन इंडिया: ए साइंटोमीट्रिक प्रोफाइल', एनाल्स ऑफ लाइब्रेरी ऐंड इन्फर्मेशन स्टडीज, 60(जून):115-127.
 17. भारवी दत्त, के. सी. गर्ग तथा अर्चिता भट्ट, (2013) 'ए क्वांटिटेटिव असेसमेंट ऑफ दी आर्टिकल्स ऑन इनवायरनमेंटल इश्यूज पब्लिशड इन इंगलिश लैंग्वेज इंडियन डेलीज', एनाल्स ऑफ लाइब्रेरी ऐंड इन्फर्मेशन स्टडीज, 60(3): 219-226.
 18. भारवी दत्त तथा के. निकम, (2014) 'साइंटोमीट्रिक्स ऑफ कोलाबोरेशन पैटर्न इन सोलर सेल रिसर्च इन इंडिया: एनाल्स ऑफ लाइब्रेरी ऐंड इन्फर्मेशन स्टडीज', मार्च, 61(1):65-73.
 19. डी. एस. कुमार तथा सुमन रे, (2014) 'फंगल लाइपेस प्रोडक्शन बाई सौलिड स्टेट फर्मन्टेशन- ऐन आवेरेब्यू' जे एनल बायोएनल टैक, 5: 230 doi:10.4172/2155-9872.1000230
 20. जीज्ञ डी. संध्या तथा प्रदोष नाथ (2013), 'चाइनास रोडमैप फौर फोस्टरिंग एसऐंडटी ऐंड कैटालाइजिंग इन्नोवेशन: लेसनस फौर इंडिया', एशियन जर्नल ऑफ इन्नोवेशन ऐंड पॉलिसी, 2(2): नवंबर
 21. जी. सिंह, मधुलिका भाटी, टी. आर. राठौर तथा यू. के. तोमर (2014), 'साइकोलोजिकल रिस्पोसैज टू न्यूट्रिएंट एकूमलेशन इन ट्रीज सीडिंग इरिगेटिड विद म्यूनिसिपल एफ्लूएंट इन इंडियन डिजिट', आर्टिकल आईडी 545967, 15 पृष्ठ, <http://dx.doi.org/10.1155/2014/545967>, (link: <http://www.hindawi.com/journals/physiology/2014/545967/>)
 22. जी. डी. संध्या, एन. मृणालिनी तथा प्रदोष नाथ (2014), 'सेक्टर ऐंड क्लस्टर एफर्ट्स ऑफ एफडीआई इन आरऐंडडी इन इंडिया: इमर्जिंग ट्रेड्स' इकोनोमिक ऐंड पॉलिटीकल वीकली, XLIX(30):182-190
 23. जयदीप घोष, अविनाश क्षितिज तथा बी. एम. गुप्ता, (2015) 'एम्बेडिड इन्फर्मेशन स्ट्रक्चर्स ऐंड फंक्शनस ऑफ को-आथरशिप नेटवर्क्स: एविडेन्स फ्रॉम कैंसर रिसर्च कोलाबोरेशन इन इंडिया' साइंटोमीट्रिक्स, 102(1): 285-306
 24. जयदीप घोष (2014), 'आईटी इन इंडिया ऐंड दी इंडियन रीजन', जर्नल ऑफ ग्लोबल इन्फर्मेशन टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट, 17:3, 147-149
 25. जयदीप घोष तथा अविनाश क्षितिज, (2014) 'ऐन इंटीग्रेटिड एक्जामिनेशन ऑफ कोलाबोरेशन कोऑथरशिप नेटवर्क थ्रू स्ट्रक्चरल कोइशन, होल्स, हाइरार्की ऐंड परकोलेटिंग क्लस्टर' जर्नल ऑफ दी अमेरिकन सोसायटी फौर इन्फर्मेशन साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी, 65(8):1639-1661.
 26. जयदीप घोष तथा अविनाश क्षितिज, (2014) 'हायर एजुकेशन इन बेसिक साइंस ऐंड सोशियोइकोनोमिक कैरेक्टरिस्टिक्स ऑफ स्टूडेंट्स लाइफ इन इंडिया: ऐन एक्सप्लोरेटरी स्टडी', जर्नल सोशल इंडिकेटर्स रिसर्च (स्प्रिंजर) में ऑनलाइन प्रकाशित । नवंबर (link: <file:///C:/Users/ani1%20sharma/Downloads/JaideepAvinashSIRPaper.pdf>)
 27. जयदीप घोष, अविनाश क्षितिज तथा संदीप काद्यान (2015), 'फंक्शनल इन्फर्मेशन कैरेक्टरिस्टिक्स ऑफ लार्ज-स्केल रिसर्च कोलाबोरेशन: नेटवर्क मीजर्स ऐंड इंप्लोकेशनस' साइंटोमीट्रिक्स, 102(2): 1207-1239.
 28. के. सी. गर्ग तथा सुरेश कुमार, (2013), 'साइंटोमीट्रिक प्रोफाइल ऑफ इंडियन साइंस





ऐज सीन थ्रू साइंस साइटेशन इंडैक्स-एक्सपेंडिड 2010-2011' एसआरईएलएस जर्नल ऑफ इन्फर्मेशन मैनेजमेंट, 50(5): 529-542.

29. के. सी. गर्ग तथा सुरेश कुमार (2013), 'साइंटोमीट्रिक प्रोफाइल ऑफ इंडियन साइंटिफिक आउटपुट इन लाइफ साइंसेज विद ए फोकस ऑन दी कन्ट्रीब्यूशन्स ऑफ विमैन साइंटिस्ट्स', साइंटोमीट्रिक्स, 98(3): 1771-1783.
30. के. सी. गर्ग तथा सुरेश कुमार (2014), 'अनसाइटेडनैस ऑफ इंडियन साइंटिफिक आउटपुट', करेन्ट साइंस, 107(6): 965-970.
31. के. सी. गर्ग तथा संध्या द्विवेदी तथा सुरेश कुमार (2013) 'साइंटोमीट्रिक प्रोफाइल ऑफ वैक्टर बोर्न डिजीजैस: ए केस स्टडी ऑफ ग्लोबल जापानीज एन्सैफलिटीस रिसर्च', एसआरईएलएस जर्नल ऑफ इन्फर्मेशन मैनेजमेंट, (2013), खंड : 50(5):543-554.
32. के. बूमर तथा सुजीत भट्टाचार्य, (2013), 'इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज इन इंडिया: डिजेलपमेंट्स, डिबेट्स तथा साइलेंस अबाउट नैनोटेक्नोलॉजी', साइंस तथा पब्लिक पॉलिसी, 40, 2013, 628-643. DOI: 19=0.1093/scipol/sct016
33. के. आइशी, मधुलिका भाटी तथा रेहान अहमद (2015), 'स्मॉल हाइड्रोपावर प्लांट: ए प्रोमिसिंग रिन्यूएबिल एनर्जी टेक्नोलॉजी टू अरेस्ट एनर्जी स्कार्सिटी इन इंडिया ऐंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज', जर्नल ऑफ एनर्जी रिसर्च ऐंड इनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजी, 2(1):64-70.
34. अविनाश क्षितिज, 2014), 'दी एक्सपर्ट ओपिनियन: एन इंटरव्यू विद मि. सचिन भाटिया', जर्नल ऑफ ग्लोबल इन्फर्मेशन टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट, 17(3):213-216.
35. मधुलिका भाटी, सौरभ राम कपूर तथा पुष्कर बंसल (2015) 'थीमैटिक इंटरवेंशन ऑफ नैनोटेक्नोलॉजी इन वाटर सेक्टर

अपौरचुनिटीज ऐंड रिस्कस', जर्नल ऑफ बेसिक ऐंड एप्लाइड इंजीनियरिंग रिसर्च, 2(1):73-78.

36. मधुलिका भाटी, रेहान अहमद तथा के आइशी (2015) 'सोलर टेक्नोलॉजी: ए कांप्रिहेंसिव स्टेट ऑफ आर्ट ऑफ टेक्नोलॉजी, अचीवमेंट्स, चेलेंजैज ऐंड सजेशन्स: ऐन इंडियन पर्सपेक्टिव', जर्नल ऑफ एनर्जी रिसर्च ऐंड इनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजी, 2(1):87-94.
37. मुह. रईस तथा ए. शीरेन, (2015), 'स्कोप ऑफ सप्लाइ चैन मैनेजमेंट इन फ्रूट्स ऐंड वैजिटेबिल्स इन इंडिया', जर्नल ऑफ फूड प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी, 6(3): 427-434.
38. मुह. रईस तथा एस. आचार्य, (2014), 'फूड प्रोसेसिंग इन नोर्थ-ईस्ट इंडिया: रिक्लस ऐंड एम्प्लोयमेंट', नोर्थ-ईस्ट हिल यूनिवर्सिटी जर्नल, II(1):37-52.
39. मुह. रईस तथा ए. शीरेन, (2015), 'ट्रीटमेंट ऑफ सुगरकेन इंडस्ट्री एफ्लूएंट्स: साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी इश्यूज', इंडियन सुगर, LXIV(9):47-58.
40. मुह. रईस, एस. आचार्य तथा एन. शर्मा (2013), 'फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री इन इंडिया: एस ऐंड टी कैपेबिलिटी, रिक्ल तथा एम्प्लॉयमेंट अपौरचुनिटीज', जर्नल ऑफ रूरल डिजेलपमेंट, 32(4):451-480.
41. एन. मृणालिनी, प्रदोष नाथ तथा जी. डी. संध्या (2013) 'फौरेन डायरेक्ट इनवेस्टमेंट इन आरएंडडी इन इंडिया', करेन्ट साइंस, 105(6):767-773.
42. एन. मृणालिनी, प्रदोष नाथ तथा जी. डी. संध्या (2014) 'एमएनसीज आरएंडडी इंटररेस्ट इन इंडिया: ऐन ओवरव्यू ऑफ देअर आरएंडडी सेंटर लिकेजैज विद इंडियन इंस्टीट्यूशन्स' इंटरनैशनल जर्नल टेक्नोलॉजी ऐंड ग्लोबलाइजेशन, 7(3): 217-231.
43. नीलम कुमार, (2013) 'विमैन इन साइंस

- पोजीशनसः दी कंटीन्यूइंग लैक', 08/10/2013 को जिनरी में प्रकाशित (link: <http://www.ingenere.it/en/articles/women-science-positions-continuing-lack>)
44. पी. ब्यानार्जी (2013) 'ईथिकल इश्यूज इन अवर टाइम्स ऑफ टेक्नोलॉजी: सिलेक्ट एक्सप्लोरेशन' एआई एंड सोसायटी, अक्टूबर
 45. राजेश्वरी एस. रैना (2014) 'बियॉड सप्लाई ड्राइविन साइंस', सेमिनार, नं. 654, फरवरी: 69-74
 46. राजेश्वरी एस. रैना, विश्वनाथ रेडी, के. इमानूल तथा रमेश कुमार (2014) 'फंडिंग डिसेंट्रलाइज्ड एग्रीकल्चरल रिसर्च इन इंडिया' योजना, दिसंबर
 47. रितू गुप्ता, बी. एम. गुप्ता अविनाश क्षितिज तथा आदर्श बाला, (2014) 'ग्लूकोमा रिसर्च: ए साइंटोमीट्रिक स्टडी ऑफ इंडियन पब्लिकेशन आउटपुट', 2002-11, डेसिडौक जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इन्फर्मेशन टेक्नोलॉजी, 34(1): 35-45.
 48. सुजीत भट्टाचार्य, ए. कौल, शिल्पा तथा पी. शर्मा, (2014) 'रोल ऑफ बाइलेटरल इंस्टीट्यूशन इन इनफ्लूएंसिंग कोलाबोरेशन: ए केस स्टडी ऑफ सीईएफआईपीआरए- ए बाइलेटरल एसएंडटी इंस्टीट्यूशन एस्टेब्लिशड बाई इंडिया एंड फ्रांसडु साइंटोमीट्रिक्स, 102 (1):169-194.
 49. सुजीत भट्टाचार्य, ए. कौल, (2015) 'इमर्जिंग कन्ट्रीज एसर्सन इन दी ग्लोबल पब्लिकेशन लैंडस्केप ऑफ साइंस: ए केस स्टड ऑफ इंडिया' साइंटोमीट्रिक्स, डीओआई 10.1007/s11192-015-1551-4.
 50. एस. रैगो तथा नरेश कुमार, (2014) 'ए केस स्टड ऑफ फैक्टर्स इन्फ्लूएंसिंग डिफ्यूसन ऑफ मोबाइल टेलिफोनी इन रूरल इंडिया' सोशियोलॉजी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 5(3):134-145.
 51. एस. वी. श्रीवन्त तथा सुजीत भट्टाचार्य (2014), 'फोरकास्टिंग दी ट्रेंड ऑफ इंटरनेशनल साइंटिफिक कोलाबोरेशन' साइंटोमीट्रिक्स, 101(3):1941-1954.
 52. सुमन पटेल, (2014), 'रोल ऑफ प्रोटोमिक्स इन बायोमार्कर डिस्कवरी: प्रोगनोसिस ऐंड डायग्नोसिस ऑफ न्यूरोसाइकाइट्रिक डिसऑर्डर्स' एडवांसैज इन प्रोटीन कैमिस्ट्री ऐंड स्ट्रक्चरल बायोलाजी, अध्याय 3, खंड 94: 39-75 (एल्सवीयर आईएनसी, संपादन- रोसेन दोनेव)
 53. सुमन पटेल तथा असीम रे (2014), 'पेटेन्ट ऑन बायोमार्कर इन मेडिकल रिसर्च: ए फोकस ऑन न्यूरोसाइकाइट्रिक डिसऑर्डर्स', ए रिसेन्ट पेटेन्ट्स ऑन बायोमार्कर, 4(1):21-34.
 54. सुरेश कुमार, (2014) 'एप्लीकेशन ऑफ ब्रेडफोर्ड्स लॉ टू ह्यूमन कंप्यूटर इंटरैक्शन रिसर्च लिटरेचर', डेसिडौक जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इन्फर्मेशन टेक्नोलॉजी, 34(3): 223-231
 55. सुरेश कुमार, (2014) 'एप्लीकेशन ऑफ ग्रोथ मॉडल्स टू ह्यूमन कंप्यूटर इंटरैक्शन(एचसीआई) रिसर्च लिटरेचर', एसआरईएलएस जर्नल ऑफ इन्फर्मेशन मैनेजमेंट, 51(5): 287-298
 56. सुरेश कुमार, (2013), 'ए साइंटोमीट्रिक स्टडी ऑफ ह्यूमन कंप्यूटर इंटरैक्शन रिसर्च इन इंडिया' जर्नल ऑफ साइंटोमीट्रिक रिसर्च, 2(2): 116-125
 57. सुरेश कुमार, (2014), 'ऑथर प्रोडक्टिविटी इन दी फील्ड ऑफ ह्यूमन कंप्यूटर इंटरैक्शन रिसर्च' एनाल्स ऑफ लाइब्रेरी एंड इन्फर्मेशन स्टडीज, 61(4): 273-285.
 58. तबस्सुम ज़माल तथा कस्तूरी मंडल, (2013) 'रिकल डिवेलपमेंट इन वोकेशनल एरियाज मैपिंग गवर्नमेंट इनिशिएटिव्स', करेन्ट साइंस, 104(5): 590-595.
 59. विपन कुमार तथा रश्मि श्रीवास्तव (2013) 'इंडियन गेटकीपर्स ऑफ फौरेन जर्नल्स: ए प्रिलिमिनरी एनालाइसिस' जर्नल ऑफ साइंटोमीट्रिक रिसर्च, मई-अगस्त, 2(2):110-





60. वाई माधवी, (2013) 'वैक्सीन्स ऐंड वैक्सीन पौलिसी फौर यूनिवर्सल हेल्थकेयर', सोशल चेंज, जून, 43(2):263-291.

पत्रिका (जर्नल) के संपादक

- नीलम कुमार, संपादकीय बोर्ड की सदस्य, इंटरनैशनल जर्नल ऑफ जेंडर, साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी
- सुजीत भट्टाचार्य, जर्नल ऑफ साइंटोमीट्रिक रिसर्च के मुख्य संपादक के रूप में मेरे पास विशेष अंकों के पूर्ण समन्वय तथा संपादन का उत्तरदायित्व है। मई- अगस्त (2014), सितंबर-दिसंबर (2014) तथा जनवरी-अप्रैल (2015) की अवधि में तीन अंकों का प्रकाशन किया जा चुका है।

संपादित पुस्तकों में शोध पेपर

- ए. पी. जयंती तथा सुजीत भट्टाचार्य (2014) 'टेक्नोलॉजी डिवेलपमेंट थ्रू सिलेक्शन ऐंड कंसेंट्रेशन: केस स्टडी ऑफ कोरियन नैनोटेक्नोलॉजी इनिशिएटिव' नामक पेपर कस्तूरी मंडल, नादिया आशुलोवा तथा एस. जी. किरदिना (संपा.) 'सोशियो इकोनोमिक ऐंड टेक्नोलॉजीकल इन्नोवेशन्स: मैकेनिज्म ऐंड इंस्टीट्यूशन्स', नैरोसा पब्लिशिंग हाउस: नई दिल्ली, मुद्रित पृष्ठ 498-513.
- अदिति ज़मालपुरिया, (2014) 'ग्रीन प्रोडक्ट डिवेलपमेंट विद हैटिरोजीनस कंज्यूमर प्रिफरेंस' नामक पेपर कस्तूरी मंडल, नादिया आशुलोवा तथा एस. जी. किरदिना (संपा.) 'सोशियो इकोनोमिक ऐंड टेक्नोलॉजीकल इन्नोवेशन्स: मैकेनिज्म ऐंड इंस्टीट्यूशन्स', नैरोसा पब्लिशिंग हाउस: नई दिल्ली, मुद्रित पृष्ठ 448-466.
- अपर्णा बासु, (2014) 'सोशल नेटवर्क एनालाइसिस: ए मैथडोलॉजी फौर स्टडींग टैररिज्म' नामक पेपर एम. पांडा, एस. देहुरी तथा जी. एन. वेंग (संपा.) सोशल नेटवर्किंग; स्प्रिंजर द्वारा प्रकाशित, मुद्रित पृष्ठ

- असीम रे तथा सुमन पटेल (2015) 'इंपोर्टेंस ऑफ इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी राइट ऐंड नोलेज, पेटेंटिंग, ट्रेडिशनल नोलेज ऐंड नोलेज मैनेजमेंट चेलेंज' नामक पेपर अजीत कुमार रॉय (संपा.) इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज ऑफ दी 21वीं सेंचुरी, न्यू इंडिया पब्लिशिंग एजेंसी: नई दिल्ली; अध्याय 41, मुद्रित पृष्ठ 805-818 .
- डी. मुखोपाध्याय तथा संजीव पोहित (2014) 'कंस्ट्रक्टिंग ट्रेड बैरियर इंडेक्स फौर सिलेक्टिड कंट्रीज ऑफ साउथ एशिया' नामक पेपर गौरंगा जी दास (संपा.) करेन्ट इश्यूज इन इंटरनैशनल ट्रेड: मैथडोलॉजीज ऐंड डिवेलपमेंट- इंप्लीकेशन्स फौर दी वर्ल्ड इकोनोमी, अध्याय 9, मुद्रित पृष्ठ 161-180, नोवा प्रकाशक, न्यू यॉर्क, यूएसए द्वारा प्रकाशित, आईएसबीएन नं. 978-1-63321-409-5.
- जयदीप घोष, (2014) 'टेक्नोलॉजी एक्सप्लेंट्स ऐंड इन्नोवेशन डिफ्यूजन ऑफ सॉफ्टवेयर प्रोडक्ट्स इन एशियन कंज्यूमर मार्केट: ए सिस्टम मॉडल' नामक पेपर कस्तूरी मंडल; ए. नादिया तथा एस. जी. किरदिना (संपा.) 'सोशियो इकोनोमिक ऐंड टेक्नोलॉजीकल इन्नोवेशन्स: मैकेनिज्म ऐंड इंस्टीट्यूशन्स', नैरोसा पब्लिशिंग हाउस: नई दिल्ली, मुद्रित पृष्ठ 480-497
- कश्मीरी लाल, (2013) 'आईसीटी ऐंड सोसायटी- क्वेश्चनिंग इंडियास एबिलिटी टू हारनेस आईसीटी' नामक पेपर अनू सिंह लैथर, अनिल कुमार सेनी तथा संजय धींगरा (संपा.), 'इन्फर्मेशन ऐंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजीज फौर कांप्टीटिव एडवांटेज' बूमसबरी पब्लिशिंग इंडिया प्रा. लि.: नई दिल्ली, मुद्रित पृष्ठ 34-45.
- कस्तूरी मंडल, वी. पी. खरबंदा, टी. एस. तथा पी. ब्यानार्जी, (2014) 'दी इम्पैक्ट ऑफ ग्लोबलाइजेशन ऑन दाएसऐंडटी इंस्टीट्यूशनल स्ट्रक्चर: ए केस ऑफ सीएसआईआर, आरएएस तथा सीएएस' नामक पेपर कस्तूरी मंडल; ए. नादिया तथा एस. जी. किरदिना (संपा.) 'सोशियो

- इकोनोमिक ऐंड टेक्नोलॉजीकल इन्नोवेशन्स: मैकेनिज्म ऐंड इंस्टीट्यूशन्स' नैरोसा पब्लिशिंग हाउस: नई दिल्ली, मुद्रित पृष्ठ 215-233.
9. मधुलिका भाटी, (2013) 'रिस्क इश्यूज ऐंड रेगुलेटरी रिस्क फ्रेमवर्क इन नैनोटेक्नोलॉजी: ए केस स्टडी ऑफ इंडिया' नामक पेपर, बी. वाई. मजलिस, के. जी. कोस्टाडिनोव, ए. एस. भाटी (संपा.), 'नैनोटेक्नोलॉजा इन दी एज ऑफ कन्वर्जेंस' कौमसैट्स, इस्लामाबाद, पाकिस्तान तथा नाम एसएण्डटी सेंटर, सेलंगर, मलेशिया, मुद्रित पृष्ठ 55-68.
 10. मधुलिका भाटी, (2015) 'नोलेज ऑफ नैनोवाटर इन्नोवेशन्स क्लाइमेट इन इंडिया थ्रू दी लेंस ऑफ साइंस साइटेन इंडेक्स डाटाबेस' नामक पेपर सुधांशु भूषण, ए. श्रवण, अल्का बंसल तथा पी. कुमार (संपा.)

'इलेक्ट्रॉनिक रिसोर्स ऐंड डिजिटल सर्विसेज', सिलेक्टड पेपर ऑफ बाइलिंग्वल इंटरनैशनल कन्फरेंस ऑन इन्फर्मेशन टेक्नोलॉजी: अतीत, वर्तमान तथा भविष्य, 19-20 फरवरी 2015, डेसिडौक, नई दिल्ली, मुद्रित पृष्ठ 233-237
 11. नरेश कुमार, (2014) 'टेक्नीकल एजुकेशन इन इंडिया: इमर्जिंग इश्यूज ऐंड चेलेंजेज' नामक पेपर कस्तूरी मंडल; ए. नादिया तथा एस. जी. किरदिना (संपा.) 'सोशियो इकोनोमिक ऐंड टेक्नोलॉजीकल इन्नोवेशन्स: मैकेनिज्म ऐंड इंस्टीट्यूशन्स', नैरोसा पब्लिशिंग हाउस: नई दिल्ली, मुद्रित पृष्ठ 311-322.
 12. निशा तनेजा, संजीब पोहित तथा प्रकाश श्रवाणी (2014) 'दी वे फौरवर्ड' नामक पेपर निशा तनेजा तथा संजीब पोहित (संपा) 'इंडिया-पाकिस्तान ट्रेड: स्ट्रेथनिंग इकोनोमिक रिलेशन्स', स्प्रिंजर, जर्मनी द्वारा प्रकाशित मुद्रित पृष्ठ 337-347. आईएसबीएन नं. 978-8132219484.
 13. निशा तनेजा, संजीब पोहित तथा राधिका सेनी (2014) 'इंडिया-पाकिस्तान ट्रेड रिलेशन्स: ऐन इंद्रोडक्शन' नामक पेपर निशा तनेजा तथा संजीब पोहित (संपा.) 'इंडिया- पाकिस्तान ट्रेड: स्ट्रेथनिंग इकोनोमिक रिलेशन्स', स्प्रिंजर, जर्मनी द्वारा प्रकाशित मुद्रित पृष्ठ 1-13, आईएसबीएन नं. 978-8132219484.
 14. पी. ब्यानार्जी, (2013) 'मेडिकल कंजम्पशन ऐंड क्लिनिकल प्रैक्टिस: इंडिया ऐट दी क्रॉसरोड्स' नामक पेपर के. दास (संपा.) ग्लोबलाइजेशन ऐंड स्टैंडर्ड्स: इश्यूज ऐंड चेलेंजेज इन इंडियन बिजनेस । स्प्रिंजर
 15. पी. ब्यानार्जी, (2013) 'कंटेस्टिंग इंस्टीट्यूशन्स ऐंड इन्नोवेशन: दी कन्टेक्ट ऑफ बायोमेडिकल नोलेज' नामक पेपर जी. लिविनेसेवा एट ऑल (संपा.) बुक ऑन इंस्टीट्यूशन ऐंड इन्नोवेशन (रसियन), नोवोसिबर्क, रूस
 16. पी. ब्यानार्जी, (2013) 'मेडिकल कंजम्पशन ऐंड क्लिनिकल प्रैक्टिस: इंडिया ऐट दी क्रॉसरोड्स' नामक पेपर केशा दास (संपा.) ग्लोबलाइजेशन ऐंड स्टैंडर्ड्स: इश्यूज ऐंड चेलेंजेज इन इंडियन बिजनेस । स्प्रिंजर: नई दिल्ली, मुद्रित पृष्ठ 165-178
 17. पी. के. बिस्वास, बीनू कुमार तथा कस्तूरी मंडल (2014), 'एसएण्डटी कंपोनेन्ट्स ऑफ एफडीआई: ए कम्पैरीजन अक्रौस ब्रिक्स कन्ट्रीज' नामक पेपर कस्तूरी मंडल; ए. नादिया तथा एस. जी. किरदिना(संपा.) 'सोशियो इकोनोमिक ऐंड टेक्नोलॉजीकल इन्नोवेशन्स: मैकेनिज्म ऐंड इंस्टीट्यूशन्स', नैरोसा पब्लिशिंग हाउस: नई दिल्ली, मुद्रित पृष्ठ 163-177.
 18. पपिया घोष, (2014) 'डोमेन डिस्पुट्स ऐंड इंटरनेट लॉ ऐन इकोनोमिक एनालाइसिस ऑफ सम कोर्ट केसेज इन इंडिया' नामक पेपर रु कस्तूरी मंडल; ए. नादिया तथा एस. जी. किरदिना (संपा.) 'सोशियो इकोनोमिक ऐंड टेक्नोलॉजीकल इन्नोवेशन्स: मैकेनिज्म ऐंड इंस्टीट्यूशन्स' नैरोसा पब्लिशिंग हाउस: नई दिल्ली, मुद्रित पृष्ठ 351-360.
 19. राजेश्वरी एस. रैना (2014) 'डबल और ग्रीन: टूवर्ड्स ग्रीन एग्रो - इकोलॉजीकल रिवॉल्यूशन'





नामक पेपर जे.-वाई. ग्रेसक्लौडी, राजेन्द्र के. पचौरी तथा लौरेंस टूबियाना(संपा) 'इन्नोवेशन फौर सस्टेनेबिल डिवेलपमेंट' नई दिल्ली, मुद्रित पृष्ठ 67-73.

20. राजेश्वरी एस. रैना (2015) 'क्लाइमेट साइंस, एग्रीकल्चर तथा दी पॉलिसी ज्यूक बौक्स' नामक पेपर आर. एस. रैना (संपा.) साइंस, टेक्नोलॉजी ऐंड डिवेलपमेंट इन इंडिया: एन्काउंटरिंग वैल्यूज, ऑरिएंट ब्लैकस्वान: नई दिल्ली, मुद्रित पृष्ठ 242-259.
21. राजेश्वरी एस. रैना (2015) 'कन्क्लूजन- इनोजिंग विद दी वैल्यू प्रोब्लम' नामक पेपर एस. रैना (संपा.) साइंस, टेक्नोलॉजी ऐंड डिवेलपमेंट इन इंडिया: एन्काउंटरिंग वैल्यूज, ऑरिएंट ब्लैकस्वान: नई दिल्ली, मुद्रित पृष्ठ 260-277.
22. राजेश्वरी एस. रैना (2015) 'वैल्यूज मैटर' नामक पेपर एस. रैना (संपा.) साइंस, टेक्नोलॉजी ऐंड डिवेलपमेंट इन इंडिया: एन्काउंटरिंग वैल्यूज, ऑरिएंट ब्लैकस्वान: नई दिल्ली, मुद्रित पृष्ठ 1-19.
23. राजेश्वरी एस. रैना (2014) 'अंडरस्टैंडिंग इस्टीमेट्स ऐंड क्यूमूलेटिव कौजेशन: टू इनेबिल रूरल ट्रांसफॉर्मेशन इन इंडिया' नामक पेपर कस्तूरी मंडल; ए. नाडिया तथा एस. जी. किरदिना (संपा.) 'सोशियो इकोनोमिक ऐंड टेक्नोलॉजीकल इन्नोवेशन्स: मैकेनिज्म ऐंड इस्टीमेट्स' नैरोसा पब्लिशिंग हाउस: नई दिल्ली मुद्रित पृष्ठ 25-37.
24. सुमन पटेल, (2014) 'रोल ऑफ प्रोटोमिक्स इन बायोमार्कर डिसकवरी: प्रोग्नोसिस ऐंड डायग्नोसिस ऑफ न्यूरोसाइकाइट्रिक डिऑर्डर्स' नामक पेपर रोसैन डोनेव (संपा.) 'एडवांसैज इन प्रोटीन कैमिस्ट्री ऐंड स्ट्रक्चरल बायोलॉजी', अध्याय 3, खंड 94, 39-75. 2014, एल्सवीर आईएनसी
25. संजीब पोहित, (2014) 'कंप्लीमेंटैरिटीज ऑफ इंडिया- रसिया इकोनोमिक रिलेशन्स: प्रिजेन्ट स्टेटस ऐंड फ्यूचर प्रोस्पेक्ट्स' नामक पेपर गौरंगा जी. दास (संपा) करेन्ट इश्यूज इन इंटरनेशनल ट्रेड: मैथडोलॉजीज ऐंड डिवेलपमेंट- इंप्लीकेशन्स फौर दी वर्ल्ड इकोनोमी, अध्याय 5, मुद्रित पृष्ठ 87-108, नोवा पब्लिशर, न्यू यॉर्क, यूएसए द्वारा प्रकाशित, आईएसबीएन नं. 978-1-63321-409-5.
26. संजीब पोहित तथा आर. सेनी (2014) 'इंडिया-पाकिस्तान ट्रेड लिबरलाइजेशन: ए सीजीई मॉडलिंग अप्रोच' नामक पेपर निशा तनेजा तथा संजीब पोहित (संपा.) 'इंडिया- पाकिस्तान ट्रेड: स्ट्रेथनिंग इकोनोमिक रिलेशन्स, स्प्रिंजर, जर्मनी, मुद्रित पृष्ठ 127-146, आईएसबीएन नं. 978-8132219484.
27. संजीब पोहित, (2014) 'कंप्लीमेंटैरिटीज ऐंड पोटेन्शियल्स ऑफ हाई टेक्नोलॉजी ट्रेड, टेक्नोलॉजी ऐंड स्किल्स ट्रांसफर्स बिटवीन इंडिया-रसिया' नामक पेपर कस्तूरी मंडल; ए. नाडिया तथा एस. जी. किरदिना (संपा.) 'सोशियो इकोनोमिक ऐंड टेक्नोलॉजीकल इन्नोवेशन्स: मैकेनिज्म ऐंड इस्टीमेट्स' नैरोसा पब्लिशिंग हाउस: नई दिल्ली मुद्रित पृष्ठ 412-425. आईएसबीएन नं. 978-81-8487-339-9.
28. संजीब पोहित, निशा तनेजा तथा ऐट ऑल (2014) रू इंडिया- पाकिस्तान ट्रेड पर्सपेक्शन सर्वे- नामक पेपर निशा तनेजा तथा संजीब पोहित (संपा.) 'इंडिया-पाकिस्तान ट्रेड: स्ट्रेथनिंग इकोनोमिक रिलेशन्स', स्प्रिंजर, जर्मनी मुद्रित पृष्ठ 71-126, आईएसबीएन नं. 978-8132219484.
29. सतपाल सांगवान, (2014) 'स्टील फ्रेम ऑफ दी राज ऐंड इंडियन फौरेस्ट सर्विस (1875-1947)' नामक पेपर कस्तूरी मंडल; ए. नाडिया तथा एस. जी. किरदिना (संपा.) 'सोशियो इकोनोमिक ऐंड टेक्नोलॉजीकल इन्नोवेशन्स: मैकेनिज्म ऐंड इस्टीमेट्स' नैरोसा पब्लिशिंग हाउस: नई दिल्ली मुद्रित पृष्ठ 429-447.
30. सुमन पटेल, (2014) 'रोल ऑफ प्रोटोमिक्स इन बायोमार्कर डिसकवरी: प्रोग्नोसिस ऐंड

डायग्नोसिस ऑफ न्यूरोसाइकाइट्रिक डिस्ऑर्डर्स' नामक पेपर रोसैन जोनेव (संपा.) 'एडवांसैज इन प्रोटीन कैमिस्ट्री ऐंड स्ट्रक्चरल बायोलॉजा', अध्याय 3, खंड 94, मुद्रित पृष्ठ 39-75. (एल्सवीर आईएनसी)

कैटालॉग नं. CFP1334H-USB, ISBN-978-1-4799-1496-8, मुद्रित पृष्ठ 1132-1138

कार्यवाहियों में प्रकाशित पेपर

31. तबस्सुम ज़माल तथा कस्तूरी मंडल (2014) 'इंस्टीट्यूशनल अरेन्जमेंट्स फ़ौर स्किल डिवेलपमेंट: रिफ्लेक्शन्स ऑन वोकेशनल एजुकेशन ऐंड ट्रेनिंग इन इंडिया' नामक पेपर कस्तूरी मंडल, ए. नाडिया तथा एस. जी. किरदिना (संपा.) 'सोशियो इकोनोमिक ऐंड टेक्नोलॉजीकल इन्नोवेशन्स: मैकेनिज्म ऐंड इंस्टीट्यूशन्स' नैरोसा पब्लिशिंग हाउस: नई दिल्ली मुद्रित पृष्ठ 323-333.
32. तबस्सुम ज़माल (2014) 'इंस्टीट्यूशनल अरेन्जमेंट्स फ़ौर स्किल डिवेलपमेंट: रिफ्लेक्शन्स ऑन वैट-इंडिया सोशियो इकोनोमिक ऐंड टेक्नोलॉजीकल इन्नोवेशन्स, मैकेनिज्म ऐंड इंस्टीट्यूशन्स' नामक पेपर कस्तूरी मंडल, ए. नाडिया तथा एस. जी. किरदिना (संपा.) 'सोशियो इकोनोमिक ऐंड टेक्नोलॉजीकल इन्नोवेशन्स: मैकेनिज्म ऐंड इंस्टीट्यूशन्स' नैरोसा पब्लिशिंग हाउस: नई दिल्ली मुद्रित पृष्ठ 323-333.
33. तिस्ता बागची, (2014) 'इंस्टीट्यूशनल डायमेंशन्स टू दी कन्डक्ट ऑफ रैन्डमाइज्ड क्लिनिकल ट्रायल्स इन इंडिया' नामक पेपर कस्तूरी मंडल, ए. नाडिया तथा एस. जी. किरदिना (संपा.) 'सोशियो इकोनोमिक ऐंड टेक्नोलॉजीकल इन्नोवेशन्स: मैकेनिज्म ऐंड इंस्टीट्यूशन्स' नैरोसा पब्लिशिंग हाउस: नई दिल्ली मुद्रित पृष्ठ 344-350.
34. विपन कुमार, रोहित सागर तथा सपना नरुला, (2013) 'सिर्चर गाइड नेटवर्किंग: ए केस ऑफ रिन्यूएबिल एनर्जी रिसर्च' नामक पेपर (संपा.) टेंसिल ओयर, पीटर कैरिंगटन, ई-पेंग लिम 'एडवांसैज इन सोशल नेटवर्क्स एनालाइसिस ऐंड माइनिंग' बुक प्रोसीडिंग्स ऑफ 2013IEEE/ACM इंटरनैशनल कन्फ्रेंस, आईईईई कंप्यूटर सोसायटी, पिस्कटवे, एनजे, यूएसए, आईईईईई कैटालॉग नं. CFP1334H-USB, ISBN-978-1-4799-1496-8, मुद्रित पृष्ठ 1132-1138
1. ए. कौल, सुजीत भट्टाचार्य, शिल्पा तथा पी. शर्मा (2014) 'मीजरिंग एफिशिएंसी ऑफ साइंटिफिक रिसर्च' नामक पेपर, बी. एम., डी. फिशर, डी. बटनर, एच. के. (संपा.) 10वीं इंटरनैशनल कन्फ्रेंस ऑफ वैबोमीट्रिक्स, इन्फर्मीट्रिक्स तथा साइंटोमीट्रिक्स, जर्मनी, टेक्नीकल यूनिवर्सिटी ऑफ इलमैनाउ, मुद्रित पृष्ठ 87-90
2. अपर्णा बासु (2013) 'एफिशिएंसी इन नैशनल साइंटिफिक प्रोडक्टिविटी इन टर्म्स ऑफ मैनपावर ऐंड फंडिंग इन साइंस' नामक पेपर 14वीं इंटरनैशनल सोसायटी फ़ौर साइंटोमीट्रिक्स तथा इन्फर्मीट्रिक्स (आईएसएसआई) कन्फ्रेंस, वियाना, 15-19 जुलाई, 2013 (pp. (http://www.issi2013.org/Images/ISSI_Proceedings_Volume_II.pdf))
3. अपर्णा बासु (2013) 'दी कन्टैक्ट ऑफ साइंटोमीट्रिक इवैल्यूएशन' नामक पेपर डा. बी. डी. कुंवर ऐट ऑल (संपा.) 'ए साइंटोमीट्रिक अप्रोच टू रिसर्च असेसमेंट, इवैल्यूएशन ऐंड परफॉर्मेंस ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज' धारवाड़, डीएलआईएससी, कर्नाटक यूनिवर्सिटी, 28-29 दिसंबर 2012, मुद्रित पृष्ठ 117-130
4. जयदीप घोष तथा अविनाश क्षितिज, (2013) 'कोहेसिवनेस, स्ट्रक्चरल होल्स, हाइरार्की ऐंड गेट क्लस्टर: ऐन इंटीग्रेटिड एक्जामिनेशन' नामक पेपर अकेडमी ऑफ मैनेजमेंट प्रोसीडिंग्स । डीओआई: 10.5465/AMBPP.2013.10819. प्रकाशक: अकेडमी ऑफ मैनेजमेंट, यूएसए
5. जयदीप घोष (2013) 'डाइनैमिक्स ऑफ इन्नोवेटिव टेक्नोलॉजी इनकोपोरेशन बाई दी इंडियन स्मॉल एन्टरप्राइज इंडस्ट्री' नामक पेपर 14वीं एन्युअल ग्लोबल इन्फर्मेशन टेक्नोलॉजी





मैनेजमेंट एसोसिएशन वर्ल्ड कन्फ्रेंस, मलेशिया, 16-18 जून

6. कश्मीरी लाल (2013) 'क्वेश्चनिंग इंडियास एबिलिटी टू हारनेस इन्फर्मेशन कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी' नामक पेपर 26 अप्रैल 2013 को यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, गुरु गोबिंद सिंह इन्द्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली द्वारा 'इन्फर्मेशन ऐंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजीज फ़ौर कंटीटिव एडवांटेज' पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाहियों में प्रकाशित। अनू सिंह लैथर, अनिल कुमार सेनी तथा संजय धोंगरा (संपा.) ISBN 978-93-80544-09-0, सीडी में उपलब्ध।
7. कस्तूरी मंडल (2013) 'स्किल डिवेलपमेंट इन ग्रीनिंग इकोनोमी- दी इंडियन केस' नामक पेपर आईएनएससीआईटीईडी 2013 की कार्यवाहियों में प्रकाशित। पोर्ट ऑफ स्पेन, त्रिनिडाड ऐंड टोबैगो, आईएसबीएन: 978-976-95273-8-6
8. कविता मेहरा, प्रीति तथा सुनील चौपड़ा (2014) 'डिवेलपमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी इन इंडिया: रोल ऑफ पब्लिक पॉलिसीज' नामक पेपर एनआईएचआईआरएसटी, स्पेन; सीएसआईआर-निस्टैड्स, नई दिल्ली तथा ऑर्गेनाइजेशन ऑफ अमेरिकन स्टेट्स द्वारा संयुक्त रूप से 5-7 जून 2013 को पोर्ट ऑफ स्पेन, टीएँडटी में 'साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी फ़ौर इकोनोमिक डिवर्सीफिकेशन 2013' पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में एनआईएचआईआरएसटी, स्पेन, 2014 द्वारा प्रकाशित, मुद्रित पृष्ठ 125-149.
9. मधुलिका भाटी (2015) 'नोलेल ऑफ नैनो वाटर इकोसिस्टम थ्रू दी लेन्स ऑफ साइंस साइटेशन इंडैक्स डाटाबेसेज' नामक पेपर दिनांक 19-21 फरवरी 2015 को डीआरडीओ, नई दिल्ली द्वारा 'इन्फर्मेशन टेक्नोलॉजी: अतीत, वर्तमान और भविष्य' पर आयोजित द्विभाषी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में प्रकाशित।
10. मधुलिका भाटी (2015) 'नैनोटेक्नोलॉजी एप्लीकेशन इन वाटर सेक्टर फ़ॉम दी बिगनिंग टू दी ऐंड ऑफ वैल्यू चेन: ऐन इंडियन पर्सपेक्टिव' नामक पेपर इंडियन साइंस सेंटर, नई दिल्ली में 21-22 नवंबर को स्त्रेलेंसिंग डिवेलपमेंट ऐंड इनवायरनमेंट (इकोनोमिक ग्रोथ विद इनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी) पर आयोजित VIII वर्ल्ड एक्वा कन्फ्रेंस की कार्यवाही में प्रकाशित। मुद्रित पृष्ठ 78-83
11. नरेश कुमार तथा एस. रैगो (2013) 'कैचिंग-अप अनईक्वल एक्सेस टू आईसीटी: ए केस ऑफ रूरल अर्बन टेलिकॉम डिवाइड इन इंडिया' नामक पेपर साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी पॉलिसी रिसर्च सेंटर (एमईटीयू-टीईकेपीओएल) द्वारा 11-13 सितंबर के दौरान मिडल इस्ट एशिया टेक्नीकल यूनिवर्सिटी, अंकारा में आयोजित 11वीं ग्लोबलक्स कन्फ्रेंस इन अंकारा, टर्की की कार्यवाही में प्रकाशित।
12. नरेश कुमार (2015) 'ग्रोथ ऐंड एस्टीमेशन ऑफ इंजीनियरिंग ऐंड टेक्नीकल मैनपावर इन इंडिया' नामक पेपर 3-7 जनवरी को मुंबई में आयोजित 102वीं इंडियन साइंस कांग्रेस (इंजीनियरिंग अनुभाग) की कार्यवाही में प्रकाशित।
13. एस. रैगो तथा नरेश कुमार (2015) 'स्टडी ऑफ इम्पैक्ट ऑन ग्रोथ ऑफ रूरल टेलिकॉम इन इंडिया बेस्ड ऑन कंज्यूमर स्पेंडिंग पैटर्न ऐंड इंप्लीमेंटिड गवर्नमेंट पॉलिसीज' नामक पेपर 3-7 जनवरी को मुंबई में आयोजित 102वीं इंडियन साइंस कांग्रेस (इन्फर्मेशन ऐंड कम्यूनिकेशन साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी सेक्शन) की कार्यवाही में प्रकाशित।
14. शिल्पा, ए. कौल तथा सुजीत भट्टाचार्य (2014) 'साइलेंट आस्पैक्ट्स ऑफ इंडियास पब्लिकेशन एक्टिविटी' नामक पेपर बी. मार्कसेफल, डी. फिशर, डी. बटनर, तथा एच. क्रेशमर (संपा.) जर्मनी, टेक्नीकल यूनिवर्सिटी ऑफ इलमनाउ में आयोजित 10वीं इंटरनैशनल कन्फ्रेंस ऑफ वैबोमीट्रिक्स, इन्फर्मीट्रिक्स ऐंड साइंटोमीट्रिक्स की कार्यवाही में प्रकाशित। मुद्रित पृष्ठ 481-483.

15. विपन कुमार, सपना तथा ए. नरुला(2013) 'ग्रीन बिल्डिंग इन इंडिया: ए रिकल डिवेलमेंट पर्सपेक्टिव' नामक पेपर 8-10 जुलाई 2013 के दौरान एनआईटी, आगरापाड़ा, कोलकाता में आयोजित एआईसीटीई-नैशनल कन्फ्रेंस ऑन एनर्जी इंजीनियरिंग, एनालाइसिस, ऑडिट ऐंड मैनेजमेंट की कार्यवाही में प्रकाशित ।

विविध

1. अपर्णा बासु, (2013) 'वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग इन साइंटोमीट्रिक्स: कलेक्शन ऑफ आर्टिकल' आइके रविचन्द्र राव तथा ए नीलमेघन द्वारा संपादित । एस एस पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2013 । पुस्तकालय विज्ञान के लिए सारदा रंगनाथन एंडोमेंट की ओर से प्रकाशित ।
2. भारवी दत्त, के. सी. गर्ग तथा अर्चिता भट्ट, (2013) 'ए क्वांटिटेटिव असेसमेंट ऑफ दी आर्टिकल ऑन इनवायरनमेंटल इश्यूज पब्लिशड इन इंगलिश लैंग्वेज इंडियन डेलीज' एनाल्स ऑफ लाइब्रेरी ऐंड इन्फॉर्मेशन स्टडीज, 60(3), सितंबर 2013, 219-226
3. राजेश्वरी एस. रैना, 29 सितंबर 2014 को एसएनयू दादरी में शिव नादर विश्वविद्यालय तथा केटीएच रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी स्वीडन द्वारा 'इनवायरनमेंटल ह्यूमैनिटाज ऐंड न्यू इकोलॉजी इन दी 21वीं सेंचुरी' पर आयोजित कार्यशाला में 'नाइना वर्म्स पेपर रिमोट सेंसिंग ऐंड दी आइकनोग्राफी फौर दी प्लेनेटरी इमेज' पर परिचर्चा में भाग लिया ।
4. राजेश्वरी एस. रैना, 'बर्लिन मैमोरेडम ऑन सस्टेनेबिल लिवलीहुड्स फौर स्मॉलहोल्डर्स', 'सैटिंग दी कोर्स फौर ए वर्ल्ड विदाउट हंगर-नॉर्थ-साउथ डायलॉग ऑन दी रोल ऑफ दी जी7' कन्फ्रेंस के लिए भारत, इथोपिया, बर्किना फासो, जर्मनी, बोलिविया तथा पीरू (www.welthungerhilfe.de) की ओर से वैज्ञानिकों, सिविल सोसायटी संगठनों और नीति निर्माताओं की सहयोगी टीम के अंग के रूप में इनपुट तैयार किया तथा 4 फरवरी, 2015 को ब्रांडनबर्ग एकेडमी ऑफ साइंस, बर्लिन में

जर्मन सांसदों तथा अन्य स्टेकहोल्डर्स को प्रस्तुत किया ।

5. राजेश्वरी एस. रैना, 'पुट स्मॉल होल्डर्स सेंटर-स्टेज: कॉल फौर जी7 सपोर्ट टू ऐंड वर्ल्ड हंगर ऐंड पॉवर्टी' दी एल्टरनेटिव में, 11 मार्च 2015 को प्रकाशित । (देखें-www.thealternative.in/society/)
6. राजेश्वरी एस. रैना, (2014) 'पॉलिसीज ऐंड दी इवॉल्यूशन ऑफ सोशल एन्टरप्रेन्यूरशिप इन इंडिया: टाइट-रोप वॉक टू ए पोटेण्शियल रनवे', विल्यो रिसर्च पेपर, विल्यो तथा आईडीआरसी: चेन्नै, भारत तथा कनाडा ।
7. राजेश्वरी एस. रैना, (2014) 'व्हाट रेनफेड फार्मिंग कम्युनिटीज नीड?' दी हिंदू सर्वे ऑफ इंडियन एग्रीकल्चर 2014, व्हाट डज ए फार्मर रीयली नीड टुडे? दी हिंदू: चेन्नै, मुद्रित पृष्ठ 52-55.
8. सुजीत भट्टाचार्य (2015) 'सीईएफआईपीआरए: एन इम्पोर्टेंट एक्टर इन दी इंडो-फ्रेंच इन्नोवेशन वैल्यू चेन' एन्सेंबिल (सीईएफआईपीआरए द्वारा प्रकाशित न्यूज लैटर), अंक 3(1) मार्च
9. सुमन पटेल, ए. रे (2014) रिव्यू दी आर्टिकल ऑन 'पेटेंट ऑन बायोमार्कर्स इन मेडिकल रिसर्च: ए फोकस ऑन न्यूरोसाइकाइट्रिक डिसऑर्डर्स', रिसेन्ट पेटेंट ऑन बायोमार्कर्स, 3:1-14
10. वाई. माधवी (2014), रैपिड रिस्पॉंस टू ऐन आर्टिकल टाइटल्ड 'असेसमेंट ऑफ कैजुअलिटी ऑफ इंडिवीजुअल एडवर्स इवेन्ट्स फोलोइंग इम्यूनाइजेशन (ईईएफआई): ए डब्ल्यूएचओ टूल फौर ग्लोबल यूज' टोजी आई, वैक्सीन 2013 पब्लिश कॉमन्स की परिचर्चा में आमंत्रित सदस्य के रूप में हिस्सा लिया । ऑनलाइन प्रकाशित। http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pubmed/24021304#cm24021304_2779
11. वाई. माधवी (2014), 'रिस्क असेसमेंट ऑफ इंटूंससैप्शन्स विद रोटावायरस वैक्सीन इन





डिवलपिंग कन्ट्रीज' शीर्षक से 10 जून 2014 को ऑनलाइन प्रकाशित स्मई 2014: इंटूएसैप्शन रिस्क एसोसिएटिड विद रोटावायरस वैक्सीन्स-पर लेख के उत्तर में 'फर्स्ट जर्नल क्लब डिस्कसन फोरम [<https://brightoncollaboration.org/public/resources/forum/thread-list.html?forumId=daa4c392-fe61-49f6-b1e9-b4fba4ffc35f> पर न्यूज़ लैटर के पेज 11 पर मेरी इनपुट का सार स्वीकृत किया गया है] में आमंत्रित सदस्य के रूप में हिस्सा लिया। [file:///G:/all %20in%20one%20folder/madhvi/madhviarticles/Thread%20view-intusseception%20rota%20vaccine.htm]

12. वाई. माधवी, 12 मार्च, 2015 को होटल रॉयल प्लाजा, नई दिल्ली में स्त्रिजिंग दी गैप: 4वाँ हेल्थकेयर लीडर्स फोरम (एचएलएफ)- में प्रतिभागी के रूप में आमंत्रित किया।
13. योगेश सुमन, 15-17 दिसंबर 2014 के दौरान आईआईटी, गुवाहाटी में 3वीं एनकेएन वार्षिक कार्यशाला में हिस्सा लिया।
14. योगेश सुमन, 17 मार्च 2015 को इंडिया इंटरनैशनल सेंटर, नई दिल्ली में 'रेस्पॉसिबिल इंडियन बीएमओ इन कन्टैक्ट ऑफ एमएसएमई सेक्टर- पर आयोजित राष्ट्रीय बैठक की परिचर्चा में हिस्सा लिया।
15. योगेश सुमन, 22 मई 2014 को पीएचडी हाउस, नई दिल्ली में 'एन्हेसिंग दी इंडियन मैन्यूफैक्चरिंग कंप्टीटिवनेस' पर आयोजित संगोष्ठी की परिचर्चा में हिस्सा लिया।

भारत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी: खंड III में अध्याय

1. नरेश कुमार, विपन कुमार तथा योगेश सुमन, 'विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मानव संसाधन' मुद्रित पृष्ठ 1-91
2. नरेश कुमार, विपन कुमार तथा योगेश सुमन, 'प्रस्तावना' मुद्रित पृष्ठ 1-3
3. विपन कुमार तथा सपना ए. नरुला, 'एन

इन्ट्रोडक्शन टू एसएंडटी एजूकेशन सिस्टम इन इंडिया- मुद्रित पृष्ठ 4-8

4. नीलम कुमार, 'हायर एजूकेशन इन इंडिया: दी करेन्ट स्टेटस' मुद्रित पृष्ठ 9-12
5. सुनीता कुमार तथा विपन कुमार, 'चेंजिंग हायर एजूकेशन सिस्टम इन इंडिया: ए ब्रीफ रिव्यू ऑफ लेटेस्ट पॉलिसी डिजीजन ऐंड इन्टरवेंशन्स' मुद्रित पृष्ठ 12-16
6. अनूप कुमार दास, 'ओपन एजूकेशन (ओईआर): पॉलिसी पर्सपेक्टिव इन नैशनल इनिशिएटिव्स' मुद्रित पृष्ठ 16-21
7. टी. अहमद, 'डिक्लाइन ऑफ फॉर्मल वोक्शनली ट्रेन्ड मैनपावर इन इंडिया ड्यूरिंग पास्ट डेकेड: ऐन एक्सप्लोरेटरी एनालाइसिस', मुद्रित पृष्ठ 21-24
8. जयदीप घोष तथा अविनाश क्षितिज, 'सोशियोइकोनोमिक फैक्टर इन्फ्लूएंसिंग साइंस स्टूडेंट्स' एजूकेशन मोबिलिटी ऐट हायर सेकेंडरी ऐंड अंडरग्रेजुएट लेवल्स एजूकेशन' मुद्रित पृष्ठ 24-27
9. नरेश कुमार, 'ग्रोथ ऐंड एस्टीमेशन ऑफ इंजीनियरिंग ऐंड टेक्नीकल मैनपावर इन इंडिया' मुद्रित पृष्ठ 28-33
10. नरेश कुमार, 'इम्पार्टिंग टेक्नीकल एजूकेशन थ्रू एल्टरनेटिव मोड: ए केस ऑफ इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया (आईईआई)' मुद्रित पृष्ठ 33-37
11. तबस्सुम ज़माल तथा योगेश सुमन, 'कैपेसिटी ऐंड कैपेबिलिटी बिल्डिंग ऑफ टेक्नीकल एजूकेशन इन दी एरिया ऑफ इन्फर्मेशन, इलेक्ट्रॉनिक्स ऐंड कम्प्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी (आईईसीटी)- केस स्टडी ऑफ एनआईईएलआईटी' मुद्रित पृष्ठ 37-43
12. तबस्सुम ज़माल, 'वोक्शनल एजूकेशन क्वालीफिकेशन फ्रेमवर्क (एनवीईक्यूएफ): ए नोट ऑन प्रोपोज्ड रिफॉर्म्स इन वोक्शनल

- एजूकेशन- मुद्रित पृष्ठ 43-47
13. योगेश सुमन तथा डी. गंगोपाध्याय, 'ट्रेन्ड्स इन मैनपावर प्रोडक्शन इन दी एरिया ऑफ मेटालर्जीकल ऐंड मैटीरियल इंजीनियरिंग ऐंड एस्टीमेशन ऑफ डिमांड सप्लाई गैप' मुद्रित पृष्ठ 47-50
 14. कविता मेहरा तथा सुमन गोविल, 'रिसेन्ट ट्रेन्ड्स ऑफ ह्यूमन रिसोर्स डिवेलपमेंट इन बायोटेक्नोलॉजी' मुद्रित पृष्ठ 54-60
 15. राजवीर सिंह राठौर, 'कैपेसिटी बिल्डिंग फौर डिवेलपमेंट ऑफ इंडियन एग्रीकल्चर' मुद्रित पृष्ठ 60-64
 16. एल. पुलाम्ते, 'डॉक्टरल डिग्री (साइंस) आउटटर्न्स इन इंडिया ड्यूरिंग 1947-1983: यूनिवर्सिटी परफॉर्मेंस, रीजनल डिस्पैरिटीज ऐंड इमर्जेस ऑफ सबजैक्ट्स' मुद्रित पृष्ठ 64-71
 17. विपन कुमार तथा रोहित सागर, 'पीएच.डी. इन एनर्जी सेक्टर: ए ब्रीफ एनालाइसिस' मुद्रित पृष्ठ 71-76
 18. नीलम कुमार, 'विमैन इन साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी' मुद्रित पृष्ठ 76-80
 19. रश्मि श्रीवास्तव, विपन कुमार, माला बहल, अनिल शर्मा तथा रम्मी कपूर, 'प्रिजेन्स ऑफ इंडियन्स इन दी ऐडिटोरियल बोर्ड्स ऑफ इंटरनैशनल जर्नल्स: ए प्रिलिमिनरी स्टडी' मुद्रित पृष्ठ 80-85
 20. सुनीता कुमारी, पार्थसारथी ब्यानार्जी तथा विपन कुमार, 'माइग्रेशन ऑफ इंडियास ह्यूमन रिसोर्स: ए पर्सपेक्टिव ऑफ स्किल्ड मैनपावर' मुद्रित पृष्ठ 85-91
 21. संजीब पोहित तथा प्रदीप कुमार बिस्वास, 'विज्ञान व प्रौद्योगिकी एवं उद्योग' मुद्रित पृष्ठ 92-93
 22. संजीब पोहित तथा प्रदीप कुमार बिस्वास, 'इन्ट्रोडक्शन' मुद्रित पृष्ठ 92-93
 23. प्रदीप कुमार बिस्वास तथा संजीब पोहित, 'स्ट्रक्चर ऑफ इंडियन एन्टरप्राइजैज' मुद्रित पृष्ठ 94-96
 24. संजीब पोहित तथा प्रदीप कुमार बिस्वास, 'फैसिट्स ऑफ ग्रोथ इन इंडियन लिस्टिड कंपनीज' मुद्रित पृष्ठ 96-100
 25. प्रदीप कुमार बिस्वास तथा संजीब पोहित, 'स्मरफौर्मैस ऑफ इनफौर्मल सेक्टर', मुद्रित पृष्ठ 101-104
 26. योगेश सुमन तथा तबस्सुम ज़माल, 'ट्रेन्ड्स इन ग्रोथ ऑफ एमएसएमई सेक्टरश्रेविडेंस फ्रौम सेंसस डाटा रु', मुद्रित पृष्ठ 104-108
 27. प्रदीप कुमार बिस्वास तथा जयदीप घोष, 'डैमोग्राफी, स्टार्ट-अप ऐंड इवॉल्यूशन ऑफ इनफौर्मल सेक्टर इंटरप्राइजैज' मुद्रित पृष्ठ 108-110
 28. पंचानन दास, 'प्रोडक्टिविटी, ग्रोथ ऐंड स्ट्रक्चरल चेंज इन इंडियन मैन्यूफैक्चरिंग इंडस्ट्रीज (1998-2010)', मुद्रित पृष्ठ 111-115
 29. अनिदिता सेन गुप्ता तथा पंचानन दास, 'रीजनल डिसपर्सन इन ग्रोथ, ऐफिशिएंसी ऐंड टेक्नोलॉजीकल चेंज इन इंडियन इंडस्ट्रीज (1971-2010)', मुद्रित पृष्ठ 115-120
 30. प्रदीप कुमार बिस्वास तथा कनिका मल्होत्रा तथा अरुंधति चौधरी, 'प्रोब्लम ऑफ सिकनेस, क्लोजर ऐंड एज डिस्ट्रीब्यूशन अमौंग दी रजिस्टर्ड मैन्यूफैक्चरिंग इंडस्ट्रीज', मुद्रित पृष्ठ 121-124
 31. प्रदीप कुमार बिस्वास, 'एक्सपोर्ट्स, इम्पोर्ट्स ऐंड कंट्रेक्टिंग ऑफ रजिस्टर्ड मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट्स (2009-10)', मुद्रित पृष्ठ 124-125
 32. अदिति ज़मालपुरिया तथा अनिद्य चौधरी, 'कंट्रेक्टुअल लेबर इन दी इंडियन मैन्यूफैक्चरिंग इंडस्ट्रीज' मुद्रित पृष्ठ 126-129
 33. प्रदीप कुमार बिस्वास तथा पार्थसारथी ब्यानार्जी,





- ‘वेंजैज इन दी पैटर्न ऑफ इम्पलॉइमेंट ऐंड लेबर प्रोडक्टिविटी इन दी इनफॉर्मल सेक्टर’ पृष्ठ 129-132
34. बिस्वतोश साहा, ‘स्टेट इंडस्ट्रियल डिवेलपमेंट कोरपोरेशन्स (एसआईडीसीज): ए लुक इंटू दी पास्ट’, मुद्रित पृष्ठ 133-136
35. बिस्वतोश साहा तथा अपलक खातुआ, ‘फाइनेंशियल इंटरमीडियरीज ऐंड फाइनेंशियल एसेट्स टू कॉरपोरेट सेक्टर’, मुद्रित पृष्ठ 137-140
36. बिस्वतोश साहा तथा अपलक खातुआ, ‘फाइनेंशियल इंटरमीडिएशन ऐंड कॉर्पोरेट सेक्टर: ए फोकस ऑन एफआईआई इन रिसेन्ट ईयर्स’, मुद्रित पृष्ठ 140-146
37. प्रदीप कुमार बिस्वास, जयदीप घोष, संजीब पोहित तथा अनिंद चौधरी, ‘इनफॉर्मल सेक्टर फाइनेंसिंग: रीजनल ऐंड सेक्टरल पैटर्न एडिक्वेसी ऐंड लिंकेज विद ग्रोथ ऐंड स्टार्ट-अप्स’, मुद्रित पृष्ठ 146-150
38. प्रदीप कुमार बिस्वास तथा राजकुमार, ‘एसेट कम्पोजीशन, टेक्नोलॉजी कैटेगरीज ऑफ एन्टरप्राइजैज ऐंड एस्टीमेट्स ऑफ स्किल्ड वर्कर’, मुद्रित पृष्ठ 150-153
39. संजीब पोहित तथा प्रदीप कुमार बिस्वास, ‘ट्रेन्ड्स इन प्रोसेस इन्नोवेशन, स्किल डिवेलपमेंट इन इंडियन लिस्टिड कंपनीज’ मुद्रित पृष्ठ 153-158
40. प्रदीप कुमार बिस्वास, ‘लेविल ऑफ आईसीटी यूजैस बाई इनफॉर्मल सेक्टर एन्टरप्राइजैस’, मुद्रित पृष्ठ 159-160
41. प्रदीप कुमार बिस्वास, जयदीप घोष तथा संजीब पोहित, ‘नेचर ऐंड टाइप्स ऑफ बिजनेस लिंक्स ऐंड देअर रिलेशन टू टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन ऐंड प्रोडक्टिविटी ग्रोथ ऑफ इनफॉर्मज सेक्टर- मुद्रित पृष्ठ 161-163
42. योगेश सुमन, तबस्सुम ज़माल तथा आर. एस. देवी, ‘ट्रेन्ड्स इन एनर्जी एफिशिएंसी, लेबर एफिशिएंसी ऐंड कैपिटल प्रोडक्टिविटी फौर एमएसएमई इन इंडिया: एविडेंस फ्रॉम सेंसस डाटा- मुद्रित पृष्ठ 163-166
43. संजीब पोहित तथा प्रदीप कुमार बिस्वास, ‘फर्म्स आर ऐंड डी एक्सपेंडीचर इन इंडिया’ मुद्रित पृष्ठ 166-170
44. संजीब पोहित तथा प्रदीप कुमार बिस्वास, ‘एमएनसीज आर ऐंड डी एक्सपेंडीचर इन इंडिया’ मुद्रित पृष्ठ 170-175
45. संजीब पोहित, प्रदीप कुमार बिस्वास तथा अविनाश प्रसाद क्षितिज, ‘कोलाबोरेटिव पैटर्न इन आरऐंडडी बिटवीन पब्लिक ऐंड प्राइवेट सेक्टर इंडस्ट्री-इन्नोवेशन इकोसिस्टम फाइंडिंग्स’, मुद्रित पृष्ठ 175-178
46. योगेश सुमन तथा एस. ए. नबी, ‘इंटरैक्शन्स ऐंड लिंकेजैज बिटवीन पब्लिक सेक्टर रिसर्च इंस्टीट्यूशन्स ऐंड प्राइवेट सेक्टर इंडस्ट्री-इन्नोवेशन इकोसिस्टम फाइंडिंग्स’, मुद्रित पृष्ठ 179-181
47. कविता मेहरा, ‘प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप बिल्डिंग लिंकेजैज बिटवीन आरऐंडडी एजेंसीज ऐंड इंडस्ट्री’ मुद्रित पृष्ठ 181-191
48. रित्विक चटर्जी तथा निहारिका साहू, ‘बायोमेडिकल रिसर्च फंड्स इन इंडिया: एनालाइसिस ट्रेन्ड्स ऐंड फोकस’ मुद्रित पृष्ठ 191-195
49. संजीब पोहित तथा रित्विक चटर्जी, ‘ट्रेन्ड्स इन हाई टेक्नोलॉजी एक्सपोर्ट्स’, मुद्रित पृष्ठ 195-204
50. पपिया घोष, ‘इंडियास अप्रोच टू इंडस्ट्रियल पॉलूशन: प्रोब्लम्स तथा संभावनाएं’ मुद्रित पृष्ठ 204-207
51. अदिति ज़मालपुरिया, ‘एडिटिव इनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजी इन दी इंडियन मैन्यूफैक्चरिंग इंडस्ट्रीज’ मुद्रित पृष्ठ 208-211

52. अदिति ज़मालपुरिया, 'ग्रेजुएटिंग टूवर्ड्स एन इंटीग्रेटेड क्लीनर मोड ऑफ प्रोडक्शन', मुद्रित पृष्ठ 212-215
53. सुजीत भट्टाचार्य, 'गवर्नेंस ऐंड रिलेशन्स इन एन इमर्जिंग टेक्नोलॉजी: नैनोटेक्नोलॉजी ऐज ए केस स्टडी' मुद्रित पृष्ठ 215-218
54. निहारिका साहू, 'मेडिकल डिवाइस रेगुलेशन इन इंडिया', मुद्रित पृष्ठ 218-222
55. पपिया घोष, 'इंटरफेस बिटवीन लॉ ऐंड टेक्नोलॉजी: दी केस ऑफ मेडिकल मैलप्रैक्टिस इन इंडिया', मुद्रित पृष्ठ 222-224
56. निहारिका साहू, 'रेगुलेटिंग रिस्क थ्रू इफेक्टिव पॉलिसी डिग्रेडेशन: ए केस ऑफ एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस थ्रू फूड चेन' मुद्रित पृष्ठ 225-231
57. आंशु भारद्वाज, आर. गीतवाणी तथा ज़ाकिर थॉमस, 'ओपन सोर्स ड्रग डिस्कवरी (ओएसडीडी): एन एल्टरनेटिव इन्वोल्वमेंट मॉडल फॉर ड्रग डिस्कवरी' मुद्रित पृष्ठ 231-234
58. पपिया घोष, 'ई-कॉमर्स इन इंडिया: इनवेस्टमेंट ऐंड इन्वोल्वमेंट', मुद्रित पृष्ठ 235-237
59. रित्विक चटर्जी तथा अनिंद चौधरी, 'एलोकेशन ऑफ टेक्नोलॉजीज थ्रू ऑक्शन: लेसन्स फ्रॉम पास्ट ऐंड प्रेजेंट इश्यूज' मुद्रित पृष्ठ 238-241
60. अनिंद चौधरी, 'प्रोक्योरिंग इन्वोल्वमेंट' मुद्रित पृष्ठ 242-245
61. अनिंद चौधरी, 'नैशनल सोलर मिशन' मुद्रित पृष्ठ 245-248
62. सुजीत भट्टाचार्य, 'इंट्रोडक्शन', मुद्रित पृष्ठ 249-250
63. सुरेश कुमार, 'सब-सेक्शन ए: प्रोफाइल ऑफ इंडियाज' रिसर्च एक्टिविटी, मुद्रित पृष्ठ 251-258
64. सुरेश कुमार, 'साइंटोमीट्रिक प्रोफाइल ऑफ इंडियन एसएंडटी आउटपुट ऐज सीन थ्रू साइंस साइटेशन इंडेक्स: ऐक्सपेंडिड ड्यूरींग 2010-11' मुद्रित पृष्ठ 251
65. बी. एम. गुप्ता, 'साइंटोमीट्रिक प्रोफाइल ऑफ इंडियाज एसएंडटी आउटपुट ऐज सीन थ्रू स्कोपस डाटाबेस (1996-2011)', मुद्रित पृष्ठ 259-273
66. दिव्या श्रीवास्तव, 'एनालाइसिस ऑफ इंडियन रिसर्च एक्टिविटी थ्रू इंडियन साइंस अब्सट्रैक्ट्स (2005-2009)' मुद्रित पृष्ठ 273-276
67. पी. ब्यानार्जी, एस. चट्टोपाध्याय, श्रीवाणी तथा एस. सिंह, 'एसएंडटी कैपेसिटी ऐंड कैपेबिलिटी एन्वेलप ऐंड इट्स डाइनामिक्स', मुद्रित पृष्ठ 277-281
68. शिल्पा तथा सुजीत भट्टाचार्य, 'सम सेलिगेंट आस्पेक्ट्स ऑफ इंडियाज पब्लिकेशन एक्टिविटी', मुद्रित पृष्ठ 282-287
69. एन. सी. जैन, 'ओपन एक्सैस इन क्वालिटी ऐज मीजर्ड थ्रू इम्पैक्ट फैक्टर: केस स्टडी ऑफ एसएंडटी जर्नल ऑफ इंडिया' मुद्रित पृष्ठ 288-292
70. अनूप कुमार दास, 'ओपन एक्सैस टू साइंटिफिक नोलेज: पॉलिसी पर्सपेक्टिव्स इन नैशनल इनिशिएटिव्स' मुद्रित पृष्ठ 292-299
71. के. बूमर, 'नैनोटेक्नोलॉजी ऐंड दी पब्लिक इन इंडिया: ए न्यूज़पेपर एनालाइसिस', मुद्रित पृष्ठ 299-303
72. भारवी दत्त तथा के. सी. गर्ग, 'बायोमेडिकल रिसर्च कवरेज इन इंगलिश-लैंग्वेज इंडियन न्यूज़पेपर्स' मुद्रित पृष्ठ 303-305
73. दिव्या श्रीवास्तव, 'मॉनीटरिंग इंजीनियरिंग ऐंड अप्लाइड फिजिक्स रिसर्च एक्टिविटी इन इंडिया', मुद्रित पृष्ठ 306-310
74. एन. जी. सतीश, प्रवीण अरोड़ा, 'इंडियन पेटेन्ट





- सीन (2001-10) एन आवेरव्यू' मुद्रित पृष्ठ 310-319
75. टी.सी. जेम्स, 'पेटेन्ट ग्रांट्स ऐंड लिटीगेशन: इंडियन सिनारियो', मुद्रित पृष्ठ 319-324
76. ए. एस. रे, 'कमर्शियलाइजेशन ऑफ यूनिवर्सिटी इन्वेंशन्स इन इंडिया: हाईलाइट्स फ्रॉम सिलेक्टेड केस स्टडीज', मुद्रित पृष्ठ 324-328
77. पी. ब्यानार्जी, अविनाश क्षितिज, बिक्रमजीत सिन्हा, डी. गंगोपाध्याय, डी. सक्सेना, एस. वर्मा, ए. के. मुखोपाध्याय तथा आर. बहल 'कैपेसिटी, कैपेबिलिटी ऐंड स्ट्रेटेजी इन स्टैंडर्ड्स आरएंडडी', मुद्रित पृष्ठ 328-341
78. सुजीत भट्टाचार्य, 'नैनोटेक्नोलॉजी स्टैंडर्ड डिवेलपमेंट', मुद्रित पृष्ठ 341-345
79. टी.एन.वी.वी. राव तथा सुजीत भट्टाचार्य, 'ड्रिंकिंग वाटर रिलेटेड स्टैंडर्ड्स: कन्टेम्परेरी सिनारियो', मुद्रित पृष्ठ 346-348
80. टी.सी. जेम्स, 'ट्रेड मार्क प्रोटेक्शन इन इंडिया', मुद्रित पृष्ठ 348-352
81. कश्मीरी लाल तथा अरविंद भारद्वाज, 'डिजाइन एक्टिविटी इन इंडिया' मुद्रित पृष्ठ 353-359
82. बी. एम. गुप्ता, आदर्श बाला, हर कौर, किरन बैधवान, नीलिमा चड्ढा तथा हरजीत सिंह चीमा, 'साइंटोमीट्रिक एनालाइसिस ऑफ पब्लिकेशन आउटपुट इन वैरियस डिजीजैज', मुद्रित पृष्ठ 360-375
83. अविनाश क्षितिज, चारु सिंह, रितु बंसल तथा जयदीप घोष, 'कोलाबोरेशन स्ट्रक्चर्स ऑफ कैंसर रिसर्च इन इंडिया: ए सोशियो-प्रोफेशनल नेटवर्क एनालाइसिस', मुद्रित पृष्ठ 376-379
84. भारवी दत्त तथा के. निगम, 'साइंटोमीट्रिक प्रोफाइल ऑफ सोलर सेल रिसर्च ऐंड पेटेन्टिंग एक्टिविटी इन इंडिया', मुद्रित पृष्ठ 379-388
85. दिव्या श्रीवास्तव, 'मॉनीटरिंग रिसर्च एक्टिविटी इन इंडियन थू सीएबीआई (एग्रीकल्चर, इनवायरनमेंट तथा ग्लोबल हेल्थ) इन्डैक्स्ड डाटाबेस', मुद्रित पृष्ठ 389-392
86. प्रवीण शर्मा, 'ए प्रोफाइल ऑफ मैथमैटिक्स रिसर्च इन इंडिया', मुद्रित पृष्ठ 392-397
87. सुजीत भट्टाचार्य, प्रवीण शर्मा, शिल्पा, फयाज अहमद शेख तथा आर्शिया कौल, 'रोल ऑफ मीडिएटिंग ऑर्गेनाइजेशन इन इनफ्लूएंसिंग क्लोलाबोरेशन: क्लेस स्टडी ऑफ सीईएफआईपीआरए२ ए बाइलेटरल एस ऐंड टी इंस्टीट्यूशन इस्टेब्लिशड बाई इंडिया ऐंड फ्रांस' मुद्रित पृष्ठ 398-403
88. बी. एम. गुप्ता तथा टी. फिशर, 'इंडो-जर्मन कोलाबोरेटिव रिसर्च ड्यूरिंग 2004-09 : ए क्वांटिटेटिव असेसमेंट', मुद्रित पृष्ठ 404-408
89. राजेश्वरी एस. रैना तथा कस्तूरी मंडल, 'रूरल इंडिया: एसएंडटी फौर रिकल्स ऐंड इंप्लायमेंट', मुद्रित पृष्ठ 409
90. राजेश्वरी एस. रैना, 'इन्ट्रोडक्शन', मुद्रित पृष्ठ 409
91. राजेश्वरी एस. रैना, 'रिकल्स ऐंड इम्प्लॉइमेंट: दी मैक्रो-इकोनोमिक कन्टेक्स्ट', मुद्रित पृष्ठ 410-414
92. राजेश्वरी एस. रैना, 'सर्विस सेक्टर ग्रोथ, एसएंडटी ऐंड रूरल इम्प्लॉइमेंट', मुद्रित पृष्ठ 414-418
93. राजेश्वरी एस. रैना, 'सब-सेक्शन बी: एसएंडटी ऐंड रूरल इम्प्लॉइमेंट: प्रोडक्शन सर्विसैज इन रूरल इंडिया' मुद्रित पृष्ठ 419-426
94. राजेश्वरी एस. रैना, 'एग्रीकल्चरल एसएंडटी ऐंड एक्सटेंशन: डिवेलपमेंट सर्विसैज', मुद्रित पृष्ठ 427-433
95. के. विश्वनाथ रेडी, 'ए रीजनल प्रोफाइल: रिसर्च ऐंड एजुकेशन सर्विसैज फौर एग्रीकल्चर', मुद्रित पृष्ठ 434-437

96. राजवीर सिंह राठौर, 'एसएंडटी चेलेंजैज ऐंड कैपेसिटी बिल्डिंग फौर डिवेलपमेंट ऑफ इंडियन एग्रीकल्चर' मुद्रित पृष्ठ 438-442
 97. नीलकंठ मिश्रा, 'कन्वर्जेंस इन एजुकेशन सिस्टम, रिसर्च ऐंड लोकल इंस्टीट्यूशन्स: ए की फौर डिवेलपमेंट ऑफ फिशरीज सेक्टर इन इंडिया', मुद्रित पृष्ठ 442-445
 98. टिनी साहनी, 'स्मॉल रूमिनेन्ट्स, नोलेज गैप्स ऐंड इम्प्लौइमेंट क्वेश्चन्स', मुद्रित पृष्ठ 446-448
 99. मुहम्मद रईस तथ एस. आचार्य, 'फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री: एसएंडटी कैपेबिलिटी, स्किल्स ऐंड इम्प्लौइमेंट अपौरचुनिटीज', मुद्रित पृष्ठ 449-453
 100. मुहम्मद रईस तथ एस. आचार्य, 'फूड प्रोसेसिंग इन नॉर्थ-ईस्ट इंडिया : स्किल्स ऐंड इम्प्लौइमेंट', मुद्रित पृष्ठ 453-457
 101. हरदीप ग्रेवाल, बिस्वतोश साहा, प्रदीप बिस्वास तथा पी.पी. बनर्जी, मैथा, 'एन इन्नोवेशन सक्सेस स्टोरी', मुद्रित पृष्ठ 458-461
 102. सुखपाल सिंह, स्मॉल प्रोड्यूसर्स, नोलेज ऐंड मार्केट', मुद्रित पृष्ठ 462-465
 103. कविता मेहरा, 'ट्रेड-ऑफ्स इन दी डिवेलपमेंट ऑफ ए सिरेमिक क्लस्टर', मुद्रित पृष्ठ 465-468
 104. राजेश्वरी एस. रैना, सब-सेक्शन सी: 'एसएंडटी एप्लीकेशन्स: गवर्नेंस ऐंड मैनेजमेंट ऑफ रूरल सर्विसेज' मुद्रित पृष्ठ 469
 105. राजेश्वरी एस. रैना, 'एसएंडटी एप्लीकेशन्स इन दी कन्टेक्ट ऑफ सर्विस सेक्टर एक्सपेंडीचर', मुद्रित पृष्ठ 469-478
 106. वाई माधवी हेल्थकेयर, 'सर्विसेज ऐंड कैपेसिटी डिवेलपमेंट फौर रूरल इंडिया अंडर ग्लोबलाइजेशन ऐंड प्राइवेटाइजेशन', मुद्रित पृष्ठ 478-483
 107. कस्तूरी मंडल तथा मोह. इकबाल हसन, 'प्रोविजनिंग ऑफ वाटर सर्विसेज इन रूरल इंडिया', मुद्रित पृष्ठ 483-488
 108. कस्तूरी मंडल तथा राजेश्वरी एस. रैना, 'एसएंडटी तथा स्किल डिवेलपमेंट रूरल यूनिवर्सिटीज ऐंड रिसर्च इंस्टीट्यूट्स', मुद्रित पृष्ठ 489-493
 109. एफ. एस. काज़ी, 'वोकेशनल एजुकेशन ऐंड ट्रेनिंग इन इंडिया', मुद्रित पृष्ठ 493-495
 110. पी.पी.एस. गीताकुट्टी, 'जेंडर इंकलूसिव एसएंडटी ऐंड एग्रीकल्चरल एजुकेशन इन इंडिया', पृष्ठ 496-500
 111. कविता मेहरा, 'रूरल इन्नोवेशन फंड', मुद्रित पृष्ठ 500-505
 112. प्रदोष नाथ, 'आईसीटी फौर डिवेलपमेंट: इंडियन इनिशिएटिव्स', मुद्रित पृष्ठ 506-513
 113. कस्तूरी मंडल तथा मोह. इकबाल हसन, 'एसएंडटी सपोर्ट फौर रूरल रोड्स इन्फ्रास्ट्रक्चर', मुद्रित पृष्ठ 513-517
 114. आर. प्रसाद, 'एसएंडटी सपोर्टिड डिवेलपमेंट इंटरवेंशन्स इन मेघालय', मुद्रित पृष्ठ 517-521
 115. राजेश्वरी एस. रैना, 'स्विमिंग अप: एसएंडटी फौर स्किल्स ऐंड इम्प्लौइमेंट इन रूरल इंडिया', मुद्रित पृष्ठ 521-523
- व्याख्यान/सम्मेलन में प्रस्तुतियां**
1. ए. कौल, सुजीत भट्टाचार्य तथा शिल्पा, 'मीजरिंग एफिशिएंसी ऑफ साइंटिफिक रिसर्च' पेपर 3-5 सितंबर 2014 के दौरान टेक्नीकल यूनिवर्सिटी ऑफ इलमनाउ, जर्मनी तथा कोलनेट द्वारा आयोजित 10वीं इंटरनैशनल कन्फ्रेंस ऑफ वैबोमीट्रिक्स, इन्फर्मीट्रिक्स तथा साइंटोमीट्रिक्स में प्रस्तुत किया ।
 2. जयदीप घोष, 'डाइनैमिक्स ऑफ इन्नोवेटिव टेक्नोलॉजी इन कोरपोरेशन बाई दी इंडियन स्मॉल





एन्टरप्राइज इंडस्ट्री' पेपर 16-18 जून 2013 के दौरान कुआलालंपुर, मलेशिया में आयोजित 14वीं ग्लोबल इन्फर्मेशन टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एसोसिएशन वर्ल्ड कन्फ्रेंस में प्रस्तुत किया।

3. जयदीप घोष, 'टेक्नीक्स ऐंड यूज ऑफ सोशल नेटवर्क एनालाइसिस' पेपर 16-18 जून 2013 के दौरान कुआलालंपुर, मलेशिया में आयोजित 14वीं ग्लोबल इन्फर्मेशन टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एसोसिएशन वर्ल्ड कन्फ्रेंस में प्रस्तुत किया।

4. जयदीप घोष, 'बोर्ड इंटरलॉक नेटवर्क्स ऑफ इंडियन कंपनीज ऐंड फर्म परफॉर्मंस: ए सोशल नेटवर्क एनालाइसिस', यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना, ग्रीन्सबोरो, यूएसए में अगस्त 2013 में प्रस्तुत किया।

5. जयदीप घोष तथा अविनाश क्षितिज, 'कोहेसिवनेस, स्ट्रक्चरल होल्स, हाइरार्की तथा जाइंट क्लस्टर: एन इंटीग्रेटेड एक्जामिनेशन ऑफ मैनेजमेंट एन्युअल मीटिंग ऐंड कन्फ्रेंस' पेपर 9-13 अगस्त 2013 के दौरान लेक बुएना विस्ता आर्लैंडो, फ्लोरिडा, यूएसए में प्रस्तुत किया।

6. जयदीप घोष, अविनाश क्षितिज तथा संदीप कादयान, 'स्ट्रक्चर-फंक्शनल आस्पैक्ट्स ऑफ को-ऑथरशिप नेटवर्क्स इन इन्फर्मेशन सिस्टम्स, टेक्नोलॉजी तथा इकोनोमिक्स: ए सोशल नेटवर्क स्टडी' पेपर जून में आयोजित ग्लोबल इन्फर्मेशन टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एसोसिएशन (जीआईटीएमए) वर्ल्ड कन्फ्रेंस 2014, यूएसए में प्रस्तुत किया।

7. कस्तूरी मंडल, 'इंस्टीट्यूशनल रिफॉर्म: इनेबिलिंग एसएंडटी ऐंड इन्नोवेशन इन रूरल इंडिया' पेपर

24-30 सितंबर 2013 के दौरान स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी ऐट जार्जिया टेक अटलांटा, यूएसए में आयोजित अटलांटा कन्फ्रेंस ऑन साइंस ऐंड इन्नोवेशन पॉलिसी- बिल्डिंग कैपेसिटी फॉर साइंटिफिक इन्नोवेशन ऐंड आउटकम्स में प्रस्तुत किया।

8. कस्तूरी मंडल, 'इंस्टीट्यूशनल रिआर्गेनाइजेशन: ए केस ऑफ काउंसिल ऑफ साइंटिफिक ऐंड इंडस्ट्रियल रिसर्च, इंडिया' पेपर 26 नवंबर से 2 दिसंबर 2014 के दौरान किश द्वीप स्थित नाम एसएंडटी सेंटर में आयोजित 'साइंस, टेक्नोलॉजी ऐंड इन्नोवेशन पॉलिसी मेकिंग फॉर डिवेलपिंग कंट्रीज' पर इंटरनैशनल कन्फ्रेंस में प्रस्तुत किया।

9. कस्तूरी मंडल, 'स्किल डिवेलपमेंट फॉर ग्रीनिंग इकोनोमी दी इंडियन केस' पेपर 4-7 जून 2013 के दौरान इंटरनैशनल कन्फ्रेंस ऑन साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी फॉर इकोनोमिक डिवर्सीफिकेशन, आईएनएससीआईटीईडी में प्रस्तुत किया।

10. मधुलिका भाटी, 'बेसिक रिसर्च टू कमर्शियलाइजेशन इन नैनो वाटर रिसर्च: ए केस स्टडी ऑफ इंडिया' पेपर 11 दिसंबर 2013 को रॉयल सोसायटी ऑफ कैमिस्ट्री, एनालाइटिकल डिवाइज, स्काटिश रीजन, रॉयल सोसायटी ऑफ कैमिस्ट्री, ग्लासगो तथा वैस्ट ऑफ स्कॉटलैंड सेक्शन, यूनिवर्सिटी ऑफ स्ट्रेथक्लाइड, ग्लासगो G1 1XL द्वारा प्रायोजित 6वीं स्काटिश सिम्पोजियम ऑन इनवायरनमेंटल एनलाइटिकल में प्रस्तुत किया।

11. मधुलिका भाटी, 'कैमिकल प्रोसेसिंग इन दी इनवायरनमेंट: मॉडलिंग ऐंड एप्लीकेशन' पेपर 2 मई 2013 को सीएमएमएसी, बेंगलुरु में प्रस्तुत किया।

12. एन. मृणालिनी, 'मेक इन इंडिया: इंप्लीकेशन ऑन इंडियन इन्नोवेशन' पेपर 25 नवंबर 2014 को स्टिप परियोजना के अंतर्गत आयोजित आधे दिन की डिस्सेमिनेशन कार्यशाला में प्रस्तुत किया।

13. एन. मृणालिनी, 'ग्रोथ, ग्रीन ग्रोथ और डिग्रोथ? न्यू क्रिटिकल डाइरेक्शन्स फॉर इंडियास सस्टेनेबिलिटी' 12 दिसंबर 2014 को इंडिया हैबिटेड सेंटर, नई दिल्ली में उद्घाटन भाषण में प्रस्तुत किया।

14. नीलम कुमार, 'जेंडर ऐंड साइंस: दी पर्सिस्टेंट

- पैटर्न्स', सैपिएंजा यूनिवर्सिटी ऑफ रोम, 3 जुलाई 2013
15. नीलम कुमार, 'जेंडर ऐंड साइंस: सम ऑब्जर्वेशन इन इंडियन कन्टैक्स्ट', दी ओपन यूनिवर्सिटी, लंदन, 12 जून 2014
 16. नीलम कुमार, 'जेंडर्ड इक्वेशन इन साइंस इन इंडिया', जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली 9 अप्रैल 2014
 17. नीलम कुमार, 'विमैन इन साइंस: इश्यूज ऐंड चेलेंजेंज', पोडिचेरी यूनिवर्सिटी, 17 मार्च 2015
 18. नीलम कुमार, 17-22 अगस्त 2014 के दौरान हैदराबाद, भारत में आयोजित 'विमैन्स वर्ल्ड कन्फ्रेंस 2014' में रूजेंडर साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी: ऑर्गेनाइजेशनल ऐंड पॉलिटिकल इंटरवेंशन्स इन एशिया' सत्र का आयोजन एवं अध्यक्षता की और दिनांक 18 अगस्त 2014 को 'विमैन ऐंड साइंस इन इंडिया' पर व्याख्यान भी दिया।
 19. नीलम कुमार, 'जेंडर ऐंड साइंस इन नॉन-वैस्टर्न कन्टैक्स्ट' नामक पेपर 15-16 नवंबर 2013 के दौरान 11वीं ईस्ट्स नेटवर्क मीटिंग, टोकियो में 'जेंडर सेग्रिगेशन ऑप कैम्पसैज: ए क्रॉस टाइम कम्पैरीजन इन दी हायर एजुकेशन अमोंग जापान, कोरिया तथा ताईवान' पर आयोजित कार्यशाला में प्रस्तुत किया।
 20. नीलम कुमार, 'लीडरशिप इन इंडियन अकेडैमिया: दी मिसिंग मिनिर्वा' इस्टेनबुल में 15-17 मई 2014 के दौरान आयोजित 4वीं यूरोपियन विमैन रैक्टर्स कन्फ्रेंस में प्रस्तुत।
 21. नीलम कुमार, 'विमैन लीडरशिप इन इंडियन हायर एजुकेशन' बीजिंग, चीन में आयोजित 6वीं वर्ल्ड विमैन यूनिवर्सिटी प्रजिडेन्ट्स फोरम में प्रस्तुत।
 22. नीलम कुमार, 'विमैन इन साइंस ऐंड इंजीनियरिंग: दी कन्टीन्यूइंग लैक' आईआईटी मद्रास, 14 मार्च 2015
 23. राजेश्वरी एस. रैना, 'पॉलिसी ऑप्शन्स ऐंड इन्वेस्टमेंट्स फौर सस्टेनेबिल डिवेलपमेंट: फ्रॉम सेंट्रल टू स्टेट गवर्नमेंट्स- 5-6 सितंबर 2013 के दौरान आईसीसीओए, हॉटिकल्चर मिशन, केरल सरकार, तिरुवनंतपुरम द्वारा आयोजित इंटरनैशनल कन्फ्रेंस ऑन स्ट्रेटेजीज टू ड्राइव आर्गेनिक सेक्टर फोरवर्ड: फौर सस्टेनेबिलिटी ऐंड फौर मार्केट में प्रस्तुत।
 24. राजेश्वरी एस. रैना तथा कस्तूरी मंडल रूइंस्टीट्यूशनल रिफॉर्म: इनेबिलिंग एसऐंडटी ऐंड इन्नोवेशन इन रूरल इंडिया- 27-29 सितंबर 2013 के दौरान स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी, जार्जिया टेक. अटलांटा द्वारा आयोजित अटलांटा कन्फ्रेंस ऑन साइंस ऐंड इन्नोवेशन पॉलिसी में कस्तूरी मंडल ने पेपर प्रस्तुत किया।
 25. राजेश्वरी एस. रैना, 'एग्रीकल्चर इन दी इनवायरनमेंट: इज क्लाइमेट रेजिलिएंट रेनफेड एग्रीकल्चर पॉसिबिल?' , 16 अक्टूबर 2014 को एमओईएफऐंडसीसी, भारत सरकार तथा संयुक्त राष्ट्र आपदा प्रबंधन टीम, स्थल: होटल पार्क, नई दिल्ली द्वारा आयोजित नैशनल वर्कशॉप ऑन क्लाइमेट चेंज अडैप्शन इन ड्रौट अफेक्टिड एरियाज: पॉलिसीज, प्रोग्राम तथा ट्रेडीशनल कोपिंग मैकेनिज्म में प्रस्तुत किया।
 26. राजेश्वरी एस. रैना, 13 जून 2014 को देहरादून विश्वविद्यालय, एन्थ्रोपोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित इंटरनैशनल पॉलिसी वर्कशॉप ऑन 'ए न्यू अप्रोच टू गवर्निंग जीएम क्रौप्स? ग्लोबल लैसन्स फ्रॉम दी यूके एट दी रॉयल सोसायटी इन लंदन- टू कमेन्ट ऑन इंस्टीट्यूशनल ऐंड आर्गेनाइजेशनल इश्यूज इन जीएम गवर्नेंस' में आमंत्रित सदस्य के रूप में पेपर प्रस्तुत किया।
 27. राजेश्वरी एस. रैना, 25-29 नवंबर 2013 के दौरान बर्ड प्रोजेक्ट, 'स्केलिंग दी रूरल एन्टरप्राइज' पर आयोजित यूके-इंडिया जोइंट प्लेनरी मीटिंग्स में दो पेपर प्रस्तुत किए गए।
 28. राजेश्वरी एस. रैना, 'सोशलाइजिंग' स्केल बिल्डिंग कैपेसिटीज फौर सस्टेनेबिल इम्पैक्ट





पेपर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (भारत) और ईपीएसआरसी (यूके) द्वारा प्रायोजित बर्ड प्रोजेक्ट स्कूलिंग दी स्कूल एन्टरप्राइज- पर सीटीडी, नई दिल्ली तथा साझीदार संगठन, आईआईटी, मुंबई तथा सीएसआईआर- निस्टैड्स, नई दिल्ली द्वारा 8 नवंबर 2014 को होटल हिल क्वीन, मसूरी में आयोजित की यूके-इंडिया जोइंट प्लेनरी मीटिंग्स में प्रस्तुत किया।

29. राजेश्वरी एस. रैना, 'एग्रीकल्चर इन स्कूल ट्रांसफॉर्मेशन इन इंडिया ऐंड चाइना' पेपर 24-25 सितंबर 2014 के दौरान वॉक्सन कॉलेज, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी तथा स्कूल ऑफ इंटरनैशनल स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा जेएनयू में आयोजित इंटरनैशनल कन्फ्रेंस, जक्सटेपस 2014- कम्पैरेटिव रिसर्च, क्रिएटिव कोलाबोरेशन, मैथडोलॉजीकल चैलेंजेंस इन कन्टेम्परेरी चाइना ऐंड इंडिया- में प्रस्तुत किया।
30. राजेश्वरी एस. रैना, 'एग्रोनोमी ऐंड एग्रेरियन एल्टरनेटिव्स: दी डिसीप्लिन ऐज लेंस' पेपर 24-25 नवंबर 2014 के दौरान इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, शिमला में आयोजित सेमिनार ऑन डसीप्लिन्स, मूवमेंट्स ऐंड पॉलिसीज: दी चेंजिंग रिलेशनशिप बिटवीन साइंस, स्टेट ऐंड सोसायटी में प्रस्तुत किया गया। (पेपर आयोजक की सहायता से प्रस्तुत किया गया)
31. राजेश्वरी एस. रैना, 'एग्रोनोमी, राइस प्रोडक्शन ऐंड इंडियाज एग्रीकल्चरल पॉलिसी- डू नोलेज ऐंड एविडेंस मैटर? पेपर वेजनाइजेन यूनिवर्सिटी तथा नैशनल कंसॉर्टियम ऑन दी एसआरआई द्वारा एनएएससी, नई दिल्ली में 19-21 जून 2014 के दौरान आयोजित इंटरनैशनल वर्कशॉप ऑन रिसेन्ट चेंजेंस इन राइस प्रोडक्शन ऐंड स्कूल लिवलीहुड्स: न्यू साइट्स ऑन दी सिस्टम ऑफ राइस इंटेसिफिकेशन एज ए सोशियो-टेक्नीकल मूवमेंट इन इंडिया' की पॉलिसी वर्कशॉप में प्रस्तुत किया।
32. राजेश्वरी एस. रैना, 'आर्टिकुलेटिंग ए न्यू एग्रोनोमी: पीजेन्ट्स ऐंड कंटेम्परेरी हिस्ट्री इन एशिया' पेपर 1-3 सितंबर 2014 के दौरान दी यूरोपियन पैरीफैरी, लिसबन में 9वीं स्टेप मीटिंग- साइंस टेक्नोलॉजी के प्लानिंग फौर पीजेन्ट्स: आइडियोलॉजीज ऑफ एग्रोनोमिक साइंस कम्पेअर्ड, सत्र में प्रो. एफ. ब्रे द्वारा प्रस्तुत किया गया।
33. राजेश्वरी एस. रैना, 'क्लाइमेट रेजीलेंट एग्रीकल्चर' पेपर 25-26 जून 2014 के दौरान ऑक्सफेम, इंडिया तथा सीईसीओईडीसीओएन, लखनऊ द्वारा आयोजित क्लाइमेट चेंज एडवोकेसी वर्कशॉप में प्रस्तुत किया गया।
34. राजेश्वरी एस. रैना, 'फ्रॉम "लुकिंग अप" टू "सीइंग थ्रू": एग्रो-इकोलॉजीकल एल्टरनेटिव्स ऐंड फॉर्मल मेनस्ट्रीम पेस्ट मैनेजमेंट' पेपर 21-24 फरवरी 2015 के दौरान सेंटर फौर पोलिनेशन स्टडीज, कोलकाता में यूके- इंडिया एग्रो-इकोलॉजी इनिशिएटिव, मीटिंग- सह- कन्फ्रेंस ऑफ दी एग्रीकल्चरल इकोलॉजी ग्रुप ऑफ दी ब्रिटिश इकोलॉजीकल सोसायटी ऐंड सोसायटी ऑफ एग्रो- इकोलॉजी, इंडिया में प्रस्तुत किया।
35. राजेश्वरी एस. रैना, 'नौर्म्स ऑफ एक्सपर्टाइज ऐंड दी सप्लाई सिंड्रोम: स्टेट, साइंस ऐंड राइस इन इंडिया' पेपर 15-17 जुलाई 2013 के दौरान एपीएसटीएस बाइएनियल कन्फ्रेंस नोइंग, मेकिंग, गवर्निंग, टैम्बसू कॉलेज, नैशनल यूनिवर्सिटी, सिंगापुर में 'दी सोशल शेपिंग ऑफ राइस प्रोडक्शन टेक्नोलॉजीज: इंस्टीट्यूशनल, नोलेज तथा प्रैक्टिस' के पैनल में प्रस्तुत किया।
36. राजेश्वरी एस. रैना, 'पैन्डोरा ऑर कोर्नकोपिया? स्ट्रेथनिंग दी इंटरफेस बिटवीन साइंस ऐंड पॉलिसी' 27-29 नवंबर 2014 के दौरान इंडियन नैशनल साइंस अकादमी (इंसा), नई दिल्ली में ज़हीर साइंस फाउंडेशन तथा यूनेस्को द्वारा आयोजित इंटरनैशनल कन्फ्रेंस ऑन साइंस, टेक्नोलॉजी ऐंड इन्नोवेशन पॉलिसी: फोरसाइट, ग्रोथ, रोडमैप, सेक्टरल इम्पैक्ट असेसमेंट तथा

- एलियांसैज में प्रस्तुत किया ।
37. राजेश्वरी एस. रैना, 'रेनफेड एग्रीकल्चर: दी डिसकोर्स ऐंड एविडेंस फौर ए पैराडाइम शिफ्ट' पेपर 12-14 दिसंबर 2013 के दौरान कार्ल जैसपर्स सेंटर फौर एडवांस्ड ट्रांसकल्चरल स्टडीज ऑफ हीडलबर्ग यूनिवर्सिटी में कल्टीवेटिंग फ्यूचर्स, इथ्नोग्रेफाइज ऑफ एल्टरनेटिव एग्रीकल्चर इन (साउथ) एशियन लैंडस्कैप्स ऑफ क्राइसिस पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में प्रस्तुत किया ।
 38. राजेश्वरी एस. रैना, 'रूरल एन्टरप्राइज इन दी न्यू ग्लोबल इकोनोमी' पेपर 25-29 नवंबर 2013 के दौरान इम्पीरियल कॉलेज, लंदन में आयोजित यूके-इंडिया जोइंट प्लेनरी मीटिंग्स ऑफ दी बर्डप्रोजेक्ट, 'स्केलिंग दी रूरल एन्टरप्राइज' में प्रस्तुत किया ।
 39. राजेश्वरी एस. रैना, 'सोशल इन्नोवेशन ऐंड एन्ट्रप्रेन्यूरशिप इन इंडिया: नरचरिंग दी इंस्टीट्यूशनल साइन क्वा नॉन फौर दी इनफॉर्मल सेक्टर' पेपर 29-31 अक्टूबर 2014 के दौरान आयोजित 12वीं ग्लोबेलिक्स इंटरनैशनल कन्फ्रेंस, अफ्रीका यूनियन सेंटर, आदिस आबा में प्रस्तुत।
 40. राजेश्वरी एस. रैना, 'टूलकिट-स्केलिंग अप दी रूरल एंटरप्राइज' पेपर 25-29 नवंबर 2013 के दौरान एचसीएल प्रयोगशाला, स्वांसी, यू.के. में आयोजित यूके-इंडिया जोइंट प्लेनरी मीटिंग्स ऑफ दी बर्ड प्रोजेक्ट, 'स्केलिंग अप दी रूरल एंटरप्राइज' में प्रस्तुत किया ।
 41. राजेश्वरी एस. रैना, आई 'पॉलिसीज ऐंड इनवेस्टमेंट फौर सस्टेनेबिल/ आर्गेनिक एग्रीकल्चर: फ्रॉम सेंट्रल टू स्टेट गवर्नमेंट्स' पेपर आईएफओएएम एशिया, आईसीसीओए, कृषि विभाग, कर्नाटक सरकार तथा न्यूरेम्बर्ग मैसी, पैलेस ग्राउंड, बेंगलुरु: 14-16 नवंबर 2013 द्वारा आयोजित इंटरनैशनल कन्फ्रेंस ऑन टू प्रोग्रंड स्ट्रेटेजी फौर आर्गेनिक मूवमेंट: फौर सस्टेनेबिलिटी ऐंड फौर मार्केट्स में प्रस्तुत किया ।
 42. राजेश्वरी एस. रैना, '6-7 मार्च 2014 को अशोक होटल, नई दिल्ली में ईयू 7वें फ्रेमवर्क प्रोग्राम के भाग के रूप में आरआईएस फौर डिवेलपिंग कन्ट्रीज द्वारा आयोजित जीईएसटी कन्फ्रेंस- इंटरनैशनल ऑन ईथिक्स, ईक्विटी तथा इंकलूसन इन साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी: ग्लोबल ऐंड रीजनल पर्सपेक्टिव्स' में 'ईथिक्स इन इंडियन एसएंडटी ऐंड प्रैक्टिस' पर पैनल प्रस्तुति दी ।
 43. राजेश्वरी एस. रैना, 12 फरवरी 2015 को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार तथा ब्रिटिश काउंसिल, नई दिल्ली द्वारा आयोजित '4वीं मिनिस्ट्रियल मीटिंग ऑफ न्यूटोन भाभा फंड तथा यूके साइंस तथा इन्नोवेशन नेटवर्क मीटिंग' में 'विमैन इन साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग तथा मैथमेटिक्स (एसटीईएम) ए केस फौर इंटरवेंशन' के पैनल में शामिल ।
 44. राजेश्वरी एस. रैना, 13-14 सितंबर 2013 को सेवा मंदिर, शिल्पी रिसॉर्ट, उदयपुर द्वारा आयोजित 'वर्कशॉप ऑन सेफगार्डिंग कॉमन्स फौर दी नैक्स्ट जनरेशन' की अध्यक्षता तथा आईएफएडी परियोजना पर चर्चा एवं समीक्षा की ।
 45. राजेश्वरी एस. रैना, 'इंस्टीट्यूट फौर स्टडीज इन ग्लोबल प्रोस्पेरेटी ऐंड दी ऑफिस ऑफ पब्लिक अफेअर्स, बहाईस ऑफ इंडिया' द्वारा आयोजित पुस्तक विमोचन में 'पैराडॉक्सेज ऑफ रेशनलिटी ऐंड नॉर्मस ऑफ ह्यूमन बिहेवियर' के पुस्तक पैनल के रूप में 'रेशनल चौयसिस, ईथिक्स ऐंड साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी' पर चर्चा हेतु आमंत्रित किया ।
 46. राजेश्वरी एस. रैना, 31 अक्टूबर तथा 01 नवंबर 2013 को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (आईआईपीए), नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी- खाद्य सुरक्षा तथा खाद्य उत्पादन: सरकारी क्षेत्र में संस्थागत चुनौतियां' में 'नोइंग तथा एडमिनिस्ट्रिंग फूड: हाउ डू वी एक्सप्लेन परसिस्टेंस?' पर नीतिनिर्धारक व्याख्यान (कीनोट एड्रेस) दिया ।





47. राजेश्वरी एस. रैना, इंडो- यूके बर्ड (ब्रिजिंग दी अर्बन रूरल डिवाइड) की प्रोजेक्ट टीम, लघु ग्रामीण उद्यम, स्थानीय सरकार के कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों के लिए प्रस्तुति दी ।
48. सुजीत भट्टाचार्य, अगस्त 2013 में सीएसआईआर- निस्केयर, नई दिल्ली में 'एडवांस्ड इंटरैक्शन ऑफ इन्फर्मेशन प्रोफेशनल्स' में पेपर प्रस्तुत किया ।
49. सुजीत भट्टाचार्य, 18 सितंबर 2013 को प्रशासनिक स्टॉफ कॉलेज में उच्च स्तरीय अधिकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'इश्यूज इन मैनेजिंग टेक्नोलॉजीज इन इमर्जिंग एरियाज: ए केस ऑफ नैनोटेक्नोलॉजी' पर पेपर प्रस्तुत किया ।
50. सुजीत भट्टाचार्य, 22 सितंबर 2013 को रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय, रायपुर में 'साइंटोमीट्रिक्स: जेनिसिस, टेनेट तथा आउटपुट मीजरमेंट' में नीतिनिर्धारक व्याख्यान दिया ।
51. सुजीत भट्टाचार्य, 25-26 नवंबर 2013 के दौरान एनआईटी सिल्वर में आयोजित निस्टैड्स- एनआईटी सिल्वर कार्यशाला में 'इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज ऐंड न्यू इनिशिएटिव्स: ए केस स्टडी ऑफ इमर्जेस ऑफ इंडिया इन नैनोटेक्नोलॉजी रेस' पर नीतिनिर्धारक व्याख्यान दिया ।
52. सुजीत भट्टाचार्य, 3-5 सितंबर 2014 के दौरान टेक्नीकल यूनिवर्सिटी ऑफ इलमनाउ, जर्मनी तथा कोलनेट द्वारा आयोजित 10वीं इंटरनैशनल कन्फ्रेंस ऑफ वेबोमीट्रिक्स, इन्फर्मीट्रिक्स तथा साइंटोमीट्रिक्स में 'इंटरनैशनल कोलाबोरेशन: चेंजिंग दी ग्लोबल लैंडस्केप ऑफ साइंस इन दी 21वीं सेंचुरी' पर नीतिनिर्धारक पेपर प्रस्तुत किया ।
53. सुजीत भट्टाचार्य, 7 फरवरी 2014 को पीईएस यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु में एक्सप्लोरेशन इन नोलेज एनालाइटिक्स पर प्रायोजित कार्यशाला 'टीईक्यूआईपी II/ सीईओ' में 'बिग डाटा ऐंड साइंटोमीट्रिक्स : फ्रॉम गूगल सर्च इंजन टू 'कम्पटीटिव इंटेलीजेंस' पर वक्ता के रूप में नीतिनिर्धारक व्याख्यान दिया ।
54. सुजीत भट्टाचार्य, 27-28 मार्च 2014 के दौरान आईआईएसईआर- पुणे में मास्ट्रिच यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित 'इन्नोवेशन: ब्रूकरिंग नैनोटेक्नोलॉजी, क्रीएटिंग कैपेसिटी' शीर्षक कार्यशाला के पैनल में शामिल ।
55. सुजीत भट्टाचार्य, 27-29 नवंबर 2014 के दौरान सोसायटी फ़ौर इन्फर्मेशन साइंस ऐंड सीएसआईआर- इंस्टीट्यूट ऑफ माइक्रोबियल टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित स्त्रिग डाटा माइनिंग: कंसैप्ट्स मैथड्स ऐंड एप्लीकेशन्स- में 'स्ट्रक्चर्ड डाटाबेसेज ऐज इन्नोवेशन इकोसिस्टम' पर परिपूर्ण वार्ता प्रस्तुत की ।
56. सुजीत भट्टाचार्य, 14 फरवरी 2014 को सीएसआईआर- निस्टैड्स, नई दिल्ली में आयोजित 'नैशनल वर्कशॉप ऑन मीजरिंग साइंस: दी साइंटोमीट्रिक अप्रोच' में 'सेलिगेंट आस्पेक्ट्स ऑफ इंडियन रिसर्च एक्टिविटी: ए साइंटोमीट्रिक इन्वेस्टीगेशन' पर प्रस्तुति दी ।
57. संजीब पोहित, 14 अप्रैल 2014 को आईसीआरआईआईआर, दिल्ली द्वारा आयोजित वर्कशॉप ऑन न्यू क्लाइमेट इकोनोमी: दी ग्लोबल कमीशन ऑन दी इकोनोमी ऐंड क्लाइमेट में 'मैक्रो मॉडल्स फ़ौर क्लाइमेट चेंज' पर पेपर प्रस्तुति के लिए चर्चा में हिस्सा लिया ।
58. संजीब पोहित, 15 दिसंबर 2014 को इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनोमिक ग्रोथ, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वर्कशॉप ऑन इकोनोमी ऑफ टुमोरो में 'इफेक्टिवनेस ऑफ पॉलिसी इंस्ट्रूमेंट्स इन लिमिटिंग जीएचजी इमिशन- ए सीजीई मॉडलिंग अप्रोच' पर पेपर प्रस्तुत किया ।
59. संजीब पोहित, 5 फरवरी 2015 को सेंटर फ़ौर इंटरनैशनल ट्रेड ऐंड डिवेलपमेंट, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 'सोशल अकाउंटिंग मैट्रिक्स: कंसैप्ट्स ऐंड एप्लीकेशन्स' पर पेपर प्रस्तुत किया ।

60. संजीव पोहित, 3 फरवरी 2015 को इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनोमिक ग्रोथ, दिल्ली विश्वविद्यालय में आईईएस के प्रशिक्षार्थियों के साथ 'इनपुट-आउटपुट ऐंड इट्स एप्लीकेशन्स' पर चर्चा की।
61. संजीव पोहित, 6 फरवरी 2015 को इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनोमिक ग्रोथ, दिल्ली विश्वविद्यालय में आईईएस के प्रशिक्षार्थियों के साथ 'एसएम, सीजीई तथा एप्लीकेशन्स' पर चर्चा की।
62. संजीव पोहित, 25 सितंबर 2013 को सीएसआईआर- निस्टैड्स, नई दिल्ली में 'प्रिंसीपल ऑफ इकोनोमिक्स' तथा 'इंडियन इकोनोमी ऐंड पॉलिसी' पर एक पाठ्यक्रम प्रस्ताव की प्रस्तुति दी।
63. संजीव पोहित, 23 जुलाई 2014 को पंजाब स्टेट इन्नोवेशन काउंसिल द्वारा आयोजित वर्कशॉप ऑन इन्नोवेशन फौर इंकलूसिव ग्रोथ ऐंड इंटरप्रिन्यूरशिप जनरेशन में 'हाई टेक्नोलॉजी एक्सपोर्ट- व्हेयर डज इंडिया स्टैंड्स' पेपर प्रस्तुत किया।
64. संजीव पोहित, तबरसुम ज़माल तथा योगेश सुमन, 23 मई 2013 को सीएसआईआर- निस्टैड्स, नई दिल्ली में 'इमर्जिंग इश्यूज ऐंड चेलेंजेंज इन इंडियन एमएसएमई सेक्टर' में पेपर प्रस्तुत किया।
65. संजीव पोहित, (2014) 'एन्ट्रेंसिंग ट्रेड इन गुड्स' 21-22 जनवरी 2014 को आईसीआरआईआईआर द्वारा आयोजित '2वीं वार्षिक सम्मेलन नॉर्मलाइजिंग इंडिया- पाकिस्तान ट्रेड' में प्रस्तुत किया।
66. ए. के. शिल्पा तथा सुजीत भट्टाचार्य, 'सेलिगेंट आस्पैक्ट्स ऑफ इंडियास पब्लिकेशन एक्टिविटी' पेपर 3-5 सितंबर 2014 के दौरान टेक्नीकल यूनिवर्सिटी ऑफ इलमनाउ, जर्मनी तथा कौलनेट द्वारा आयोजित 10वीं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन वेबोमीट्रिक्स इन्फर्मीट्रिक्स ऐंड साइंटोमीट्रिक्स में प्रस्तुत किया।
67. शिल्पा, 27-29 नवंबर 2014 के दौरान सीएसआईआर- इमटैक, चंडीगढ़ तथा सोसायटी फौर इन्फर्मेशन साइंसेंज द्वारा आयोजित सम्मेलन 'बिग डाटा माइनिंग: दी कंसैप्ट्स मैथड्स ऐंड एप्लीकेशन्स' में 'डाटा एनालाइटिक्स: टूल्स ऐंड टेक्नीक्स फौर मीजरिंग साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी' पर राइजादा स्मारक व्याख्यान में प्रस्तुत किया।
68. सुजीत भट्टाचार्य तथा स्वागत यादव, 27-29 नवंबर 2014 के दौरान इंसा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कंकलेव ऑफ साइंटिस्ट्स ऑन साइंस, टेक्नोलॉजी ऐंड इन्नोवेशन पॉलसी: फोरसाइट, ग्रोथ, रोडमैप्स, सेक्टरल इम्पैक्ट असेसमेंट ऐंड एलियांसेंज में 'यूनिवर्सिटी इन दी इन्नोवेशन इकोसिस्टम' प्रस्तुत किया।
69. सुजीत भट्टाचार्य, 27-29 नवंबर 2014 के दौरान सीएसआईआर- इमटैक, चंडीगढ़ तथा सोसायटी फौर इन्फर्मेशन साइंसेंज द्वारा आयोजित सम्मेलन 'बिग डाटा माइनिंग: दी कंसैप्ट्स मैथड्स ऐंड एप्लीकेशन्स' में 'डाटा एनालाइटिक्स: टूल्स ऐंड टेक्नीक्स फौर मीजरिंग साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी' में 'डिजाइनिंग रिसर्च ऐंड इन्नोवेशन स्ट्रेटेजीज: दी इम्पोर्टेंस ऑफ बिब्लियोग्राफिक डाटाबेस ऐंड डाटा एनालाइटिक्स' पर व्याख्यान दिया।
70. तबरसुम ज़माल, 25 नवंबर 2014 को स्टिप परियोजना निस्टैड्स, नई दिल्ली के अंतर्गत आयोजित डिस्सेमिनेशन कार्यशाला में 'इन्नोवेशन लैंडस्केप सोर्स ऑफ इन्नोवेशन इन इंडियन मैनुफैक्चरिंग एमएसएमई- इम्पीरिकल एविडेंसेज' पेपर प्रस्तुत किया।
71. तबरसुम ज़माल, 27-29 नवंबर 2014 को इंसा, नई दिल्ली में आयोजित कंकलेव ऑफ साइंटिस्ट्स ऑन साइंस, टेक्नोलॉजी ऐंड इन्नोवेशन पॉलसी: फोरसाइट, ग्रोथ, रोडमैप्स, सेक्टरल इम्पैक्ट असेसमेंट ऐंड एलियांसेंज में 'बिल्डिंग नैशनल कैपेसिटी थ्रू एस ऐंड टी ऐंड इन्नोवेशन पॉलिसीज -अपौरचुनिटीज ऐंड चेलेंजेंज इन डेवलपिंग कन्ट्रीज' पेपर प्रस्तुत किया।
72. तबरसुम ज़माल, 21-23 मार्च 2014 के दौरान





आईआईटी, रुड़की, उत्तराखंड में 'डाइनैमिक्स ऑफ टेक्नीकल चेंज इन एमएसएमई सेक्टर- ए क्लस्टर डिवेलपमेंट अप्रोच इन्नोवेशन रेडिफाइड, कोग्नीजेंस' पेपर प्रस्तुत किया।

73. तबस्सुम ज़माल, 15 मार्च 014 को विमैन्स पॉलिटैक्नीक, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में-आइडिएट, इनिशिएट, इन्नोवेट फौर इंकलूसिव ग्रोथ : यूनिवर्सिटी- इंडस्ट्री नेटवर्किंग फौर टेक्नोलॉजीकल डिवेलपमेंट: क्लस्टर डिवेलपमेंट अप्रोच- ए फ्यूचर रोडमैप इन टेक्नीकल एजुकेशन' पर पेपर प्रस्तुत किया।
74. तबस्सुम ज़माल, 5-6 अप्रैल 2013 के दौरान एडमिनिस्ट्रेटिव स्टॉफ कालेज ऑफ इंडिया, हैदराबाद में न्यू ड्रग डिस्कवरी इन दी कन्टेक्ट ऑफ न्यू एसटीआई पॉलिसी 2013 में 'इंडिया साइंस, टेक्नोलॉजी ऐंड इन्नोवेशन पॉलिसी इन रिट्रोस्पेक्ट' प्रस्तुत किया।
75. तबस्सुम ज़माल, जनवरी 2014 में इंडिया इंटरनैशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'इंडिया ग्रीन बिजनेस समिट' में 'स्किलिंग इन ग्रीन बिजनेस' प्रस्तुत किया।
76. तबस्सुम ज़माल, 14-15 फरवरी 2015 के दौरान विमैन्स पॉलिटैक्नीक, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में आयोजित वर्कशॉप ऑन इन्फर्मेशन टेक्नोलॉजी प्रोस्पेक्ट्स ऐंड चेलेंजेंस में 'टेक्नीकल एजुकेशन ऐंड ह्यूमन रिसोर्सिंग डिवेलपमेंट - स्किल एडवांस्मेंट इन आईटी सेक्टर: ए केस स्टडी ऑफ एनआईईएलआईटी' प्रस्तुत किया।
77. तबस्सुम ज़माल, 9 मार्च 2015 को एनसीयूआई कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में आयोजित नैशनल कन्फ्रेंस ऑन जेंडर इक्वलिटी थ्रू विमैन इम्पावरमेंट इन कोपरेटिव ऐंड एग्रीकल्चर में 'विमैन ऐंड स्किल एडवांस्मेंट इन एग्री- सेक्टर- इश्यूज ऐंड कंसन्स' प्रस्तुत किया।
78. तबस्सुम ज़माल, 4 अप्रैल 2014 को क्राउन प्लाजा गुडगांव में विमैन लीडरशिप कंकलेव द्वारा आयोजित कार्यक्रम में इंस्पायर 2014 पर 'विमैन एन्टरप्रेन्यूरर्स ऐंड लीडरशिप, प्रोब्लम्स

ऐंड प्रोस्पेक्ट्स' पर पेपर प्रस्तुत किया।

79. तबस्सुम ज़माल, 8-10 नवंबर 2013 के दौरान कोयंबटूर में पीडीजीआईएम की पाठसामग्री के रूप में ई-लर्निंग मॉड्यूल (हिंदी में) के लिए वीडियो रिकार्डिंग करने हेतु तमिलनाडु एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, कोयंबटूर में 5 व्याख्यान दिए।
80. तबस्सुम ज़माल, वर्ष 2014 में विमैन्स पॉलिटैक्नीक, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के वार्षिक दिवस पर अतिथि व्याख्यान दिया।
81. तबस्सुम ज़माल, आईआईटी रुड़की, उत्तराखंड में कोग्नीजेंस 2014 में नीतिनिर्धारक व्याख्यान दिया।
82. विपन कुमार तथा रोहित सागर, 25- 29 अगस्त 2013 के दौरान एएसओएनएम' 13 एडवांसेज इन सोशल नेटवर्क्स एनालाइसिस ऐंड माइनिंग 2013, नियाग्रा, ओएन, कनाडा में 'रिसर्च गाइड नेटवर्किंग: ए केस ऑफ रिन्युएबिल एनर्जी रिसर्च' प्रस्तुत किया।
83. विपन कुमार, सपना ए. नरुला, 8-10 जुलाई 2013 के दौरान एनआईटी, आगरापाड़ा, कोलकाता में आयोजित एनर्जी इंजीनियरिंग, एनालाइसिस, ऑडिट ऐंड मैनेजमेंट पर एआईसीटीई- नैशनल कन्फ्रेंस में 'ग्रीन बिल्डिंग इन इंडिया: ए स्किल डिवेलपमेंट पर्सपेक्टिव' प्रस्तुत किया।
84. वाई. माधवी तथा अनुभ महाजन, 25 नवंबर 2013 को सीएसआईआर- निस्टैड्स, नई दिल्ली में 'एक्ससैस टू अफोर्डेबिल हेल्थकेयर इन पोस्ट लिबरलाइजेशन इन इंडिया' पर पेपर प्रस्तुत किया।
85. वाई. माधवी, 20 मार्च 2015 को 'यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लॉ ऐंड लीगल स्टडीज, गुरु गोबिंद सिंह आईपी यूनिवर्सिटी', नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला 'लॉ ऐंड मेडिसिन' में 'प्रिवेंटिव मेडिसिन ऐंड वैक्सीनेशन पॉलिसी' पर पेपर प्रस्तुत किया।

86. वाई. माधवी, 13 दिसंबर 2014 को नई दिल्ली में 'कन्सल्टेशन ऑन पोटेण्शियल बायोलाजिक्स इन एन्हेसिंग हेल्थकेयर आउटकम्स ऐंड बैरियर्स टू एक्सैस' में परामर्शदाता के रूप में आमंत्रित।
87. वाई. माधवी, 4 अगस्त 2014 को स्ट्रैटेजिक पार्टनर्स ग्रुप (एसपीएजी एशिया), नई दिल्ली में 'फेसिंग अवर फ्यूचर: काउंटरिंग नॉन-कम्युनिकेबिल डिजीजें इन इंडिया थ्रू इन्वेस्टमेंट इन इन्नोवेशन' पर आयोजित मल्टी-स्टेकहोल्डर डिस्कसन में परिचर्चा हेतु आमंत्रित किया गया।
88. वाई. माधवी, 2 जुलाई 2014 को यूनिवर्सिटी ऑफ ससेक्स, आरआईएस तथा दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित आईआईसी एनेक्स में 'गवर्नेंस ऑफ रीजनरेटिव मेडिसिन ऐंड पेटेन्ट्स' नीड्स इन इंडिया-पर गोलमेज सम्मेलन में परिचर्चा हेतु आमंत्रित किया गया।
89. योगेश सुमन, 25 नवंबर 2014 को स्टिप परियोजना सीएसआईआर- निस्टैड्स, नई दिल्ली में आयोजित डिस्सेमिनेशन कार्यशाला में 'इन्नोवेशन लेंडस्कैप सोर्सज ऑफ इन्नोवेशन इन इंडियन मैनुफैक्चरिंग एमएसएमई-एम्पीरीकल ऐविडेंसेज' पर पेपर प्रस्तुत किया।
90. योगेश सुमन, मार्च 2015 में क्लस्टर इन्नोवेशन सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 'इन्नोवेशन चेलेंजें इन एमएसएमई' पर व्याख्यान दिया।
91. योगेश सुमन, 25-26 नवंबर 2013 के दौरान एनआईटी सिल्वर में एनआईटी सिल्वर तथा सीएसआईआर- निस्टैड्स, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित सम्मेलन 'इन्नोवेटिंग इंडिया' में 'प्रौद्योगिकी हस्तांतरण' पर पेपर प्रस्तुत किया।





विदेशी यात्राएं

क्रम सं.	नाम तथा पदनाम	देश का नाम	अवधि
1.	श्री दिनेश अबरोल, प्रमुख वैज्ञानिक	ब्राजील	8-9 अप्रैल 2013
2.	डा.(श्रीमती) कविता मेहरा प्रमुख वैज्ञानिक	पोर्ट ऑफ स्पेन (त्रिनिडाड)	4-7 जून 2013
3.	डा. सुजीत भट्टाचार्य वरि. प्रधान वैज्ञानिक	बैंकाक बर्लिन	9-10 जुलाई 2013 3-5 सितंबर 2014
4.	डा.(श्रीमती) नीलम कुमार प्रधान वैज्ञानिक	(1) कुवैत (2) टोकिया, जापन (3) लिथुनिया (4) चीन	21-23 अप्रैल 2013 13-16 नवंबर 2013 13-17 अप्रैल 2014 6-8 सितंबर 2014
5.	डा. नरेश कुमार प्रधान वैज्ञानिक	तुर्की	11-13 सितंबर 2013
6.	श्री विपन कुमार प्रधान वैज्ञानिक	कनाडा	25-28 अगस्त 2013
7.	डा.(श्रीमती) राजेश्वरी एस. रैना, प्रधान वैज्ञानिक	(1) सिंगापुर (2) यू के (3) जर्मनी (4) लंदन, यूके (5) बर्लिन (6) इथोपिया (7) नैरोबी, कीनिया	15-17 जुलाई 2013 25-30 नवंबर 2013 12-14 दिसंबर 2013 11-14 जून 2014 24 जून 2014 29-31 अक्टूबर 2014 27-30 अप्रैल 2015
8.	डा.(श्रीमती) कस्तूरी मंडल वैज्ञानिक	(1) पोर्ट ऑफ स्पेन, (त्रिनिडाड) (2) यूएसए (3) किश द्वीप, ईरान	08-14 जून 2013 26-28 सितंबर 2013 28 नवंबर 2014 से 1 दिसंबर 2014 तक
9.	श्री भारवी दत्त वरिष्ठ कनीकी अधिकारी(3)	जर्मनी	6-8 सितंबर 2014

સંગોષ્ઠિયાં/સમ્મેલન/કાર્યશાલાएं/ગોલમેજ ચર્ચાएं
મંગલવાર સંગોષ્ઠી/ અન્ય વ્યાખ્યાન

संगोष्ठियां/सम्मेलन/कार्यशालाएं/गोलमेज चर्चाएं

1. आरआरए नेटवर्क, सीआरआईडीए तथा कृषि मंत्रालय, कृषि तथा कोपरेशन विभाग, नेशनल मिशन ऑन सस्टेनेबिल एग्रीकल्चर के सहयोग से सीआरआईडीए, हैदराबाद में 14-15 मई 2013 के दौरान रूरेनफेड फार्मिंग सिस्टमस: इवॉल्विंग ऑपरेशनल फ्रेमवर्क फॉर दी रिकमेंडिड प्रोग्राम अंडर दी 12वीं फाइव ईयर प्लान-पर वित्त एवं लेखाधिकारी द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। समन्वयकर्ता: डा. राजेश्वरी रैना

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य यह था कि 12वीं पंच वर्षीय योजना के अंतर्गत प्रस्तावित नेशनल रैनफेड फार्मिंग सिस्टम के लिए पहुंच तथा विशिष्ट दिशा-निर्देश तैयार किए जाएं। इस कार्यक्रम को योजना दस्तावेज में शामिल किया गया है। किंतु इसके लिए राज्य सरकारों के सक्रिय स्वामित्व सहित एक भागीदार के रूप में तैयार किए गए विशिष्ट दिशा-निर्देश की आवश्यकता है जो इस प्रायोगिक कार्यक्रम को चयनित खंडों में लागू करेंगे।

इस कार्यशाला के विशिष्ट उद्देश्य निम्नलिखित थे-

1. कृषि मंत्रालय, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) तथा सिविल सोसायटी के अंतर्गत देश भर के रैनफेड फार्मिंग सिस्टम पर उभरते हुए नये अनुभवों को एकत्र किया जाए।
2. 12वीं पंचवर्षीय योजना के लिए एनआरएम तथा रैनफेड फार्मिंग के कार्य समूह द्वारा

स्थापित किए गए प्रस्तावित नेशनल रैनफेड फार्मिंग सिस्टम प्रोग्राम फ्रेमवर्क का पुनरीक्षण किया जाए।

3. उभरते हुए साक्ष्यों के आधार पर योजनाओं के कन्वर्जेंस/खंड (तथा जिला) स्तर पर निवेश को सुगम बनाने के लिए संस्थागत तथा व्यवहार्य मैकेनिज्म तैयार की जाए।
4. रैनफेड कृषि के पोषणीय विकास पर स्थिति विशिष्ट ज्ञान तथा कार्य अनुभव तैयार करने के लिए अंतर-संस्थानिक कार्य शोध (सहयोगी मार्गदर्शकों के माध्यम से) की संभावनाओं का पता लगाना।

वित्त एवं लेखा अधिकारी, कृषि मंत्रालय, योजना आयोग तथा आरआरए नेटवर्क की नीति, वित्तीय तथा बौद्धिक सहायता सहित ड्राईलैंड फार्मिंग, सीआरआईडीए पर प्रीमियर रिसर्च इंस्टीट्यूट में आयोजित कार्यशाला में व्यवहार्य दिशा-निर्देश का प्रारूप तैयार करने के लिए विशिष्ट सिफारिशें (प्रौद्योगिकी प्रक्रिया, संस्थान, वित्त तथा शोध एवं विस्तार के चार चर्चा समूहों पर आधारित) की गईं।

2. 25-26 नवंबर 2013 की अवधि में एनआईटी सिल्वर में एनआईटी सिल्वर तथा सीएसआईआर-निस्टैड्स, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से रून्डोवेटिंग इंडिया-पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। समन्वयक: डा. सुजीत भट्टाचार्य

इस कार्यशाला के समन्वयक डा. सुजीत भट्टाचार्य (सीएसआईआर- निस्टैड्स) तथा डा. किशोर





सतपथी (एनआईटी सिल्वर) थे। यह दो दिवसीय कार्यशाला स्क्वोवेटिंग इंडिया- विषय पर 25-26 नवंबर, 2013 के दौरान एनआईटी सिल्वर में आयोजित की गई। इस कार्यशाला में एनआईटी के अतिरिक्त विषय के विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, प्रतिष्ठित वक्ताओं, शोधार्थियों तथा भारत के अनेक संस्थानों, विश्वविद्यालयों, कॉलेजों के विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। इसकी वेबसाइट से इसमें भाग लेने वाले देश एवं विदेश के विद्वानों एवं विद्यार्थियों में काफी रुचि का भाव देखने को मिला। इस कार्यशाला के कार्यक्रम को 5 तकनीकी सत्रों में विभाजित किया गया था। जिसमें 11 नीतिनिर्धारक व्याख्यान (कीनोट लेक्चर), 12 पेपर प्रस्तुति एवं स्कूली विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रम के अतिरिक्त नवीनता मॉडलों/ डिजाइनों का प्रदर्शन शामिल था। इस कार्यशाला में कुल 175 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

3. सीएसआईआर- निस्टैड्स, नई दिल्ली में 14 फरवरी 2014 को रूमीजरिंग साइंस: दी साइंटोमीट्रिक अप्रोच- पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया (समन्वयक: डा. सुजीत भट्टाचार्य तथा डा. अपर्णा बासु)

राष्ट्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी और विकास अध्ययन संस्थान (निस्टैड्स), नई दिल्ली, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद की स्थापना घटक संस्थान/ प्रयोगशाला, में 14 फरवरी 2014 को रूमीजरिंग साइंस: दी साइंटोमीट्रिक अप्रोच- पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला 12वीं पंचवर्षीय योजना के अधीन चालू भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और सूचना नीति (स्टिप)- सुप्रा परियोजना के अंतर्गत संचालित की गई।

प्रो. टोन (ए) एफ. जे. वान रान की भारत में निजी यात्रा के दौरान निस्टैड्स, नई दिल्ली में दौरा करने की उनकी स्वीकृति तथा हमारे भारतीय साइंटोमीट्रिक समुदाय से मिलने

से हमारे रिसर्च समुदाय में काफी रुचि पैदा हुई है। इस बात को ध्यान में रखते हुए, एक राष्ट्रीय कार्यशाला के आयोजन का निर्णय लिया गया। इसके समन्वयकर्ता डा. सुजीत भट्टाचार्य (वरि. प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रो. एसीएसआईआर, सीएसआईआर-निस्टैड्स) तथा डा. अपर्णा बासु (भूतपूर्व वैज्ञानिक, सीएसआईआर-निस्टैड्स) थे। इस कार्यशाला में भाग लेने वाले 70 से अधिक विद्वान/शोधार्थी विभिन्न विश्वविद्यालयों/ शोध संस्थानों से अलग-अलग विषयों में पाएच.डी. की उपाधि प्राप्त किए हुए थे।

साइंटोमीट्रिक्स इन पॉलिसी स्टडीज/ भारत में निर्णय लेना एवं इस कार्यक्रम को मजबूत बनाने में निस्टैड्स की महत्वपूर्ण भूमिका पर टिप्पणी के साथ शुरू करते हुए, डा. पार्थसारथी ब्यानार्जी, निदेशक (सीएसआईआर- निस्टैड्स) ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया तथा डा. अपर्णा बासु तथा डा. सुजीत भट्टाचार्य ने वक्ताओं और कार्यशाला के कार्यक्रम के बारे में अवगत कराया। इसमें नीतिनिर्धारक भाषण (कीनोट एड्रेस) प्रतिष्ठित विद्वान प्रो. टोन वान रान, प्रोफेसर ऑफ क्वांटिटेटिव स्टडीज ऑफ साइंस एट दी सेंटर फॉर साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी स्टडीज (सीडब्ल्यूटीएस) (इस केंद्र के संस्थापक निदेशक), लीडन यूनिवर्सिटी, दी नीदरलैंड्स ने दिया। प्रो. वान रान ने- एडवांस्ड बिब्लियोमीट्रिक मैथड्स फॉर इवैल्यूएशन ऑफ रिसर्च ग्रुप्स, रेंकिंग ऐंड बेंचमार्किंग ऑफ यूनिवर्सिटीज- विषय पर चर्चा की। उन्होंने लीडन, लीडन यूनिवर्सिटी एवं सीडब्ल्यूटीएस ग्रुप के मिशन तथा उद्देश्यों की रोचक झलकियां दिखाकर अपनी प्रस्तुति दी। सीडब्ल्यूटीएस ग्रुप द्वारा तैयार किए गए कुछ संकेतक श्रोताओं को प्रदर्शित किए तथा वे वैज्ञानिक कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने में किस प्रकार सहायता कर सकते हैं, इस संबंध में उल्लेख किया। इसके पश्चात उन्होंने सॉफिस्टिकेटेड साइंटोमीट्रिक्स मैथड्स जैसे को-साइटेशन विश्लेषण, बिब्लियोमीट्रिक कपलिंग का उपयोग करके बिब्लियोमीट्रिक एलिमेंट्स (साइटेशन, कीवर्ड्स, इत्यादि) से ली गई विविध संरचनाओं/

मानचित्रों के प्रति प्रतिभागियों का ध्यान आकर्षित किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने यह प्रदर्शित किया कि ये मानचित्र किस प्रकार डाइनेमिक्स ऑफ साइंस तथा पॉलिसी कन्टेक्ट को समझने में अधिक उपयोगी हो सकते हैं। इसके पश्चात उन्होंने स्त्राइवांस्ड बिब्लियोमीट्रिक मैथड्स फॉर इवैल्यूएशन ऑफ रिसर्च गुप्स, रेंकिंग ऐंड बेंचमार्किंग ऑफ यूनिवर्सिटीज- पर स्पष्ट रूप से समझाया।

इस कार्यशाला में हुई चर्चाएं प्रतिभागियों की विविध शैक्षिक पृष्ठभूमि होने के कारण साइंटोमीट्रिक के सुनिश्चित क्षेत्र के अंतर्गत प्रतिबंधित नहीं थीं। इन विविध शैक्षिक पृष्ठभूमि वाले प्रतिभागियों ने विश्वविद्यालयों के अध्यापकों तथा प्रोफेसरों के मूल्यांकन, अध्यापकों के मूल्यांकन में विद्यार्थियों की भूमिका (चाहे वे मूल्यांकन प्रक्रिया का पूर्ण अंग हों या नहीं), मूल्यांकन प्रक्रिया में सह- अध्यापकों की भूमिका, प्रकाशन में लेखकों के आदेश का महत्व, तथा विभिन्न संकेतकों का उपयोग करके विश्वविद्यालयों की रेंकिंग में अंतर एवं वैज्ञानिक परिणाम के फ्री फ्लो के प्रतिबंध द्वारा उत्पन्न घेरो में किस सीमा तक साइंटोमीट्रिक भूमिका निभा सकती है, जैसे मुद्दों को छूने वाली समीक्षात्मक निजी चर्चा शुरू की। सभी प्रतिभागियों में इस बात पर आम सहमति थी कि साइंटोमीट्रिक अब उत्कर्ष को प्राप्त करते हुए महत्वपूर्ण हो गई है, क्योंकि यह निर्णायक प्रक्रिया से जुड़ गई है तथा यह वैज्ञानिक समुदाय के लिए उपयोगी क्षेत्रों/ उप-क्षेत्रों की प्रवृत्तियों को प्रकट करने में भी सहायक समझी गई है। इसके अतिरिक्त महसूस किया गया कि यह शोधकर्ताओं को उनके शोध क्षेत्र के बौद्धिक टेरेन का पता लगाने में बौद्धिक रूप से तैयार कर रही है। यह सख्ती से महसूस किया गया कि इस प्रकार की कार्यशाला नियमित रूप से आयोजित की जानी चाहिए तथा यह साइंटोमीट्रिक समुदाय के अंतर्गत ही प्रतिबंधित नहीं होनी चाहिए जैसा कि इस कार्यशाला में किया गया है। इससे शोधकर्ताओं को साइंटोमीट्रिक समुदाय के साथ जुड़ने में सहायता मिलेगी तथा बिब्लियोमीट्रिक उपकरण में सुधार हेतु फीडबैक

मैकेनिज्म उपलब्ध होगी और साइंटोमीट्रिक आधारित विश्लेषण के लिए बेहतर समझ प्राप्त होगी।

4. **23 जुलाई 2014 को पंजाब राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, चंडीगढ़ के साथ संयुक्त रूप से स्त्रन्नोवेशन ऑन इंकलूसिव ग्रोथ ऐंड इंटरप्रिन्न्यूरर जनरेशन- पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।** (समन्वयकर्ता: डा. कविता मेहरा, डा. तबस्सुम ज़माल, डा. सुजीत भट्टाचार्य, डा. संजीव पोहित तथा डा. योगेश सुमन)
5. **12-13 सितंबर 2014 के दौरान फोर्ड फाउंडेशन, इंडियन काउंसिल फॉर सोशल साइंस रिसर्च (आईसीएसएसआर)- उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, तथा इंडियन सोसायटी फॉर इकोलॉजीकल इकोनोमिक्स (आईएनएसईई) द्वारा प्रायोजित इंडिया हेबिटेड सेंटर, नई दिल्ली में जूलिन फ्रेकोइस-जेबर, टेरी विश्वविद्यालय के सहयोग से स्त्रोथ, ग्रीन ग्रोथ अथवा डिग्रोथ? न्यू क्रिटिकल डाइरैक्शन्स फॉर इंडियास सस्टेनेबिलिटी- पर एक परिसंवाद का आयोजन किया गया।** (समन्वयकर्ता: डा. राजेश्वरी रैना)

इस परिचर्चा का आशय स्त्रकोनोमिक ग्रोथ- की वैकल्पिक संकल्पनाओं के भारतीय संदर्भ में प्रासंगिकता को व्यक्त करना है चाहे वे हरित विकास, इकोलॉजीकल डैमोक्रेसी, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, बिना वृद्धि के समृद्धि, इको-सोशलियज्म अथवा डिग्रोथ के रूप में हैं। इसमें प्रख्यात विद्वानों के साथ-साथ अर्थशास्त्रियों तथा योजनाकारों, पर्यावरणविदों तथा कार्यकर्ताओं, इतिहासकारों तथा नृविज्ञानियों, तथा विद्यार्थियों ने महत्वपूर्ण प्रश्नों पर अपने विचार व्यक्त किए तथा मीडिया पैनल ने पब्लिक मीडिया ऑन ग्रोथ ऐंड सस्टेनेबिल डिबेलपमेंट का विश्लेषण किया। इस परिचर्चा में यह निष्कर्ष निकला कि भारत को विकास संबंधी प्रश्नों के विस्तृत लोकतांत्रिक मूल्यांकन, तथा आर्थिक एवं समाज कल्याण और पर्यावरणीय स्थायित्व के लिए वैकल्पिक उपायों की आवश्यकता है।





6. 16 सितंबर 2014 को सीएसआईआर-निस्टैड्स, नई दिल्ली में वाधवानी फाउंडेशन, नई दिल्ली के साथ संयुक्त रूप से रूदी इन्नोवेशन ब्लूप्रिंट: आइडेंटिफाइंग, अडैप्टिंग ऐंड एसिमिलेटिंग बेस्ट प्रैक्टिस फॉर आरएंडडी-इंटेन्सिव एमएसएमई-पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (समन्वयकर्ता: डा. तबस्सुम ज़माल तथा डा. योगेश सुमन)
7. 5 नवंबर 2014 को सीएसआईआर-निस्टैड्स, नई दिल्ली में रूलाइब्रेरी इन्फर्मेशन सिस्टम्स ऐंड सर्विसेज: चेलेंजिंग ऐंड अपॉरचुनिटीज-पर अंतरराष्ट्रीय बैठक कार्यशाला का आयोजन किया गया। (समन्वयकर्ता: श्री विपन कुमार, श्री भारवी दत्त तथा श्री सुरेश कुमार)

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य यह था कि भारत तथा संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) विभिन्न प्रकार के पुस्तकालयों/सूचना प्रणालियों तथा सेवाओं (एलआईएस) की व्यावसायिक जागरूकता तथा समझ को आदान-प्रदान किया जा सके। इसमें बड़े मुद्दे होंगे; 1) आधुनिक सूचना प्रणाली द्वारा महसूस की गई चुनौतियां तथा मुद्दे; 2) दो देशों के पुस्तकालयों/सूचना प्रणालियों तथा सेवाओं के बीच भविष्य के सहयोग के लिए अवसर।

8. 25 नवंबर 2014 को सीएसआईआर-निस्टैड्स, नई दिल्ली में स्टिप परियोजना के अंतर्गत रून्नोवेशन लैंडस्कैप-पर आधे दिन की डिसेमिनेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया। (समन्वयकर्ता: डा. कविता मेहरा, डा. तबस्सुम ज़माल, डा. सुजीत भट्टाचार्य, डा. संजीब पोहित तथा डा. योगेश सुमन)
9. 13 मार्च 2015 को डिपार्टमेंट ऑफ इकोनोमिक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ कोलकाता के सहयोग से स्क्रिटीकल इश्यूज इन इंडियन ऑफिशियल स्टेटिस्टिक्स-पर

राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (समन्वयकर्ता: डा. संजीब पोहित)

संकल्पना टिप्पणी : भारतीय अधिकृत सांख्यिकी भारतीय बृहतआर्थिक तथा सूक्ष्मआर्थिक डाटा प्रणाली को समझने एवं व्यक्त करने के लिए अपेक्षित सभी आंकड़ों का गौण स्रोत है। इस सूचना का प्रमुख स्रोत केंद्रीय सांख्यिकी संगठन एवं भारतीय जनगणना द्वारा तैयार किए गए आंकड़ों में निहित है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन एवं राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी भारतीय अर्थव्यवस्था की व्याख्या के विश्लेषणात्मक संरचना का आधार तैयार करता है। ये सकल बृहतआर्थिक आंकड़ा जैसे सकल घरेलू उत्पाद तथा रोजगार एनएसएसओ डाटा द्वारा अधिकृत रूप से मूल्यांकित हैं। इससे भारतीय समाज के प्रमुख सूक्ष्मआर्थिक विश्लेषण जैसे उपभोग खर्च, कार्य, स्वास्थ्य इत्यादि के संबंध में गृहस्थी पर आधारित सूचना भी उपलब्ध कराई जा रही है। लेकिन, इस विश्लेषण में अनेक समस्याएं आ रही हैं। शोधार्थियों ने इन समस्याओं पर प्रायः निजी संवाद एवं शोध पत्रों दोनों के द्वारा चर्चा की है। इन तैयार किए गए आंकड़ों के वैज्ञानिक आधार पर विस्तृत चर्चा करने की आवश्यकता है। भारतीय अर्थव्यवस्था को बेहतर ढंग से व्यक्त करने में डाटा प्रणाली के निर्माताओं तथा प्रयोक्ताओं के बीच इंटरफेस भी सहायक सिद्ध होगा। एनएसएसओ डाटा प्रणाली को समझने के उद्देश्य से डिपार्टमेंट ऑफ इकोनोमिक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ कोलकाता में सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी और विकास अध्ययन संस्थान (निस्टैड्स), नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित इस दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी के समन्वयकर्ता: प्रो. इशिता मुखोपाध्याय, डा. पंचानन दास, डिपार्टमेंट ऑफ इकोनोमिक्स, कलकत्ता विश्वविद्यालय; प्रो. पार्थसारथी ब्यानार्जी, प्रो. संजीब पोहित, प्रो. तबस्सुम ज़माल, सीएसआईआर-निस्टैड्स, नई दिल्ली; ईमेल आईडी: workshop.nssso@gmail.com

प्रतिनिधि मंडल

1. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, त्रिनिडाड तथा टोबेगो सरकार के प्रतिनिधि मंडल ने 14 नवंबर 2014 को सीएसआईआर-निस्टैड्स, नई दिल्ली का दौरा किया। इस प्रतिनिधि मंडल में श्री कार्नेल बुक्रेडी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री के सलाहकार तथा प्रतिनिधि मंडल के प्रधान, डा. शैलिजा

मोहम्मद, वरिष्ठ विशेषज्ञ (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी) स्ट्रेटेजी एवं रिसर्च यूनिट शामिल थे। इसके समन्वयकर्ता श्री विपन कुमार थे।

2. सीएसआईआर- निस्टैड्स, नई दिल्ली में 25 नवंबर 2014 को विजिटिंग रूसी रिसर्च स्कॉलर्स के लिए व्याख्यान का आयोजन किया गया। (समन्वयकर्ता: डा. योगेश सुमन)



मंगलवार संगोष्ठी/अन्य व्याख्यान

तारीख	शीर्षक	वक्ता
16 अप्रैल 2013	पैटर्न ऑफ प्रोडक्ट इन्नोवेशन्स इन दी इंडियन मैनुफैक्चरिंग सेक्टर	डा. सेन्द्रा लीनर { वियाना इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनैशनल इकोनोमिक स्टडीज (डब्ल्यूआईआईडब्ल्यू) } विजिटिंग फैलो, जेएनआईएस, जेएनयू, नई दिल्ली
7 मई 2013	ऑन दी पौसिबिलिटी ऑफ क्रिएटिंग न्यू ऐंड यूजफुल नोलेज थ्रू रिसर्च	प्रो. राजन गुप्ता मैनेजमेंट डिवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एमडीआई), गुड़गांव
6 अगस्त 2013	यूरोपियन स्टैंडर्ड प्रोजेक्ट एसईएसईआई तथा रोल ऑफ स्टैंडर्डाइजेशन इन रिसर्च	दिनेश चन्द शर्मा निदेशक- स्टैंडर्डाइजेशन, पॉलिसी तथा रेगुलेशन एसईएसईआई- सेकंडेड यूरोपियन स्टैंडर्डाइजेशन एक्सपर्ट इन इंडिया, नई दिल्ली
	श्री दिनेश चन्द शर्मा वर्तमान में, स्टैंडर्डाइजेशन, पॉलिसी तथा रेगुलेशन फॉर एन यूरोपियन प्रोजेक्ट ऑन स्टैंडर्ड कॉल्ड- स्पासईएसईआई- सेकंडेड यूरोपियन स्टैंडर्डाइजेशन एक्सपर्ट इन इंडिया- के निदेशक हैं तथा यूरोपियन स्टैंडर्डाइजेशन कम्युनिटी के फोव्वल पोइंट के रूप में कार्य कर रहे हैं। यह परियोजना एसईएसईआई के नाम से जानी जाती है तथा इसे तीन यूरोपियन मानक संगठनों- यूरोपियन कमेटी फॉरस्टैंडर्डाइजेशन अर्थात सेन, यूरोपियन कमेटी फॉर इलेक्ट्रोटेक्नीकल स्टैंडर्डाइजेशन अर्थातसीईएनईएलईसी तथा यूरोपियन टेलीकम्युनिकेशन्स स्टैंडर्ड इंस्टीट्यूट- अर्थात ईटीएसआई- एवं यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन ऐंड यूरोपियन कमीशन द्वारा सहायता प्राप्त है। इससे पहले श्री दिनेश चन्द शर्मा ने एरिक्शन में 15 वर्षों तक कार्य किया है उनका अंतिम कार्य कलापो के विवरण के रूप में स्निदेशक- रेगुलेटरी अफेयर्स ऐंड इंडस्ट्री रेगुलेशन- तथा कोरपोरेट अफेयर फंक्शन विदइन कमीशन ऐंड कोरपोरेट अफेयर्स यूनिट के अध्यक्ष के पद पर कार्य करना है। श्री शर्मा ने एरिक्शन ग्रुप इंडिया ऐंड अब्रॉड के अंतर्गत अन्य अनेक पदों जैसे लेखा प्रबंधन, वाणिज्य तथा तकनीकी समाधान प्रबंधन, ड्राइविंग 3जी प्रोग्रेस इन इंडिया तथा सेल सपोर्ट फंक्शन्स के रूप में भी कार्य किया है। उन्होंने वर्ष 1992 में कस्टोमर सपोर्ट के रूप में अपने कैरियर की शुरुआत की थी तथा उनके पास 20 वर्षों का उद्योग का अनुभव है। श्री शर्मा के पास इलेक्ट्रोनिक्स में स्नातक की डिग्री तथा स्ट्राफोर्ड इंस्टीट्यूट, वाशिंगटन डीसी/यूएसए तथा एसयूएन सर्टिफिकेशन से बिजनेस प्रबंधन में सर्वोच्च सम्मान सहित डिप्लोमा है।	





27 अगस्त 2013	खाद्य उद्योग सर्वेक्षण- प्रस्तावित डिजाइन तथा प्रोसेस	डा. राजेश्वरी रैना वैज्ञानिक, सीएसआईआर- निस्टैड्स
19 नवंबर 2013	इन्फर्मेशन ईथिक्स क्यों?	प्रो. रफेल कपूरो स्टगार्ट मीडिया यूनिवर्सिटी, जर्मनी
	सारांश: डिजिटल ईथिक्स या इन्फर्मेशन ईथिक्स व्यापक रूप से हमारे समाज पर डिजिटल इन्फर्मेशन तथा कम्यूनिकेशन टेक्नालॉजीज (आईसीटी) के प्रभाव के साथ कार्य करती है तथा सामान्य रूप से पर्यावरण पर । संक्षेप में, इन्फर्मेशन ईथिक्स (या डिजिटल मीडिया ईथिक्स) इंटरनेट तथा इंटरनेट से जुड़ी जानकारी एवं संचार मीडिया जैसे मोबाइल फोन और नौचालन सेवाओं से जुड़े ईथिकल प्रश्नों को संबोधित करती है । निजता, अति भारित सूचना, इंटरनेट की आदत, डिजिटल डिवाइड, निगरानी (सर्विलांस) तथा रोबोटिक्स से जुड़े मुद्दों पर विशेष रूप से, आज अंतरसांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य से चर्चा की गई है । इस पेपर का यही संदेश है कि इन्फर्मेशन ईथिक्स इस डिजिटल युग की चुनौतियों का सामना कर सकती है तथा सामना करने में योगदान करेगी ।	
अन्य व्याख्यान		
12 अप्रैल 2013	‘एक्सपोर्ट पोटेंशल ऑफ कंसल्टेंसी सर्विसेज टू सीआईएस ऍंड अफ्रीका नेशन्स’ तथा ‘इन्नोवेटिव इंटरवेंशन्स रिक्वायर्ड टू मेक सिलेक्ट मैनुफैक्चरिंग सेक्टर ग्लोबली कम्पेटीटिव’	श्री दीपांकर दे इन्नोवेशन एक्सपर्ट, नई दिल्ली
24 मई 2013	इमर्जिंग इश्यूज ऍंड चेलेंजेंस इन इंडियन एमएसएमई सेक्टर	डा. तबरसुम ज़माल, डा. संजीव पोहित तथा योगेश सुमन, सीएसआईआर- निस्टैड्स, नई दिल्ली
30 सितंबर 2013	जीएम फ्यूचर: साइंस ऍंड टेक्नोलॉजी स्टडीज ऍंड दी प्रोब्लम ऑफ इंटरडिस्प्लनरी	डा. यूलिया इगोरोवा डरहम यूनिवर्सिटी, यूके
2 दिसंबर 2013	ए नियो- मरटोनियम अप्रोच ऑफ साइंस: स्टेम सेल रिसर्च इन फ्रांस एवं तुलनात्मक विश्लेषण(कम्पेरेटिव एनालाइसिस)	डा. मिशेल ड्यूबोइस रिसर्च निदेशक, सीएनआरएस, फ्रांस
5 फरवरी 2014	प्रेमोटिंग इन्नोवेशन थ्रू पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप: एन असेसमेंट ऑफ दी एसबीआईआरआई तथा बीआईपीपी प्राग्रेम्स	डा. आराधना अग्रवाल वाधवानी फाउंडेशन, नई दिल्ली

	सारांश: यह सरकार, शिक्षाविदों तथा नीतिनिर्धारकों द्वारा बेहतर ढंग से महसूस किया गया है कि सूक्ष्म, लघु तथामध्यम उद्यम की शोध के लिए धन उपलब्ध कराने हेतु पब्लिक सहायता समीक्षात्मक है। अधिसंख्यक देशों ने अपने लघु तथा मध्यम उद्यमियों की नवीनता क्षमता में सहायता हेतु बड़ी- बड़ी एजेंसियों तथा कार्यक्रम शुरू किए हैं तथा धन उपलब्ध कराया है। भारत सरकार ने भी इस क्षेत्र में प्रौद्योगिकीय नवीनता के लिए इनपुट उपलब्ध कराने हेतु विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए हैं तथा पब्लिक प्राइवेट साझेदारी (पीपीपी) रूप में अनेक नवीनता कार्यक्रम शुरू किए हैं। किंतु, इन कार्यक्रमों के प्रभावी मूल्यांकन की कमी है। वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य है कि जैवप्रौद्योगिकी विभाग के दो कंप्लीमेंटरी अनुदान कार्यक्रमों, अर्थात् लघु बिजनेस नवीनता शोध (एसबीआईआरआई) तथा जैवप्रौद्योगिकी औद्योगिक साझेदारी कार्यक्रम (बीआईपीपी) के माध्यम से प्राइवेट सेक्टर की शोध तथा विकास को दी जाने वाली पब्लिक सहायता का मूल्यांकन किया जाए। इस संबंध में किए गए 80 फर्मों के ऑनलाइन सर्वेक्षण के आधार पर, हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि इस बात के पर्याप्त प्रमाण हैं कि एसबीआईआरआई/बीआईपीपी कार्यक्रम उस शोध व विकास को प्रेरित कर रहे हैं और उसके व्यावसायीकरण हेतु प्रयास कर रहे हैं जो कि अन्यथा अपना स्थान प्राप्त नहीं कर पाए हैं। इसके अतिरिक्त, प्रोग्राम- प्रायोजित शोध से जुड़े लाभ वास्तविक हैं। फिर भी, कुछ चुनौतियां हैं जिन पर यदि विचार किया जाए तो इन कार्यक्रमों को नवीनता, प्रतिस्पर्धात्मकता तथा उद्यमिता को प्रोत्साहित करने वाले स्ट्रेटेजिक लक्ष्य के प्रति अधिक उत्तरदायी बनाने जा सकता है। हम सख्ती से इन कार्यक्रमों में आगे के सुधार तथा अन्य सरकारी विभागों एवं राज्य सरकारों द्वारा उनको अपनाने की सिफारिश करते हैं।
13 मार्च 2015	दी नोर्मस ऑफ वैल्यूएशन- ब्रीड सुश्री देबंजना इम्पावरमेंट ऐंड बायोडिवर्सिटी इन पीएच.डी. छात्रा इंडियास लाइवस्टॉक सेक्टर



- सीएसआईआर-निस्टैड्स पुस्तकालय
- सीएसआईआर-निस्टैड्स आईटी आधारिक ढांचा (इन्फ्रास्ट्रक्चर)
- अनुसंधान परिषद
- प्रबंध परिषद
- सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई) प्रकोष्ठ
- बजट
- स्टॉफ सूची

सीएसआईआर-निस्टैड्स पुस्तकालय

इस अवधि में निस्टैड्स पुस्तकालय में विज्ञान, प्रौद्योगिकी अध्ययन (एसटीएस) के विविध पहलुओं पर 183 पुस्तकें खरीदी गईं। साथ ही पुस्तकालय में हिंदी की 46 पुस्तकें भी खरीदी गईं। इन पुस्तकों के पश्चात पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों की कुल संख्या 26257 हो गई है। पुस्तकालय में शोधार्थियों के उपयोग के लिए 156 पत्रिकाएं तथा 17 अलग-अलग डेटाबेस भी मंगाए गए। इस वर्ष 250 पुस्तकें संस्थान के

प्रयोक्ताओं को उधार दी गईं तथा 75 पुस्तकें अंतर-पुस्तकालय ऋण (इन्टर-लाइब्रेरी लोन) पर विभिन्न पुस्तकालयों को उपलब्ध कराई गईं एवं इस माध्यम से 5 पुस्तकें प्राप्त की गईं। इस पुस्तकालय ने प्रयोक्ताओं की ज़रूरतों के अनुसार संस्थान की विज्ञान, प्रौद्योगिकी अध्ययन संबंधी शोध गतिविधियों में अपनी सहायता जारी रखी है।





सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) का आधारिक ढांचा (इन्फ्रास्ट्रक्चर)

सीएसआईआर- निस्टैड्स की स्वयं की तैयार की हुई तथा होस्टिड वेबसाइट है जो लाइनक्स सर्वर पर कार्य कर रही है, यह एक मुक्त स्रोत सॉफ्टवेयर (ओएसएस) है तथा यह जुमला प्लेटफॉर्म पर संचालित है। जुमला एक कन्टेंट मैनेजमेंट सिस्टम (सीएमएस) है तथा यह मुक्त स्रोत सॉफ्टवेयर है जो तस्वीरों, पाठों तथा वीडियो में सहायता करता है। इस संस्थान की वेबसाइट को नियमित रूप से अद्यतन किया जा रहा है। हमारे संस्थान में होस्टिड सर्वर पर आधारित अपना डीएनएस लाइनक्स है। इसके अतिरिक्त, nistads.res.in डोमेन नाम सहित NIC से इस संस्थान के समस्त स्टॉफ सदस्यों के लिए ईमेल सुविधा उपलब्ध है।

इस संस्थान में नेटवर्क इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए चैसिस आधारित कोर तथा ऐज स्विच और ऑप्टिकल फाइबर पर नेटवर्क का मुख्य आधार है। यह चैसिस स्विच 1जीबी कनेक्टिविटी की सहायता करता है। ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क सर्वर कक्ष से अम्ब्रैला, निस्टैड्स प्रशासनिक ब्लॉक, द्वितीय तल (निस्केयर भवन) एवं पुस्तकालय से जुड़ा हुआ है। हमारे पास सिक्वोर्ड लॉगइन के माध्यम से कैम्पस में वाई-फाई इंटरनेट कनेक्टिविटी सुविधा भी उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, इस संस्थान में 30 केवीए का 3 फेस का ऑनलाइन यूपीएस भी है जो हर समय आईटी उपकरणों को हर समय विद्युत की आपूर्ति करता है।

सीएसआईआर- निस्टैड्स में नैशनल नॉलेज नेटवर्क (एनकेएन) से लीज पर ली गई एक जीबीपीएस लाइन है। देश में ज्ञान से जुड़े हुए सभी संस्थानों के लिए यूनीफाइड उच्च गति का नेटवर्क आधार उपलब्ध

कराने के लिए एनकेएन एक स्टेट-ऑफ-द आर्ट मल्टी-जीगाबाइट अखिल भारतीय नेटवर्क है।

हमारे पास लगभग 150 डैस्कटॉप, 40 लैपटॉप तथा सुरक्षित इंटरनेट एक्सेस रखने वाले कुछ कार्यस्थल हैं। ये सभी सिस्टम तथा सर्वर नवीनतम क्लाउंट आधारित एंटीवाइरस से सुरक्षित हैं जो सिस्टम को अनधिकृत एंटीटीज के खतरे से बचाता है तथा उनको निर्बाध और सुरक्षित ढंग से कार्य करने में सहायता करता है।

सीएसआईआर- निस्टैड्स में नवीनतम उपकरणों तथा समर्पित पब्लिक आईपी एड्रेस सहित उत्कृष्ट वीडियो कान्फ्रेंसिंग सुविधा उपलब्ध है।

इस संस्थान में Intel Xeon 6 कोर प्रोसेसर आधारित सर्वर उपलब्ध हैं। ये सर्वर विभिन्न कार्यों जैसे वेबसाइट, डीएनएस सर्वर, एन्टीवाइरस सर्वर तथा अनुप्रयोगों के लिए प्रयोग किए जा रहे हैं। ये सभी सर्वर विन्डोज तथा लाइनक्स ऑपरेटिंग सिस्टम पर कार्य कर रहे हैं ताकि हमारे संस्थान की ज़रूरतों को पूरा किया जा सके। इसके अतिरिक्त, इस संस्थान में 20 टीबी का एसएएन भी उपलब्ध है।

हम अपनी शोध तथा विश्लेषण कार्य संबंधी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए अनेक एप्लीकेशन सॉफ्टवेयरों का उपयोग कर रहे हैं। जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं -

- सीएमआईई
- सिस्टैट
- एसपीएसएस
- स्टैटा
- सिग्मा प्लॉट

अनुसंधान परिषद 1 अगस्त 2013 से प्रभावी

अध्यक्ष

प्रो. अशोक चन्द्रा

मुख्य सलाहकार
इंटरनैशनल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, भारत
बी-10, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया
तारा क्रीसेन्ट, नई दिल्ली-110016

सदस्यगण

प्रो. सी. ए. मूर्ती

मशीन इंस्ट्रुमेंटेशन यूनिट
इंडियन स्टेटिस्टिकल इंस्टीट्यूट
203 बी.टी. रोड, कोलकाता-700108

प्रो. आनन्द पतवर्धन

एसजेएम स्कूल ऑफ मैनेजमेंट
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मुंबई
पोवई, मुंबई-400076

प्रो. मनोज पांडा

निदेशक
इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ
यूनिवर्सिटी ऑफ डेल्ही एन्क्लेव, नॉर्थ कैम्पस
दिल्ली-110007

डा. रंगन दत्ता

पूर्व महानिदेशक, कपार्ट तथा
सचिव, भारत सरकार
सी-106, सेक्टर-40
नोएडा-201303

श्री मानव मजूमदार

सहायक महा सचिव
फैडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स ऐंड इंडस्ट्री
फैडरेशन हाउस, तानसेन मार्ग
नई दिल्ली-110001

प्रो. प्रणव देसाई

प्रोफेसर ऑफ इकोनॉमिक्स
सेंटर फॉर स्टडीज इन साइंस पॉलिसी
स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज
जे.एन.यू., नई दिल्ली-110001

प्रो. राहुल वर्मन

औद्योगिक तथा प्रबंधन अभियांत्रिकी विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर
कानपुर-208016

एजेंसी प्रतिनिधि

डा. एस. एस. कोहली

वैज्ञानिक-एफ
एसईआरसी डिवीजन
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
प्रौद्योगिकी भवन, नई दिल्ली-110016

महानिदेशक द्वारा नामित सदस्य

डा. आर. आर. हिरवानी

प्रधान, सीएसआईआर-यूनिट फॉर रिसर्च
ऐंड डिवेलपमेंट ऑफ इन्फर्मेशन प्रोडक्ट्स
जोपासना, 85/1 पौड रोड
पुणे-411038

सहयोगी प्रयोगशाला

डा. एस. गंगोपाध्याय

निदेशक
सीएसआईआर-केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान
दिल्ली- मथुरा रोड, नई दिल्ली-110020

समूह निदेशक

प्रो. पी. शेशू

प्रधान, सीएसआईआर- फोर्थ पैराडाइम इंस्टीट्यूट
एनएएल, बेल्लूर कैम्पस
बेंगलुरु- 560037





निदेशक

डा. पी. ब्यानार्जी

सीएसआईआर- राष्ट्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी और विकास
अध्ययन संस्थान

के. एस. कृष्णन मार्ग

नई दिल्ली-110012

स्थायी आमंत्रित सदस्य

प्रधान अथवा उसका नामित सदस्य

योजना तथा कार्य प्रभाग

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद

अनुसंधान भवन, 2, रफी मार्ग

नई दिल्ली-110001

प्रबंध परिषद 1 जनवरी 2012 से 31 दिसंबर 2013

अध्यक्ष

डा. पी. ब्यानार्जी
निदेशक, सीएसआईआर- निस्टैड्स

सदस्यगण

डा. गंगन प्रताप
निदेशक, सीएसआईआर- निस्टैड्स

श्री प्रदोष नाथ

प्रमुख वैज्ञानिक, सीएसआईआर- निस्टैड्स

श्री विपन कुमार

प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर- निस्टैड्स

डा. संध्या वाकडीकर

वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीएसआईआर- निस्टैड्स

डा. (श्रीमती) मधुलिका भाटी

वैज्ञानिक, सीएसआईआर- निस्टैड्स

प्रमुख, पीएमई

सीएसआईआर- निस्टैड्स

श्री रम्मी कपूर

प्रधान तकनीकी अधिकारी, सीएसआईआर- निस्टैड्स

वित्त एवं लेखा अधिकारी

सीएसआईआर- निस्टैड्स

सदस्य सचिव

प्रशासन नियंत्रक/ प्रशासनिक अधिकारी

सीएसआईआर- निस्टैड्स





प्रबंध परिषद

1 जनवरी 2014 से 31 दिसंबर 2015

अध्यक्ष

डा. पी. ब्यानार्जी
निदेशक, सीएसआईआर- निस्टैड्स

डा. एस. गंगोपाध्याय

निदेशक, सीएसआईआर- सीआरआरआई

सदस्यगण

डा. सुजीत भट्टाचार्य

वरि. प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर- निस्टैड्स

डा. एस. राजेश्वरी रैना

प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर- निस्टैड्स

डा. कस्तूरी मंडल

वैज्ञानिक, सीएसआईआर- निस्टैड्स

डा. सुमन पटेल

वैज्ञानिक, सीएसआईआर- निस्टैड्स

प्रमुख, पीएमई

सीएसआईआर- निस्टैड्स

श्री रम्मी कपूर

प्रधान तकनीकी अधिकारी, सीएसआईआर- निस्टैड्स

वित्त एवं लेखा अधिकारी

सीएसआईआर- निस्टैड्स

सदस्य सचिव

प्रशासन नियंत्रक/प्रशासनिक अधिकारी

सीएसआईआर- निस्टैड्स

सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई) प्रकोष्ठ

1. डा. मुह. रईस, अपील अधिकारी
2. श्री रम्मी कपूर, जन सूचना अधिकारी (पीआईओ)
3. श्री एस. ए. नबी, सहायक जन सूचना अधिकारी (एपीआईओ)

द्विवर्षीय रिपोर्ट अवधि में कुल 56 आरटीआई के आवेदन (अप्रैल 2013 से मार्च 2014 तक 18 और

अप्रैल 2014 से मार्च 2015 तक 38) प्राप्त हुए जिनके संबंध में अपेक्षित जानकारी उपलब्ध कराते समय सभी संभावित सावधानियां बरती गईं ताकि सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत आवेदक को अपेक्षित जानकारी उपलब्ध कराने के लिए यथार्थता तथा सामंजस्य सुनिश्चित किया जा सके। इसके अतिरिक्त उक्त रिपोर्ट सीआईसी वेबसाइट पर भी तिमाही आधार पर उपलब्ध कराई जा रही है।





पिछले पाँच वर्षों का बजट

वर्ष	कुल बजट (लाख रुपयों में)	बाहरी नकदी प्रवाह (लाख रुपयों में)
2009-2010	1109.38	102.66
2010-2011	1254.40	105.93
2011-2012	1084.599	33.832
2012-2013	1198.14	77.83
2013-2014	1078.15	32.1
2014-2015	1007.93	27.08

स्टॉफ सूची

निदेशक

डा. पी. व्यानार्जी (फरवरी 2015 तक तथा मार्च 2015 में स्थानांतरित)
डा. एस. गंगोपाध्याय (मार्च 2015 से कार्यवाहक निदेशक)

प्रमुख वैज्ञानिक

श्री प्रदोष नाथ
(दिनांक 30.9.2013 को सेवानिवृत्त)
श्री दिनेश अबरोल
(दिनांक 30.04.2013 को सेवानिवृत्त)
डा. सुभान खान
(दिनांक 28.02.2014 को सेवानिवृत्त)
डा. (सुश्री) एन. मृणालिनी
डा. (श्रीमती) कविता मेहरा
(दिनांक 30.09.2014 को सेवानिवृत्त)
श्रीमती अनुराधा सिंह
डा. (सुश्री) जी. डी. संध्या
डा. (सुश्री) तबस्सुम ज़माल

वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

श्री एस. के. धवन
(दिनांक 30.08.2014 को सेवानिवृत्त)
डा. सतपाल संगवान
डा. संजीव पोहित
डा. पी. के. बिस्वास
(मई 2013 में सेवानिवृत्त)
डा. सुजीत भट्टाचार्य
डा. मुह. रईस

प्रधान वैज्ञानिक

डा. (सुश्री) वाई. माधवी
डा. नरेश कुमार
डा. एल. पुलाम्ते
डा. (सुश्री) नीलम कुमार
डा. (सुश्री) एस. राजेश्वरी
श्री विपन कुमार
श्री योगेश सुमन
श्रीमती संध्या वाकडीकर

वैज्ञानिक

डा. (सुश्री) मधुलिका भाटी
श्री अविनाश प्रसाद क्षितिज
डा. (सुश्री) कस्तूरी मंडल
डा. (सुश्री) सुमन पटेल (अगस्त 2013 में कार्यग्रहण किया)

प्रधान तकनीकी अधिकारी, ग्रुप III (7)

श्री रम्मी कपूर

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (3), ग्रुप III (6)

श्री अनिल कुमार शर्मा
श्री भारवी दत्त
डा. (सुश्री) अंजू चावला (दिनांक 30.12.2014 को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति)
श्री एस. ए. नबी (दिनांक 31.08.2013 को सेवानिवृत्त)
श्री ए. के. भारद्वाज
श्री सुरेश कुमार
श्री कश्मीरी लाल
डा. (सुश्री) प्रवीण शर्मा

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (2), ग्रुप III (5)

श्री एस. के. प्रसाद
सुश्री रेनू जेठी
सुश्री माला बहल

तकनीकी अधिकारी, ग्रुप III (3)

श्री अविनाश वर्मा

वरिष्ठ तकनीशियन (2), ग्रुप II (4)

सुश्री शाहीन सय्यद (दिनांक 31.01.2014 को सेवानिवृत्त)
श्री सुरेश चन्द्र (दिनांक 28.02.2014 को सेवानिवृत्त)
डा. (सुश्री) अनिता बाली
सुश्री तारा वर्मा
श्री एन. के. पराशर
श्री जे. एस. नरुला





श्री आर. के. नागरवाल
श्री भरत लाल

प्रयोगशाला सहायक, ग्रुप I(4)

श्री मदन कुमार
श्री धीरज पाल
श्री राम सुफल
श्री के. सी. जोशी
श्री एस. सी. त्यागी (दिनांक 07.11.2013 को देहांत हो गया)

प्रयोगशाला सहायक, ग्रुप I(3)

श्री शिव सिंह नेगी
श्री सुन्दर लाल
श्री मुरली धर

प्रशासन नियंत्रक

श्री बाल कृष्ण (जनवरी 2014 में कार्यग्रहण किया)
प्रशासनिक अधिकारी
श्री एल. एस. नेगी (जून 2013 में स्थानांतरित)
श्री बी. के. सिंह (जनवरी 2014 में स्थानांतरित)
सुश्री मरसी जोसफ

वित्त एवं लेखा अधिकारी

श्री वी. के. आनन्द (दिनांक 30.11.2014 को सेवानिवृत्त)
श्री जय प्रकाश इन्दौरा (सितंबर 2014 में कार्यग्रहण किया)

भंडार एवं क्रय अधिकारी

श्री एल. मिसाओ (सितंबर 2014 में कार्यग्रहण किया)

अनुभाग अधिकारी (सा.)

श्रीमती अनीता सिंह (जून 2014 में स्थानांतरित)
श्री धर्म सिंह
श्री बृज बिहारी (फरवरी 2015 में कार्यग्रहण किया)

अनुभाग अधिकारी (वित्त एवं लेखा)

श्री अनिल कुमार शर्मा (मार्च 2015 में स्थानांतरित)

हिंदी अधिकारी

श्री वीरपाल सिंह

निजी सचिव

श्रीमती नीटा साहनी (दिनांक 31.10.2014 को सेवानिवृत्त)

सहायक (सा.), ग्रेड-I

सुश्री राजिन्दर कौर
श्री अनिल कुमार (भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण में अनुभाग अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति अवधि पूरी हो जाने के पश्चात अक्टूबर 2014 में कार्यग्रहण किया)
श्री मनीष मैहता (भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण में अनुभाग अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति अवधि पूरी हो जाने के पश्चात जून 2014 में कार्यग्रहण किया)

श्री एन. ए. खान
श्री प्रीतेश कुमार
श्री मोह. इदरीस
श्री सुरेन्द्र पाल

सहायक (वित्त एवं लेखा), ग्रेड-I

श्री अनीस रहमान

सहायक (भंडार एवं क्रय), ग्रेड-I

श्रीमती इन्द्रा जैन
श्री राकेश कुमार मागो

सहायक (वित्त एवं लेखा), ग्रेड-II

श्री एम. एस. रावत
श्री नरेन्द्र सिंह

सहायक (भंडार एवं क्रय), ग्रेड-II

श्री कंचन सिंह नेगी

वरिष्ठ आशुलिपिक

सुश्री कृष्णा वर्मा (मार्च 2015 में स्थानांतरित)
श्री योगेन्द्र कुमार (हिंदी)
श्री मोहन लाल
श्री वेद प्रकाश (हिंदी)
श्री पुखराज (हिंदी)

श्री अशोक कुमार
श्रीमती सुनीता अरोड़ा

कनिष्ठ आशुलिपिक

सुश्री इन्द्रजीत कौर
सुश्री डौली चौधरी

वाहन चालक

श्री सुरेन्द्र प्रसाद (अक्टूबर 2013 में कार्यग्रहण किया)

रेकॉर्ड कीपर

श्री हरबंस सिंह

दफ्तरी

श्री राजनाथ

चपरासी

श्री मोह. कमरुल
एमटीएस स्टॉफ
श्री मोहित (जुलाई 2014 में कार्यग्रहण किया)



सीएसआईआर-निस्टैड्स द्विवाषिक प्रतिवेदन 2013-15



Biennial Report

2013-2015



CSIR-National Institute of Science, Technology and Development Studies

Pusa Gate, Dr. K. S. Krishnan Marg, New Delhi



© CSIR-NISTADS: CSIR-National Institute of Science, Technology and Development Studies

Pusa Gate, K.S. Krishnan Marg, New Delhi 110012

Website: <http://nistads.res.in>

Email: director@nistads.res.in

Phone: +91 11 25846064, 25843227 Fax: +91 11 25846640

Editorial Team: Vipin Kumar, Madhulika Bhati
Anil Kumar Sharma, Tara Verma and J.S. Narula



CSIR-NISTADS STAFF



AcSIR





Administration



Library



P M E



INSPIRE

Contents

From Director's Desk	7
1. Research Projects	9
• Indian S&T and Innovation Policy (ISTIP)	11
• Sponsored Projects	13
• In-House Projects	19
• CSIR Network Projects	23
2. Academy of Scientific and Innovative Research (AcSIR)	24
3. Faculty	
• Academic Background and Research Interests	27
• Publications	36
• Lectures/Conference Presentations	54
• Foreign Visits	62
4. Seminars/Conferences/Workshops	65
5. Tuesday Seminars/Other Lectures	71
6. Library	77
7. IT Infrastructure	78
8. Research Council	79
9. Management Committee	81
10. Right to Information Act (RTI) Cell	83
11. Budget	84
12. Staff List	85



From Director's Desk



The current Biennial Report of CSIR-National Institute of Science, Technology and Development Studies (CSIR-NISTADS) highlights some of its activities and achievements during 2013-15. CSIR-NISTADS has been a unique and important research institution of the country as it was created for undertaking research related to science, technology and innovation (STI) policies towards and fostering development. It is also the only CSIR laboratory undertaking interdisciplinary research and is the only bridge between social, natural and engineering sciences both within the CSIR and also within the broad R&D system of the country.

During the period of 2013-15; the Institute continues with S&T policy research and 'India S&T' biennial-report series under plan project (ISTIP). It also keeps renewing its research focus in tune to the changing Indian as well as global S&T issues and systems. The Institute remained committed to generate and disseminate knowledge related to scientific and technological innovation, creativity and their applications along with the policy implications. During the period it brought out under "ISTIP" project, India S&T Report Vol 3, published by Cambridge University Press, 6 research reports and 8 research bulletins. Apart from that Institute also did several sponsored research projects such as prestigious INSPIRE Programme (Sponsored by Department of Science and Technology, Government of India) which completed its 7th year on 31 March 2015. NISTADS is also a partner right from the inception of National Innovation System, designing key research questions and partnering various projects.

The Institute is grateful to Prof. Ashok Chandra, Chairman, Research Council and the distinguished members of the Council for guiding the academic affairs of the Institute. We look forward for their continued support to enable CSIR-NISTADS to move forward to meet its mission and vision.

Dr. S. Gangopadhyay

Research Projects

- INDIAN S&T AND INNOVATION POLICY (ISTIP)
- SPONSORED PROJECTS
- IN-HOUSE PROJECTS
- CSIR NETWORK PROJECT

PLAN PROJECTS

INDIAN S&T AND INNOVATION POLICY (ISTIP)

Coordinators: S. Bhattacharya; Tabassum Jamal;
S. Pohit and Yogesh Suman

Duration: 2012-2017 (ongoing)

The project intends to address the critical knowledge gaps in India. To be specific, the project focuses on mapping capability, capacity and the outcomes of multiple forms of knowledge in India and in other relevant countries. The knowledge status of India in comparison to other competing countries is critical for initiating corrective actions to face the competitive pressure of the globalised world. With the declaration of 2010-20 as innovation decade by the Hon'ble Prime Minister of India, there has been a strong shift in last few years on governments approach to S&T towards stimulating innovation activity in the country. Acting as a pool of maximum employment in the economy from low end to high end industry, MSME will be the key focus of this study. Keeping this in context, the study will address the various policy issues that strengthen the innovation activity in the country.

Output during this period:-

BOOKS

- India, Science and Technology: Vol.3 published by Cambridge University

Press India: New Delhi. ISBN: 978-93-84463-04-05.

REPORTS

- Madhulika Bhati, P. Kumar, Rehan Ahmed and Konchok Eshey (2015) 'Green Technologies: Revolution in Energy Sector', A Report under ISTIP project. ISBN 81-85121-43-5
- P.K. Biswas and P. Banerjee (2014) 'Technological change, productivity growth and innovation in MSME', by CSIR-NISTADS, New Delhi, under ISTIP project.
- P.K. Biswas, and P. Banerjee (2014) 'Analysis of MSME Sector: Opportunity, Policy Gaps and Action', by CSIR-NISTADS, New Delhi, under ISTIP project. ISBN:81-85121-38-9.
- P.K. Biswas, P. Banerjee; Arundhati Choudhury and Prateek Kukreja (2014) 'Industry Structure and the Pattern of Innovation: Chemical





Industry of India', by CSIR-NISTADS, New Delhi, under ISTIP project. ISBN:81-85121-41-9

- P.K. Biswas, P. Banerjee; Rashmi Kumari; Arundhati Choudhury and Prateek Kukreja (2014) 'Industry Structure and the Pattern of Innovation: Basic Metal Industry of India', by CSIR-NISTADS, New Delhi, under ISTIP project. ISBN:81-85121-40-0.
- Vipin Kumar, Sumbul Naqvi; Sunita Kumar and P. Banerjee (2014) 'Analysis of India's Manpower Resources with respect of Migration Aspect of Resources and Comparative Capabilities', by CSIR-NISTADS, New Delhi, under ISTIP project.; ISBN: 81-85121-39-7.

RESEARCH BULLETINS

- G.D. Sandhya, N. Mrinalini and Pradosh Nath (2014) 'Dynamism in S&T and the role of S&T and Innovation Policies in China: Lessons for India', ISTIP Bulletin No.4, March 2014, CSIR-NISTADS.
- Madhulika Bhati, Saurabh Ram Kumar and Pushkar Bansal (2015),

'Nanotechnology Application in Water Sector', ISTIP Policy Bulletin No.6, CSIR-NISTADS.

- N. Mrinalini, P. Nath and G.D. Sandhya, (2013) 'Understanding Innovation', ISTIP Bulletin No. 1, CSIR-NISTADS. 2013.
- N. Mrinalini, P. Nath and G.D. Sandhya, (2013). 'FDI in R&D in India: Policy Implications', ISTIP Bulletin No. 2, CSIR-NISTADS. September 2013.
- S. Bhattacharya, Shilpa and A. Kaul, (2014), 'Scientific Research in India: Drawing Insights from Bibliometric Indicators', ISTIP Bulletin No. 3, CSIR-NISTADS, January.
- Tabassum Jamal (2014), 'Role of State S&T Councils in the India', ISTIP Policy Bulletin No. 5, CSIR-NISTADS.
- Y. Madhavi and Anubha Mahajan (2015) 'Affordable Healthcare: The Indian Perspective', ISTIP Policy Bulletin NO.8, CSIR-NISTADS.
- Yogesh Suman, Tabassum Jamal, S. Pohit, Mahesh Kr. Saini, Jyotsana Pandey and Nitesh Kr Yadav (2014) 'Promoting Innovation in Indian MSMEs : Policy Perspective', ISTIP Policy Bulletin No.7, CSIR-NISTADS.

SPONSORED PROJECTS

DATABASE MANAGEMENT AND SUPPORT FACILITY DEVELOPMENT FOR INSPIRE PROGRAMME

TEAM: VIPAN KUMAR

Sponsor: Department of Science and Technology, Govt. of India

Duration: 1 April 2012 - 31 December 2015 (ongoing)

The aim of this project is to provide the database management and support for the three main components of INSPIRE programme, i.e.

- a) Scheme for Early Attraction of Talents for Science (SEATS) providing Science innovation scholarship of Rs.5000 for a total of one million young learners of the age group 10-15 years once in their school career and mentorship through global science leaders including Nobel Laureates and Indians leaders in science at a summer camp for the top 1% performers in the Class X examination every year for period of five years.
- b) Scholarships for Higher Education (SHE) for the age group of 17-22 years @ Rs. 1 lakh per year for continuing science education at B.Sc. and M.Sc. levels for 10,000 candidates and
- c) Assured Opportunity for Research Careers (AORC) for 1000 young researchers in the age group of 22-32 years for 5 years to pursue doctoral research in science backed by an assured career opportunity scheme for another period of five years on completion of their Ph. D.



MODELLING STUDIES ON GREEN HOUSE GAS EMISSION

Jointly with University of Delhi, Institute of Economic Growth

Team: Sanjib Pohit

Sponsor: Ministry of Environment and Forest

Duration: June 2014 – (ongoing)

The overall objective of the study is to develop GHG emission scenarios for the decadal timelines: current (2010) till 2030; 2040; 2050 for providing inputs to Ministry of Environment and forests for upcoming climate negotiations. In this context, the study seeks to address the following objectives: (a) to provide scenarios for future GHG emissions from the Indian economy from a macro economic model perspective and the policy options that are available to

move to a low carbon growth path from a multi-sector approach perspective and (b) construct detailed sectoral scenarios for GHG emissions and their mitigation options for a sector that is understudied currently in India, namely the waste sector and (c) assess what a and b above imply in terms of macroeconomic welfare indicators for the economy, with supportive statistical sub-models for capturing the trade-offs and overlaps between GDP growth, urbanization and poverty alleviation.

SCIENCE & TECHNOLOGY POLICY MAKING FOR THE STATE OF UTTAR PRADESH

Team: Tabassum Jamal

Sponsor: UP Council for Science & Technology (UPCST), Lucknow

Duration: 2011-2013 (completed)

Working closely with state S&T council enriched NISTADS experience to look into policy interventions in the area of S&T development and research efforts at the state level. The policy document focuses on the framework of implementation and outlines the measures that can be taken in order to implement the policy. The policy document also suggest to establish institutional capacities and systems to monitor S&T policy targets, performance and impact, as well to improve sector coordination in the area of science and technology. It emphasizes to bridge the gaps between S&T system and socio-economic sectors by developing symbiotic relationship with economic and other policies. Leveraging traditional knowledge through modern science for finding solutions to the UP state's problems and promoting interdisciplinary research and linking contributions of science, research and innovation system with the inclusive economic growth agenda and combining priorities of excellence and relevance are

some of the major recommendations of the report.

Beside submitting the project report to UPCST (Lucknow), a copy of the report was also submitted to the Governor of UP for further policy action. The project on designing science and technology policy in context of Indian States ie, Uttar Pradesh has been an example with a significant positive potential about how S&T can contribute in the welfare of a state and society at large. This experience has led as a torch-bearing to study other states S&T plans. For example a request to undertake similar research project to design the S&T Policy for Haryana has come from Haryana Council of S&T, Panchkula. This is a positive indication of expertise developed at NISTADS in S&T policy making for state governments. (CSIR-NISTADS has provided policy inputs for state S&T Plans for a few other states also in last few years).





SCALING-UP THE RURAL ENTERPRISE

Under the Indo-UK collaborative Research Initiative on “Bridging the Urban and Rural Divide in collaboration with CTD, New Delhi & IIT Mumbai

Team: Rajeswari S. Raina

Duration: Sep. 2012-Dec. 2015 (ongoing)

Sustainable development in the 21st century will need rural enterprises and their value networks that cater to rural and urban felt needs. But for this, the rural enterprise needs scale effects, with appropriate meanings and designs of scale, enabled by material, market, and managerial innovations. The UK component in Wales (research partners- Imperial College- London, Nottingham and Swansea Universities) and the Indian component in Uttarakhand (research partners – CTD, IIT Mumbai and NISTADS) seek to evolve new models and methodologies for scaling-up need-

based user-centred and networked rural enterprises. The “communities of practice” addressed in this Project are community-level collectors and processors of Wild Apricot, involving innovative engineering solutions, and institutional and policy innovations in community mobilization, ICT-based tools for quality control, coordination of production flows and marketing. Put together, these will help achieve the project objective of scaling up and developing/demonstrating new models for next-generation rural enterprises in India.

POLICY AND INSTITUTIONAL SUPPORT FOR ORGANIC AGRICULTURE: ENABLING PATHWAYS FOR INCLUSIVE SUSTAINABLE DEVELOPMENT

Team: Rajeswari S. Raina

Sponsor: TERI for Department of Agriculture and Co-operation (DoAC)

Duration: Feb. 2012 - Sep.2014 (completed)

This study analyses the growth and evolution of organic agriculture in India. The purpose is to understand the policy and institutional support available for organic agriculture, in order to ensure sustainable and inclusive agricultural

development. Despite increasing export and domestic markets for and production systems in organic agriculture, and explicit organic agriculture policies in eleven States of the Indian Union, there is inadequate government support for

organic agriculture. Drawing upon a detailed analysis of international experience, and the specific cases of three States (Punjab, Uttarakhand and Karnataka) this study presents the changing contexts of agriculture, and the impacts of prevalent policies and programmes in organic agriculture. It recommends that the Union

Government and committed State Governments design and implement their agricultural development programmes, R&D and extension to support organic agriculture, atleast in 100 districts in the country, with appropriate and decentralised public investments and R&D support.

STUDY OF S&T AND INNOVATION OUTCOMES

Team: Sujit Bhattacharya (project leader), Praveen Sharma, Fayaz Ahmad Sheikh, Shilpa and Arshia Kaul

Sponsor: CEFIPRA/IFCPAR

Duration: 1 Jan. 2013 - 30 Sep. 2013 (completed)

India and France have a long collaborative relationship in various fields of basic and applied research. Among these the active areas of joint research are in Mathematics, Material Science, Space Science, and Infectious diseases. Major initiatives have been undertaken periodically to further strengthen the research partnership between the two countries. One important outcome of this partnership is the establishment of IFCPAR/CEFIPRA [Indo-French Centre for Promotion of Advanced Research]/[Centre Franco-Indien pour la Promotion de la Recherche Avancée] — a bilateral institution, created in 1987, to strengthen the Science, Technology, and Innovation (STI) partnership between the two countries.

The report undertakes a detailed investigation of the role this institution has played in the last 25 years of its existence and based on this assessment gives suggestions for enhancing its engagement for further strengthening

the Indo-French STI partnerships. The report draws attention to the value of the knowledge which has been created through the institutes' funding of scientific and industrial research projects, the role this institute has played in strengthening linkages among the individual scientist and institutions of the two countries, enhancing human resource competency in STI of both the countries, and how it has supported translational research that has led to some significant economic and/or social outcomes.

CEFIPRA over the years has broadened its role, keeping in view the changing dynamics of global science and technology, the research demands of both the countries, and the global challenges. How CEFIPRA activities are influencing the overall STI programmes and contemporary engagements between the two countries has also been explored in this study.





20 YEARS OF INDIA-JAPAN COOPERATIVE SCIENCE PROGRAMME

Team: Sujit Bhattacharya, Praveen Sharma, Shilpa and Preeti Garg

Sponsor: Department of Science and Technology

Duration: 15 Mar. 2015 - 31 Dec. 2015 (ongoing)

The purpose of the study is to assess the role played by Department of Science and Technology (DST), Government of India and the Japan Society for the Promotion of Science (JSPS) in enhancing the collaborative research between India and Japan. In this context, it will explore the varied ways in which the two institutions articulated and supported programs for enhancing researcher's competency through

exchange visit, seminars, and lecture series. Further, the study will also investigate through dedicated project funding how institutional capacity and new cutting edge areas were supported. Based on the analysis of the outputs from this program, the study will assess the strength of this program in enhancing Indo-Japan research collaboration and indicate gaps that can be addressed to make the program more successful.

IN-HOUSE PROJECTS

MENTAL HEALTH CARE AND AYURVEDA

Team: Anuradha Singh

Duration: Apr. 2013- Aug. 2016 (ongoing)

The project critically explores revision of the prevalent paradigm of mental health in India. Look into the preventive and curative aspects of mental health according to Ayurveda. And ascertain how the best practices can be mainstreamed in the national health programs and policy.

Best practices and their being result oriented in terms of efficacy and therapeutic success are being studied from the classical texts of Ayurveda and their resonant practices from the following three hospitals:—

- Institute of Ayurveda and Integrated Medicine I-IAM Health Care Centre,

Bangalore. This is a new 100 bed research hospital to implement Ayurveda classical treatments.

- Arya Vaidya Chikitsalayam and Research Institute, Coimbatore. This is 150 bed hospital working on the principles of Ayurveda and Siddha tradition. Along with that it has AVTAR, the Arya Vaidya Trust Institute for Advance Research.
- Advance Centre of Ayurveda (ACA) of the National Institute of Mental Health and Neurosciences (NIMHANS), Bangalore.
- The project and its findings are planned as a book to be published by August 2016,





HIMALAYAN ECOLOGY AND ECONOMIC DEVELOPMENT (HEED) -AGRO-BIODIVERSITY CONSERVATION AND ENTERPRISE PROMOTION FOR INCLUSIVE GROWTH

Team: Mohd. Rais

Duration: Apr. 2010 – Mar. 2013 (completed)

Central Himalayan region of India represents a traditional agricultural society where more than 74% of population largely depends on the cultivation subsistence cereal crops to run their livelihood. Over 40 different species of traditional crops comprising cereals, pseudo cereals, millets, pulses and oilseeds are grown in this region. With growing urbanization and migration in the region, the system is getting destroyed and land under millet is getting reduced. To propel the economy based

on traditional crops in the state, there is need for huge amount of credit. There is a need of public private partnership that can extend into storage, transportation and marketing of agricultural products. There is a need to reduce intermediaries in the value chain in finger millet, and farmers should be linked to the far away markets also. We need to have a systematic supply chain, which will ensure protection of farmers, and they will gain their rightful price for the produce.

FOOD PROCESSING INDUSTRY IN INDIA: S&T CAPABILITY AND POLICY ISSUES

Team: Mohd. Rais

Duration: Apr. 2013- (ongoing)

Indian food processing industry has seen significant growth and changes over the past few years, driven by changing trends in markets, consumer segments and regulations. These trends, such as changing demographics, growing population and rapid urbanization are expected to continue in the future and, therefore, will shape the demand for value added products and thus for food processing industry in India. The food processing sector in India is clearly an attractive sector for investment and offers significant growth potential to investors. There is a huge opportunity to develop S&T

capability and R&D in the sector. India can harness all the opportunities present in food processing sector only when its labour force is educated and skilled. The government needs to strengthen its skill development programme; new training institutes should be open up, which are in tune with market demand. The development of infrastructure facilities like cold chain, road facilities, and power will strengthen the food processing industry. It will have a very positive sign on perishable food products industry, such as fruit and vegetable, dairy industry, meat and poultry segment.





ROLE OF TECHNOLOGY LICENSING FOR BIOTECHNOLOGY INNOVATION IN INDIA

Team: Sandhya Wakdikar

Duration: Apr. 2013 (ongoing)

The objective of the study is to analyze the determinants for technology licensing activity in the context of other options such as R&D collaborations, FDI, joint ventures, and mergers and acquisitions. Apart from this the study is conducted to analyze the trends of technology licensing, R&D collaborations, FDI, joint ventures, and mergers and acquisitions, etc. It will explore the relevance of technology licensing in fast growing BT sector for making India competitive and a known face in the global BT scenario. The study will examine the nature of goods bought

by licensee such as information (technology, genomic database, etc.), goods, R&D product etc and to correlate it to firm characteristics.

Database of organisations, and industry working in biotechnology was prepared. The questionnaires were sent to technology licensors and the licensees (more than 1200 questionnaires dispatched) in the field of biotechnology. Few responses received. Data is collated and is being used to write research papers. Some interviews have also been conducted to study the problems faced in licensing technology.

CSIR NETWORK PROJECTS

CSIR KNOWLEDGE GATEWAY & OPEN SOURCE PRIVATE CLOUD INFRASTRUCTURE (KNOWGATE)

Nodal officer: Yogesh Suman
CSIR Networking project coordinated by CSIR- NISCAIR

Duration: February 2013 - (ongoing)

CSIR Knowledge Gateway & Open Source Private Cloud Infrastructure (KNOWGATE) is 12th Five Year Plan (FYP) Network Project under Information Sciences cluster. The project would be implemented in a network mode by CSIR-NISCAIR as nodal laboratory with 38 CSIR laboratories as participating laboratories including CSIR-M Complex & CSIR-HQ. The project will be implemented in phased manner by dividing 39 CSIR KRCs (Knowledge Resource Centers) in four groups.

The objective of the project is to enhance the capacity and capability of CSIR computing power through CSIR private cloud infrastructure and Open Source Software Technology Solution Cell

(OSSTSC), and to provide CSIR KRCs an Integrated Library Management Solution using open source Software besides sharing information resources among CSIR laboratories by creating CSIR Distributed Library: catalogue sharing, inter library loans, & referral service for document supply service.

Based on the speedy implementation of project activities CSIR-NISTADS has been designated as Group-I participating laboratory under this project. So far all the collection in CSIR-NISTADS library has been computerized and made searchable through internet, apart from this the book acquisition and issue in the library has also been computerized.





ACADEMY OF SCIENTIFIC AND INNOVATIVE RESEARCH (AcSIR)

Coordinator: Yogesh Suman

Faculty: Satpal Sangwan, Sanjib Pohit, Tabassum Jamal, Sujit Bhattacharya, Mohd. Rais, Y. Madhavi, Neelam Kumar, Rajeswari S. Raina, Yogesh Suman, Naresh Kumar, Vipin Kumar, Jaideep Ghosh, Kasturi Mandal

CSIR-NISTADS as a part of **Academy of Scientific and Innovative Research (AcSIR)** has introduced PhD programme on Science, Technology and Innovation Studies (STIS). The purpose of this STIS course is to create a critical mass of scholars and practitioners with analytical competencies to lead and transform India's science, technology and innovation trajectories in economically productive, socially progressive and environmentally sustainable ways. In its academic and policy endeavours, CSIR-NISTADS operates at the interface between science and society. CSIR-NISTADS Ph. D course includes as:

CORE COURSES

1. Quantitative Research Methodology
2. Introduction to Qualitative Research

3. Indian Economy and Policy
4. Innovation systems and development
5. Introduction to History of Science
6. Science & Technology Policy
7. Science and Technology Systems - India and the World

ELECTIVE COURSES (ONLY A FEW LISTED BELOW)

1. Trade and Technology
2. Enterprise Development through Value Chains Analysis
3. Intellectual Property Rights in the Context of Research, Innovation and Development
4. Environmental History
5. Resource Planning & Policy

Faculty

- ACADEMIC BACKGROUND AND RESEARCH INTERESTS
- PUBLICATIONS
- INVITED LECTURES/CONFERENCE PRESENTATIONS
- FOREIGN VISITS

ACADEMIC BACKGROUND AND RESEARCH INTERESTS

DIRECTOR

DR. S. GANGOPADHYAY

Additional-charge, Director since March 2015



Dr. Subhamay Gangopadhyay has taken over as Director of Central Road Research Institute (CRRRI), New Delhi with effect from May 29, 2009. Prior to taking over the charge as Director, Dr. S. Gangopadhyay served as Acting Director of the institute from Sep.2, 2008.

He has graduated in Civil Engineering (B.E.) from University of Calcutta and obtained post graduate degree in Transportation System Engineering (M. Tech) from IIT, Kanpur. Dr Gangopadhyay obtained M.Sc.E & Ph.D from the University of New Brunswick, Canada under Commonwealth Scholarship Plan.

Dr. S. Gangopadhyay joined as Scientist "B" at CRRRI in 1979 and became holding the position of Scientist-G in 2005. Prior to taking over as Director, he was Head of Traffic & Transportation planning Division at CRRRI. He has more than 35 years experience in area of Traffic Engineering & Transport Planning, Regional and Urban Travel Demand Modeling Traffic Flow Theory and Capacity Analysis, Road Traffic

Safety, Urban Traffic Congestion and Environmental Impact of Road Transport. He has coordinated wide range of traffic and transportation studies covering many cities in India.

He has successfully carried out a number of significant projects i.e., Comprehensive Traffic and Transportation Study for Mumbai, Surat, Nagpur, Amaravati, Nagpur & Aizwal; Urban Road Traffic and Air Pollution in Major Metropolitan Cities in India; Evaluation of Benefits after Implementation of Delhi Metro and Application of Intelligent Transport System in Delhi and many other important projects relating to Transportation Planning and Traffic Engineering.

Dr. Gangopadhyay has published more than 90 research papers and about 50 technical reports. He has also guided a number of Ph.D and M.E. students and has visited Canada, USA, Australia, Italy and Sri Lanka, Germany and South Africa. He holds the additional charge of Director, CSIR-NISTADS w.e.f. 23rd February 2015.





DR. PARTHASARATHI BANERJEE
Director till February 2015

*Research Interests: Science Technology & Society Studies;
Innovation Studies*

Email: psb_nist@yahoo.com



SCIENTISTS
PRADOSH NATH

Research Interests: Innovation; S&T Policy; R&D Management

Email: pradoshnath@yahoo.com



DINESH ABROL

*Research Interests: Science Technology & Society Studies;
Innovation Studies; and Sustainability Studies*

Email: ap1966@hotmail.com, dinesh.abrol@gmail.com



DR. SUBHAN KHAN

*Research Interests: Rural Studies, Geo-spatial Technology
Application, Resource Planning*

Email: drsubhankhan@gmail.com



DR. N. MRINALINI

Research Interests: R&D and Innovation Dynamics

Email: mnatesa@yahoo.co.uk



DR. KAVITA MEHRA

Research Interests: Innovations Studies; Technology Transfer; Commercialization of Technologies across various Sectors such as Biotechnology, Floriculture, Sericulture, and Dairy etc.

Email: kavitamehra@yahoo.com



ANURADHA SINGH

Research Interests: Crossroads of Science and Indian Medical Traditions; Philosophical Foundations of Classical Medical Theories; Mental health & Maternal Health with special reference to Ayurveda; Revitalisation of Local Health Traditions; Mainstreaming of Ayurveda

Email: anuradha.singh.mail@gmail.com



DR. G.D. SANDHYA

Research Interest: R&D and Innovation Dynamics

Email: leelagi@yahoo.co.uk



DR. TABASSUM JAMAL

She has been working as Chief Scientist. Dr. Jamal has contributed significantly in the area of Technology and Social Change. She has worked in the areas of National Innovation System, State Science & Technology Councils and Human Resource Development, particularly Technical and Vocational Education and training to promote employable skills. She has also completed several projects on evaluation and impact assessment of governmental promotional schemes in organized and unorganized sector. Holding a PhD in Economics: Trade in Technology, she has two books in her credit focusing on Economic and Technical Co-operation in developing Countries. She has several research papers in her credit published in reputed journals and conference proceeding. As a faculty of AcSIR, Dr. Jamal is currently teaching a course on Science and Technology Systems: India and the World at CSIR-NISTADS.

Email: tabassumjamal59@gmail.com





S.K. DHAWAN

Research Interests: Organisations and Science, R&D Management; and Science Education

Email: sunilkdhawan@yahoo.com



DR. SATPAL SANGWAN

Research Interests: History of Science; Climate Change; Energy Innovation

Email: sangwan1003@gmail.com



DR. S. POHIT

He is presently working as a Professor, AcSIR and Senior Principal Scientist at CSIR-NISTADS, Delhi, India. Previously, he held research position at National Council of Applied Economic Research (Senior Fellow), Indian Council for Research on International Economic Relations (Senior Fellow), Indian Statistical Institute (Senior Research Fellow) and was also a visiting scholar to University of Michigan (Ann Arbor, USA).

Professor Pohit is an experienced modeler in the area of trade and environment with 20 years of modeling experience. He has worked in the area of institutional economics, FDI and R&D, innovation system and green growth. He has co-authored 8 books, and has published about 80 articles in journals/books. He has presented his research at seminars and conferences in different parts of the world – Japan, Canada, USA, India, Bangladesh, Switzerland, the Netherlands, Singapore and Finland.

Email: spohit@gmail.com



Prof. PRADIP KUMAR BISWAS

Research interests: MSME; Rural Industry Skills; R&D and Innovations.

Email: pkbiswas1963@gmail.com



DR. SUJIT BHATTACHARYA

Prof. Sujit Bhattacharya is a PhD from Indian Institute of Technology-Delhi, MSc (Physics) from Delhi University. He is presently Professor in AcSIR/Academy of Scientific & Innovation Research, Senior Principal Scientist in CSIR-NISTADS and Editor-in-Chief of the Journal of Scientometric Research (published by Wolters| Kluvers Health). His main area of work is in Science and Technology Policy Studies, Scientometrics, and studying IPR in the context of Research, Innovation and Development. He has more than twenty years of research experience and was Professor (on deputation from NISTADS) in the Centre for Studies in Science Policy-JNU during 2007-2009. Among his other academic assignments include Governing Body Member of the Deen Dayal Upadhyay College-University for Delhi during the period 2009-10. He has published over fifty research papers in peer reviewed journals and conference proceeding and presented papers at various national and international conferences. Among his academic assignment include developing a course in Intellectual Property Rights in CSSP-JNU, Science, Technology and Innovation policy course in AcSIR. He is principal investigator of the international collaborative network 'COLLNET', Asia editor of the International Society of Scientometrics and Information Management (ISSI) newsletter, members of various program committees of international/national conferences in various capacities, and thesis supervisor of international/national universities. He is actively engaged in various programmes of universities as guest faulty. Among his recent works are 'Knowledge creation and Innovation in Nanotechnology in India' (project sponsored by the Ministry of Science and Technology, Government of India), and 'Assessing the Impact of CEFIPRA- a bilateral institution of India-France', project funded by CEFIPRA. Email: sujit_academic@yahoo.com, sujit.personal@gmail.com for journal: editor@jscires.org; website: <http://jscires.org/journal-scientometric-research>



DR. MOHD. RAIS

*Research interests: Interdisciplinary research on science, technology and society, focussing on ecologically sustainable research & development.
Email: mohammad_rais@hotmail.com*





DR. Y. MADHAVI

Dr. Y. Madhavi is a Sr. Principal Scientist in NISTADS with Ph. D. in life sciences from the Jawaharlal Nehru University, New Delhi. Her research interests include the sociological and technological aspects of biomedical sciences in general, and health related issues in particular, as well as their implications for public policy in the Indian context.

She has been working in NISTADS for the last 20 years on the vaccine S&T developments in India and its impact on society and implications for policy from public health perspective. She has explored areas such as drug policy, drug price control, industry-institute interactions in Vaccine R&D and production, before identifying and developing "Vaccine STS and Policy" as a niche area of research for the first time in NISTADS and in the country. Published 28 research papers in peer reviewed journals, 5 book chapters, and 7 seven technical reports so far.

Email: y_madhavi@yahoo.com



DR. NARESH KUMAR

Research Area:

(A) Technology & New Product Diffusion and Technology Forecasting

(B) S&T Human Resource/Manpower studies

Email: nareshqumar@yahoo.com



DR. L. PULAMTE

Research interest: Science & Rural India

Email: lpulamte@yahoo.com



DR. NEELAM KUMAR

Research interest: Psychology of Science

Email: kumarneelam28@gmail.com



DR. RAJESWARI S. RAINA

Dr. Raina (Ph.D. Economics – Centre for Development Studies, Kerala University) is Principal Scientist with CSIR-NISTADS. She has a background in the sciences and economics, and is a keen student of the interface between development policy and scientific knowledge. Current research focuses on policy and institutional reform, as well as capacities for (a) innovation for inclusive development in India and China, (b) bio-innovation systems, and (c) changes in agriculture-environment policies, knowledge and practice.

Email: rajeswari_raina@yahoo.com



VIPAN KUMAR

He is a trained engineer with an MTech in engineering from Indian Institute of Technology, Bombay. Prior to joining NISTADS, he had worked in core engineering group of National Aerospace Laboratories, Bangalore. Since 2002 he is working in the area of technology management and policy at CSIR-NISTADS. He has significant contributions in Energy & Climate Change Policy research, S&T Human Resource Policy Research and SME Innovation areas. He has worked as Associate Editor at International Journal of Multidisciplinary Research. He received Volkswagen Fellowship as Global Young Faculty 2010-11, Germany and MGG5 Fellowship 2009 at Bonn Germany. He has authored three books, 16 book chapters, 23 International Journal papers/Conference proceeding papers and 14 technical reports. He was team leader for Energy Policy for CSIR and AMPRI Research Roadmap: The CSIR research roadmap initiatives. He has active collaborations with ILO-Geneva, GIZ Germany, South Centre Geneva, University of Essen, Germany and Foreign Federal Ofce - Germany. He is undertaken several sponsored research in the area of green skill development, S&T Human resources and Renewable Energy research.

Presently he is also heading the Project monitoring and Evaluation (PME) Division at CSIR-NISTADS.

Email: vipin.nistad@gmail.com



**DR. YOGESH SUMAN**

Around 18 years of experience in carrying out research studies on policy issues related to growth of science, technology and industry in the country. These research studies resulting research reports, books chapters and research publications are aimed at exploring various aspects of interaction among science & technology on one hand and society & state at the other. The methodology involves collecting and analyzing primary data through questionnaires and case studies; and secondary data through industrial, patents and publications databases. Currently involved in study on innovation challenges in Micro Small & Medium Enterprises(MSMEs)

Email: geetyogesh@yahoo.com, yogesh.nistads@gmail.com

**SANDHYA WAKDIKAR**

Research interests: Technology Transfer; Innovation.

Email: sandhyawakdikar@yahoo.com

**DR. MADHULIKA BHATI**

She has been working as a scientist in CSIR-National Institute of Science, Technology and development Studies since 2010. Core interest in Policy analysis of developing and developed countries in the area of Green Technologies specific in Energy Sector, Emerging Technologies like nanotechnology, biotechnology. Other interests are Green Chemistry, etc.

Email: madhupratya@gmail.com

**AVINASH PRASAD KSHITIJ**

He is currently involved in research policy on R&D analysis and growth. I am also associated with the Centre for Studies in Science Policy, Jawaharlal Nehru University to pursue PhD in the area of science policy. My research interests include innovation capability studies and social network analysis.

Email: avinash.kshitij@yahoo.com



DR. KASTURI MANDAL

Dr. Mandal is working as Scientist and Assistant Professor in CSIR-NISTADS. She primarily works in the area of Comparative STI policy studies, cross country analyses. Holding a PhD in environmental chemistry, she also works on issues encompassing the water sector. She has successfully completed several European Union and World Bank projects in the water sector.

Email: kasturimon@yahoo.com, kstr.mndl@gmail.com



DR. SUMAN RAY

Dr. Suman Ray (Ph.D. Biochemistry'-CSIR-Indian Institute of Toxicology Research, Lucknow) has a background in neurosciences-neurological and psychiatric disorders. Current research focuses on (1) technologies and innovations for assessments and treatment strategies for brain disorders (2) health management.

Email:sumanitrc@gmail.com

RAMANUJAN FELLOW SCIENTIST

PROF. JAIDEEP GHOSH

Research interests: Social network analysis; dynamic systems; agent programming; small world





PUBLICATIONS

BOOKS

1. S. Bhattacharya, Praveen Sharma, Shilpa, Arshia Kaul, Noklenyangla and F.Z. Sheikh (2014), '*CEFIPRA-25: Strengthening Bilateral Collaboration and Cooperation in Science, Technology and Innovation between India and France*', CEFIPRA: New Delhi.
2. P. Banerjee, Sujit Bhattacharya, P.K. Biswas, Naresh Kumar, Vipin Kumar, Kasturi Mandal, Kavita Mehra, Sanjib Pohit, Rajeswari S. Raina and Yogesh Suman (eds.) (2014) '*India, Science and Technology: Vol.3*', Cambridge University Press India: New Delhi. ISBN: 978-93-84463-04-05.
3. Kasturi Mandal, Nadia Asheulova and Sevtlana G. Kirdina (eds.) (2014) '*Socio Economic and Technological Innovations: Mechanism and Institutions*', Narosa Publishing House: New Delhi, ISBN 978-81-8487-339-9.
4. N. Taneja, Sanjib Pohit, Mishita Mehra, Prithvijit Mukherjee, Isha Daya and Samridhi Bimal (2014) '*India Pakistan: Trade Perception Survey*', Academic Foundation: Delhi, ISBN no. 9789332701267.
5. Nisha Taneja and Sanjib Pohit (ed.) (2014) '*India-Pakistan Trade: Strengthening Economic Relations*', Springer: Germany, ISBN No. 978-8132219484.
6. B. Pal, V. Ojha, Sanjib Pohit, and J. Roy (2014) '*GHG Emissions and Economic Growth: a computable General*

Equilibrium Model based analysis for India', published by Springer, ISBN No. 978-81-322-1942-2

7. Biswatosh Saha, Hardip Grewal, B. Chakrabarti, P. Biswas, P. Banerjee & Sanjib Pohit (2013) '*Impacts of Potato & Mentha Oil Futures on the commodity Ecosystem*', MCX: Mumbai. April.
8. R.S. Raina (ed.) (2015) '*Science, Technology and Development in India: Encountering Values*', Orient Blackswan: New Delhi.

RESEARCH REPORTS

1. Biswatosh Saha, Hardip Grewal and Bhaskar Chakrabarti (from IIM Calcutta) & Pradip Biswas, P. Banerjee and Sanjib Pohit (from CSIR-NISTADS) (2013) '*Impact of Potato & Menta Oil Futures on the Commodity Ecosystem*', A study by IIM Calcutta and CSIR-NISTADS, New Delhi.
2. G.D. Sandhya, N. Mrinalini and Pradosh Nath (2014) '*Dynamism in S&T and the role of S&T and Innovation Policies in China: Lessons for India*', ISTIP Bulletin No.4, March 2014, CSIR-NISTADS.
3. Koen Beumer and Sujit Bhattacharya (2014) '*Nanotechnologies in India. Policy*', Brief Number 3, June 2014, Published under Nano-Dev project (www.Nano-Dev.org).
4. Madhulika Bhati, Saurabh Ram Kumar and Pushkar Bansal (2015), '*Nanotechnology Application in*

- Water Sector', ISTIP Policy Bulletin No.6, CSIR-NISTADS.
5. Madhulika Bhati, P. Kumar, Rehan Ahmed and Konchok Eshey (2015) 'Green Technologies: Revolution in Energy Sector', A Report under ISTIP project (In Press).81-85121-43-5
 6. N. Mrinalini, P. Nath and G.D. Sandhya, (2013) 'Understanding Innovation', ISTIP Bulletin No. 1, CSIR-NISTADS. 2013.
 7. N. Mrinalini, P. Nath and G.D. Sandhya,(2013). 'FDI in R&D in India: Policy Implications', ISTIP Bulletin No. 2, CSIR-NISTADS. September 2013.
 8. P.K. Biswas and P. Banerjee (2014) 'Technological change, productivity growth and innovation in MSME', by CSIR-NISTADS, New Delhi, under ISTIP project.
 9. P.K. Biswas, and P. Banerjee (2014) 'Analysis of MSME Sector: Opportunity, Policy Gaps and Action', by CSIR-NISTADS, New Delhi, under ISTIP project. ISBN:81-85121-38-9.
 10. P.K. Biswas, P. Banerjee; Arundhati Choudhury and Prateek Kukreja (2014) 'Industry Structure and the Pattern of Innovation: Chemical Industry of India', by CSIR-NISTADS, New Delhi, under ISTIP project. ISBN:81-85121-41-9
 11. P.K. Biswas, P. Banerjee; Rashmi Kumari; Arundhati Choudhury and Prateek Kukreja (2014) 'Industry Structure and the Pattern of Innovation: Basic Metal Industry of India', by CSIR-NISTADS, New Delhi, under ISTIP project. ISBN:81-85121-40-0.
 12. Rajeswari Raina and Julien Francois Gerber (2014), Report on the 'Symposium on Growth, Green Growth or Degrowth? New Critical Directions for India's Sustainability', submitted to TERI University and NISTADS, as organizers, and Ford Foundation, ICSSR-NRC, and INSEE as sponsors, Dec. 2014. (www.ecoinsee.org)
 13. S. Bhattacharya, Shilpa and A. Kaul, (2014), 'Scientific Research in India: Drawing Insights from Bibliometric Indicators', ISTIP Bulletin No. 3, CSIR-NISTADS, January.
 14. Sujit Bhattacharya, Praveen Sharma, Shilpa, Arshia Kaul, Noklenyangla and Fayaz Ahmad Sheikh (2014) 'CEFIPRA-25 Years: Strengthening Bilateral Collaboration and Cooperation in Science, Technology and Innovation between India and France', Submitted to CEFIPRA, New Delhi 2014.
 15. Tabassum Jamal (2014), 'Role of State S&T Councils in the India', ISTIP Policy Bulletin No. 5, CSIR-NISTADS.
 16. Vipan Kumar, Sumbul Naqvi; Sunita Kumar and P. Banerjee (2014) 'Analysis of India's Manpower Resources with respect of Migration Aspect of Resources and Comparative Capabilities', by CSIR-NISTADS, New Delhi, under ISTIP project.; ISBN: 81-85121-39-7.
 17. Y. Madhavi and Anubha Mahajan (2015) 'Affordable Healthcare: The Indian Perspective', ISTIP Policy Bulletin NO.8, CSIR-NISTADS.
 18. Yogesh Suman, Tabassum Jamal, S. Pohit, Mahesh Kr. Saini, Jyotsana Pandey and Nitesh Kr Yadav (2014) 'Promoting Innovation in Indian MSMEs : Poloicy Perspective', ISTIP Policy Bulletin No.7, CSIR-NISTADS.





JOURNAL PAPERS

1. A.M. Ayanshola, K. Mandal, S.O. Bilewu and A.W. Sambil, A.W. (2015) 'Pragmatic approach to the combination and selection of tanks for water distribution pipe network based on pressure simulation', *Ethiopian Journal of Environmental Studies and Management*, 8(2):130-140.
2. Aditi Jamalpuria, (2013) 'On information dissemination as an informal environmental regulation', *Environment and Development Economics*, 18(06):749 -772.
3. Alhaider Ibrahim, K.K. Mueen Ahmed and B.M. Gupta, (2013) 'Global research output on date palm (*Phoenix dactylifera*): A 12 years scientometrics perspective', *Scientometrics*, DOI:10.1007/s111920013-0991-y.
4. Aparna Basu, (2013) 'Some differences in research publications of Indian scientists in India and the diaspora, 1986-2010', *Scientometrics*, 94(3): 1007-1019.
5. Aparna Basu, (2013) 'World university ranking', *SRELS Journal of Information Management*, 50(5): 679-690.
6. Aparna Basu, (2014) 'The Albuquerque model and efficiency indicators in national scientific productivity with respect to anpower and funding in science', *Scientometrics*, DOI 10.1007/s11192-014-1254-2,
7. B. Pal and Sanjib Pohit, (2014) 'Environmentally extended social accounting matrix for climate change policy analysis for India', *Journal of Regional Development and Planning*, 3(1):61-76.1.
8. B.D. Kumbar and B.M. Gupta, (2013) 'Contribution of Karnataka University in Science and Technology: Research output and citation impact during 2001-10', *DESIDOC Journal of Library and Information Technology*, 33(2): 114-124.
9. B.M. Gupta and Adarsh Bala, (2013) 'Epilepsy research in India: A scientometric analysis of publications output during, 2002-11', *Annals of Neurosciences* 2013, 20(2), Doi:10.5214/ans.0972.7531.200209.
10. B.M. Gupta and Adarsh Bala, (2013) 'Alzheimer's disease research in India: A scientometric analysis of publications output during 2002-11', *Research in Neurology: An International Journal*, Article ID 24542, DOI: 10.5171/203.204542.
11. B.M. Gupta and Adarsh Bala, (2013) 'Parkinson's disease in India: An analysis of publications output during 2002-11', *International Journal of Nutrition, Pharmacology, Neurological Diseases*, 3(3): 254-62.
12. B.M. Gupta and Adarsh Bala, (2013) 'A scientometric approach to schizophrenia research in India: An analysis of publications output during 2002-11', *Asian Journal of Psychiatry*, August, 6(4): 292-98, (link: <http://dx.doi.org/10.1016/j.ajp.2013.01.007>).
13. B.M. Gupta, Adarsh Bala, and Avinash Kshitij, (2013) 'S&T publications output of India: A scientometric analysis of publications output, 1996-2011', *Library Philosophy and Practice (e-journal)* Paper 921, (link: <http://digitalcommons.unl.edu/libphilprac/921>).

14. B.M. Gupta, Adarsh Bala, and Avinash Kshitij, (2013) 'World cataract research: A scientometric analysis of publications output during 2002-11', *Library Philosophy and Practice* (e-journal) Paper 895, (link: <http://digitalcommons.unl.edu/libphilprac/895>).
15. B.M. Gupta, Avinash Kshitij and Ritu Gupta (2015) 'Contribution and citation impact of CSIR, India publications during 2007-11', *Journal of Natural Science, Biology and Medicine*, 6(1):169-182.
16. Bharvi Dutt and Khaizer Nikam, (2013) 'Solar cell research in India: A scientometric profile', *Annals of Library and Information Studies*, 60(June):115-127.
17. Bharvi Dutt, K.C. Garg and Archita Bhatta, (2013) 'A quantitative assessment of the articles on environmental issues published in English-language Indian dailies', *Annals of Library and Information Studies*, 60(3):219-226.
18. Bharvi Dutt, Khaizer Nikam, (2014) 'Scientometrics of collaboration pattern in solar cell research in India', *Annals of Library and Information Studies*, March, 61(1):65-73.
19. D.S. Kumar and S. Ray, (2014) 'Fungal Lipase production by solid state fermentation-An overview', *J Anal Bioanal Tech*, 5: 230 doi:10.4172/2155-9872.1000230
20. G. D. Sandhya and Pradosh Nath (2013), 'China's roadmap for fostering S&T and catalyzing innovation: Lessons for India', *Asian Journal of Innovation and Policy*, 2(2): Nov.
21. G. Singh, Madhulika Bhati, T. R. Rathod and U. K. Tomar (2014) 'Physiological responses to nutrient accumulation in trees seedlings irrigated with municipal effluent in Indian desert', *Article ID 545967*, 15 pages, <http://dx.doi.org/10.1155/2014/545967>, (link: <http://www.hindawi.com/journals/physiology/2014/545967/>)
22. G.D. Sandhya, N. Mrinalini and Pradosh Nath (2014) 'Sector and cluster effects of FDI in R&D in India: Emerging trends', *Economic and Political Weekly*, XLIX(30):182-190.
23. J. Ghosh, A. Kshitij and B.M. Gupta, (2015), 'Embedded information structures and functions of co-authorship networks: evidence from cancer research collaboration in India', *Scientometrics*, 102(1): 285-306.
24. Jaideep Ghosh (2014) 'IT in India and the Indian Region', *Journal of Global Information Technology Management*, 17:3, 147-149.
25. Jaideep Ghosh and A. Kshitij, (2014) 'An integrated examination of collaboration coauthorship networks through structural cohesion, holes, hierarchy, and percolating clusters', *Journal of the American Society for Information Science and Technology*, 65(8):1639-1661.
26. Jaideep Ghosh and Avinash Kshitij (2014) 'Higher education in Basic Science and Socioeconomic Characteristics of Students' Life in India: An Exploratory Study', *online published in the journal Social Indicators Research (Springer)*. November, (link: <file:///C:/Users/anil%20sharma/Downloads/JaideepAvinashSIRPaper.pdf>)





27. Jaideep Ghosh, Avinash Kshitij and Sandeep Kadyan (2015) 'Functional information characteristics of large-scale research collaboration: Network measures and implications', *Scientometrics*, 102(2): 1207-1239.
28. K.C. Garg and S. Kumar, (2013) 'Scientometric profile of Indian science as seen through Science Citation Index – Expanded 2010–2011', *SRELS Journal of Information Management*, 50(5):529-542.
29. K.C. Garg and Suresh Kumar, (2014) 'Scientometric profile of Indian scientific output in life sciences with a focus on the contributions of women scientists', *Scientometrics*, 98(3):1771-1783.
30. K.C. Garg and Suresh Kumar, (2014) 'Uncitedness of Indian scientific output', *Current Science*, 107(6): 965-970.
31. K.C. Garg, Dwivedi Sandhya and Kumar Suresh(2013) 'Scientometric profile of vector borne diseases: A case study of global Japanese Encephalitis Research', *SRELS Journal of Information Management*, 50(5):543-554.
32. Koen Beumer and Sujit Bhattacharya, (2013) 'Emerging technologies in India: developments, debates and silences about nanotechnology', *Science and Public Policy*, 40, 2013, 628-643. DOI:10.1093/scipol/sct016
33. Konchok Ishey, Madhulika Bhati and Rehan Ahmed (2015) 'Small hydro power plant: A promising renewable energy technology to arrest energy scarcity in India and emerging technologies', *Journal of Energy Research and Environmental Technology*, 2(1):64-70.
34. Kshitij, (2014), 'The expert opinion: An interview with Mr. Sachin Bhatia', *Journal of Global Information Technology Management*, 17(3):213-216.
35. Madhulika Bhati, Saurabh Ram Kumar and Pushkar Bansal (2015) 'Thematic intervention of nanotechnology in water sector opportunities and risks', *Journal of Basic and Applied Engineering Research*, 2(1):73-78.
36. Madhulika Bhati, Rehan Ahmed and Konchok Ishey (2015) 'Solar technology: A comprehensive state of art of technology, achievements, challenges and suggestions: An Indian perspective', *Journal of Energy Research and Environmental Technology*, 2(1):87-94.
37. Mohd. Rais and A. Sheoran, (2015) 'Scope of supply chain management in fruits and vegetables in India', *Journal of Food Processing Technology*, 6(3): 427-434.
38. Mohd. Rais and S. Acharya, (2014), 'Food processing in North-East India: Skills and employment', *North-Eastern Hill University Journal*, 11(1):37-52.
39. Mohd. Rais, and A. Sheoran, (2015) 'Treatment of sugarcane industry effluents: Science & technology issues', *Indian Sugar*, LXIV(9):47-58.
40. Mohd. Rais, S. Acharya and N. Sharma (2013) 'Food processing industry in India: S&T capability, skill, and employment opportunities', *Journal of Rural Development*, 32(4):451-480.
41. N. Mrinalini, Pradosh Nath and G D Sandhya (2013) 'Foreign direct

- investment in R&D in India', *Current Science*, 105(6):767-773.
42. N. Mrinalini, Pradosh Nath and G D Sandhya (2014), 'MNCs R&D interest in India: An overview of their R&D centre linkages with Indian institutions', *Int. J. Technology and Globalisation*, 7(3): 217-231.
43. Neelam Kumar, (2013) 'Women in science positions: The continuing lack', *Ingenere*, published on 08/10/2013, (link: <http://www.ingenere.it/en/articles/women-science-positions-continuing-lack>)
44. P. Banerjee (2013) 'Ethical issues in our times of technology: Select exploration', *AI & Society*, October:
45. Rajeswari S. Raina (2014) 'Beyond supply driven science', *Seminar*, No. 654, Feb.:69-74.
46. Rajeswari S. Raina, Vishwanath Reddy, Kingsley Immanuel and Ramesh Kumar (2014), 'Funding decentralized agricultural research in India', *Yojana*, Dec.:
47. Ritu Gupta, B.M. Gupta, Avinash Kshitij and Adarsh Bala, (2014), 'Glaucoma research: A scientometric study of Indian publications output, 2002-11', *DESIDOC Journal of Library & Information Technology*, 34(1): 35-45.
48. S. Bhattacharya, A. Kaul, Shilpa and P. Sharma, (2014) 'Role of bilateral institution in influencing collaboration: Case study of CEFIPRA-A bilateral S&T institution established by India and France', *Scientometrics*, 102 (1):169-194.
49. S. Bhattacharya, Shilpa, A. Kaul, (2015). 'Emerging countries ssersion in the global publication landscape of science: A case study of India', *Scientometrics*, DOI 10.1007/s11192-015-1551-4.
50. S. Rego and Naresh Kumar, (2014) 'A case study of factors influencing diffusion of mobile telephony in rural India', *Sociology of Science and Technology*, 5(3):134-145.
51. S.V. Shrivats and S. Bhattacharya, (2014) 'Forecasting the trend of international scientific collaboration', *Scientometrics*, 101(3):1941-1954.
52. Suman Patel (2014) 'Role of proteomics in biomarker discovery: prognosis and diagnosis of neuropsychiatric disorders', *Advances in Protein Chemistry and Structural Biology, Chapter 3*, Vol.94: 39-75, (Elsevier Inc., Edited by Rossen Donev).
53. Suman Patel and Asim Ray. (2014) 'Patent on biomarkers in medical research: A focus on neuropsychiatric disorders', *Recent Patents on Biomarkers*, 4(1):21-34.
54. Suresh Kumar, (2014) 'Application of Bradford's law to human-computer interaction research literature', *DESIDOC Journal of Library & Information Technology*, 34(3): 223-231.
55. Suresh Kumar, (2014) 'Application of growth models to human computer interaction (HCI) research literature', *SRELS Journal of Information Management*, 51(5): 287-298.
56. Suresh Kumar, (2013) 'A scientometric study of human computer interaction research in India', *Journal of Scientometric Research*, 2(2):116-125.
57. Suresh Kumar, (2014) 'Author productivity in the field of Human-





Computer Interaction Research', *Annals of Library and Information studies*, 61(4):273-285.

58. Tabassum Jamal and Kasturi Mandal, (2013) 'Skill development in vocational areas-mapping government initiatives', *Current Science*, 104(5):590-595.
59. Vipin Kumar and Rashmi Srivastava (2013) 'Indian gatekeepers of foreign journals: A preliminary analysis', *J Scientometric Res.*, 2(2):110-115.
60. Y. Madhavi, (2013) 'Vaccines and vaccine policy for universal healthcare', *Social Change*, 43(2):263-291.

EDITOR OF JOURNAL

1. Neelam Kumar, Editorial Board Member, *International Journal of Gender, Science and Technology*
2. S. Bhattacharya, Editor-in-Chief of Journal of Scientometric Research. He has the responsibility of overall coordination and editing individual issues. Three issues have come out during this period May-August (2014), September-December (2014), January-April (2015)

RESEARCH PAPERS IN EDITED BOOKS

1. A.P. Jayanthi and Sujit Bhattacharya (2014) 'Technology Development through Selection and Concentration: Case Study of Korean Nano technology Initiative', in Kasturi; Mandal, Nadia Asheulova and Sevtlana G. Kirdina (eds.) 'Socio Economic and Technological Innovations: Mechanism and Institutions', Narosa Publishing House: New Delhi, pp.498-513.

2. Aditi Jamalpuria, (2014) 'Green Product Development with Heterogeneous Consumer Preferences', in Mandal, Kasturi; Nadia Asheulova and Sevtlana G. Kirdina (eds.) 'Socio Economic and Technological Innovations: Mechanism and Institutions', Narosa Publishing House: New Delhi, pp.448-466.
3. Aparna Basu, (2014) 'Social Network Analysis: A Methodology for Studying Terrorism', in M. Panda, S. Dehuri, and G.-N. Wang (eds.), *Social Networking*; published by Springer, pp.215-242.
4. Asim Ray and Suman Patel (2015) 'Importance of Intellectual Property Right and Knowledge, Patenting, Indigenous, Traditional Knowledge and Knowledge Management challenges', in Ajit Kumar Roy (ed.) *Emerging technologies of the 21st century*, New India Publishing Agency: New Delhi; Chapter 41, pp.805-818.
5. D. Mukhopadhyay and Sanjib Pohit (2014) 'Constructing Trade Barrier Index for Selected Countries of South Asia', in Gouranga G. Das (ed.) *Current Issues in International Trade: Methodologies and Development-Implications for the World Economy*, chapter 9, pp. 161-180, published by Nova Publisher, New York, USA. ISBN No. 978-1-63321-409-5.
6. Jaideep Ghosh, (2014) 'Technology Acceptance and Innovation Diffusion of Software Products in Asian Consumer Markets: A System Model', in Mandal, Kasturi; Nadia Asheulova and Sevtlana G. Kirdina (eds.) 'Socio Economic and Technological Innovations: Mechanism and

- Institutions', Narosa Publishing House: New Delhi, pp.480-497.
7. Kashmiri Lal, (2013) 'ICT and Society- Questioning India's Ability to Harness ICT', in (eds.) Anu Singh Lather, Anil K. Saini and Sanjay Dhingra, 'Information and Communication Technologies for Competitive Advantage', Bloomsbury Publishing India Pvt. Ltd.: New Delhi, pp. 34-45.
8. Kasturi Mandal, V.P. Kharbanda, T. Shevchenko and P. Banerjee, (2014) 'The Impact of Globalization on the S&T Institutional Structure: A Case of CSIR, RAS and CAS', in Mandal, Kasturi; Nadia Asheulova and Sevtlana G. Kirdina (eds.) 'Socio Economic and Technological Innovations: Mechanism and Institutions', Narosa Publishing House: New Delhi, pp.215-233.
9. Madhulika Bhati, (2013) 'Risk issues and regulatory risk framework in nanotechnology: A case study of India', in (eds.) B.Y. Majlis, K.G. Kostadinov, A.S. Bhatti, 'Nanotechnology in the edge of convergence', COMSATS, Islamabad, Pakistan and NAM S&T Centre, Selangor, Malaysia, pp.55-68.
10. Madhulika Bhati, (2015) 'Knowledge of Nanowater Innovation climate in India through the Lens of Science Citation Index Database', in Sudhanshu Bhushan, A. Saravanan, Alka Bansal Anitha Saravanan and P. Kumar (eds.) 'Electronic Resources and Digital Services', Selected papers of Bilingual International Conference on Information Technology: Yesterday, Today and Tomorrow, 19-21 February 2015, DESIDOC, New Delhi, pp.233-237,
11. Naresh Kumar, (2014) 'Technical Education in India: Emerging Issues and Challenges', in Mandal, Kasturi; Nadia Asheulova and Sevtlana G. Kirdina (eds.) 'Socio Economic and Technological Innovations: Mechanism and Institutions', Narosa Publishing House: New Delhi, pp.311-322.
12. Nisha Taneja, Sanjib Pohit and Shravani Prakesh (2014) 'The Way Forward', in Nisha Taneja and Sanjib Pohit (eds.) 'India-Pakistan Trade: Strengthening Economic Relations', published by Springer, Germany, pp.337—347. ISBN No. 978-8132219484.
13. Nisha Taneja, Sanjib Pohit and Radhika Saini (2014) 'India-Pakistan Trade Relations: An Introduction', in Nisha Taneja and Sanjib Pohit (eds.) 'India-Pakistan Trade: Strengthening Economic Relations', Springer, Germany, pp. 1-13, ISBN No. 978-8132219484.
14. P. Banerjee, (2013) 'Medical consumption and clinical practice: India at the crossroads', in K. Das (ed) Globalization and standards: Issues and challenges in Indian Business. Springer. (forthcoming)
15. P. Banerjee, (2013) 'Contesting institutions and innovation: The context of biomedical knowledge', in G.Livinetseva et al (eds) book on Institution and Innovation (Russian), Novosibirsk, Russia.
16. P. Banerjee, (2014) 'Medical Consumption and Clinical Practices: India at the Crossroads', in Kesha Das (ed.) Globalization and Standrds: Issues and Challenges in Indian Business, Springer: New Delhi, pp.165-178.





17. P.K. Biswas, Binu Kumar and Kasturi Mandal (2014) 'S&T Components of FDI: A Comparison Across BRICS Countries', in Mandal, Kasturi; Nadia Asheulova and Sevtlana G. Kirdina (eds.) 'Socio Economic and Technological Innovations: Mechanism and Institutions', Narosa Publishing House: New Delhi, pp.163-177.
18. Papiya Ghosh, (2014) 'Domain Name Disputes and Internet Law: An Economic Analysis of some Court Cases in India', in Mandal, Kasturi; Nadia Asheulova and Sevtlana G. Kirdina (eds.) 'Socio Economic and Technological Innovations: Mechanism and Institutions', Narosa Publishing House: New Delhi, pp.351-360.
19. Rajeswari S. Raina (2014) 'Double or Green: Towards Green Agro-ecological Revolution', in Jean-Yves Grosclaude, Rajendra K. Pachauri and Laurence Tubiana (eds.) 'Innovation for Sustainable Development', New Delhi. pp 67-73.
20. Rajeswari S. Raina (2015), 'Cimate Science, Agriculture and the Policy Juke Box', in R.S. Raina (ed.) Science, Technology and Development in India: Encountering Values. Orient Blackswan: New Delhi pp. 242-259.
21. Rajeswari S. Raina (2015), 'Conclusion- Engaging with the Value Problem', in R.S. Raina (ed.) Science, Technology and Development in India: Encountering Values. Orient Blackswan: New Delhi pp. 260-277.
22. Rajeswari S. Raina (2015), 'Values Matter', in R.S. Raina (ed.) Science, Technology and Development in India: Encountering Values. Orient Blackswan: New Delhi, pp.1-19.
23. Rajeswari S. Raina, (2014) 'Understanding Institutions and Cumulative Causation: To Enable Rural Transformation in India', in Mandal, Kasturi; Nadia Asheulova and Sevtlana G. Kirdina (eds.) 'Socio Economic and Technological Innovations: Mechanism and Institutions', Narosa Publishing House: New Delhi, pp.25-37.
24. S. Patel, (2014) ' Role of Proteomics in Biomarker Discovery: Prognosis and Diagnosis of Neuropsychiatric Disorders', in Rossen Donev (ed.), 'Advances in Protein Chemistry and Structural Biology', Chapter 3. Volume 94. 39-75. 2014, Elsevier Inc.
25. S. Pohit, (2014) 'Complementarities of India–Russia Economic Relations: Present Status and Future Prospects', in Gouranga G. Das (ed.) Current Issues in International Trade: Methodologies and Development- Implications for the World Economy, chapter 5, pp. 87-108, published by Nova Publisher, New York, USA., ISBN No. 978-1-63321-409-5.
26. Sanjib Pohit and R. Saini (2014) 'India-Pakistan Trade Liberalization: A CGE Modelling Approach', in Nisha Taneja and Sanjib Pohit (eds.) India-Pakistan Trade: Strengthening Economic Relations, , published by Springer, Germany, pp.127-146, ISBN No. 978-8132219484.
27. Sanjib Pohit, (2014) 'Complementarities and Potentials of High Technology Trade, Technology and Skills Transfers between India-Russia', in Mandal, Kasturi; Nadia Asheulova and Sevtlana G. Kirdina (eds.) 'Socio Economic and Technological Innovations: Mechanism and Institutions', Narosa Publishing

- House: New Delhi, pp.412-425. ISBN No. 978-81-8487-339-9.
28. Sanjib Pohit, Nisha Taneja and et.al. (2014) 'India-Pakistan Trade Perception Survey', in Nisha Taneja and Sanjib Pohit (eds.) 'India-Pakistan Trade: Strengthening Economic Relations', published by Springer, Germany, pp.71-126, ISBN No. 978-8132219484.
 29. Satpal Sangwan, (2014) 'Steel frame of the Raj and Indian Forest Service (1875-1947)', in Mandal, Kasturi; Nadia Asheulova and Sevtlana G. Kirdina (eds.) 'Socio Economic and Technological Innovations: Mechanism and Institutions', Narosa Publishing House: New Delhi, pp.429-447.
 30. Suman Patel, (2014) 'Role of Proteomics in Biomarker Discovery: Prognosis and Diagnosis of Neuropsychiatric Disorders', in Rossen Donev (ed.) Advances in Protein Chemistry and Structural Biology, Chapter 3, Volume 94, pp.39-75. (Elsevier Inc.).
 31. Tabassum Jamal and Kasturi Mandal (2014) 'Institutional Arrangements for Skill Development: Reflections on Vocational Education and Training in India', in Mandal, Kasturi; Nadia Asheulova and Sevtlana G. Kirdina (eds.) 'Socio Economic and Technological Innovations: Mechanism and Institutions', Narosa Publishing House: New Delhi, pp.323-333.
 32. Tabassum Jamal, (2014) 'Institutional arrangement for Skill Development: Reflections on VET - India Socio Economic and Technological Innovations, Mechanism and Institutions', in Mandal, Kasturi; Nadia Asheulova and Sevtlana G. Kirdina (eds.) 'Socio Economic and Technological Innovations: Mechanism and Institutions', Narosa Publishing House: New Delhi pp.323-333.
 33. Tista Bagchi, (2014) 'Institutional Dimensions to the Conduct of Randomized Clinical Trials in India', in Mandal, Kasturi; Nadia Asheulova and Sevtlana G. Kirdina (eds.) 'Socio Economic and Technological Innovations: Mechanism and Institutions', Narosa Publishing House: New Delhi, pp.344-350.
 34. Vipin Kumar, Rohit Sagar and Sapna Narula, (2013) 'Researcher Guide networking: A case of Renewable Energy Research', In (eds.) Tansel Özyer, Peter Carrington, Ee-Peng LIM 'Advances in Social Networks Analysis and Mining', book proceedings of 2013IEEE/ACM International Conference, published by IEEE Computer Society, Piscataway, NJ, USA. IEEE catalogue No. CFP1334H-USB, ISBN-978-1-4799-1496-8 pp.1132-1138

PAPERS PUBLISHED IN PROCEEDINGS

1. A. Kaul, S. Bhattacharya, Shilpa and P. Sharma (2014) 'Measuring Efficiency of Scientific Research. In Markscheffel, B., Fischer, D., Buttner, D., Kretschmer, H. (Ed.), proceedings of 10th International conference of Webometrics, Informetrics and Scientometrics, Germany - Technical University of Ilmenau, pp. 87-90.
2. Aparna Basu (2013) 'Efficiencies in National Scientific Productivity in terms of Manpower and Funding in Science', proceedings of the 14th International Society for





- Scientometrics and Informetrics (ISSI) Conference, Vienna, July 15-19, 2013: (pp. (http://www.issi2013.org/Images/ISSI_Proceedings_Volume_II.pdf))
3. Aparna Basu, (2013) 'The Context of Scientometric Evaluation', in Dr. B. D. Kumbar et al. (eds.) 'A Scientometric Approach to Research Assessment, Evaluation and Performance of Indian Universities', Dharwad, DLISc, Karnataka University, 28-29 December 2012, pp. 117-130
 4. J. Ghosh and A. Kshitij, (2013) 'Cohesiveness, structural holes, hierarchy, and giant clusters: An integrated examination', Academy of Management Proceedings. DOI: 10.5465/AMBPP.2013.10819. Publisher: Academy of Management, U.S.A.
 5. Jaideep Ghosh (2013) 'Dynamics of innovative technology incorporation by the Indian small enterprise industry', proceedings of Fourteenth Annual Global Information Technology Management Association (GITMA) World Conference, held at Malaysia, 16-18 June.
 6. Kashmiri Lal (2013) 'Questioning India's ability to harness information communication technology', proceedings of National Conference on 'Information and Communication Technologies for Competitive Advantage', organised by University School of Management Studies, Guru Gobind Singh Indraprastha University, New Delhi, on 26 April 2013 (eds.) Anu Singh Lather, Anil K. Saini and Sanjay Dhingra, ISBN 978-93-80544-09-0, available in CD.
 7. Kasturi Mandal (2013) 'Skill development in greening economy – The Indian case', proceedings of INSCITED 2013, Port of Spain, Trinidad and Tobago, ISBN: 978-976-95273-8-6
 8. Kavita Mehra, Priti and Sunil Chopra (2014) 'Development of biotechnology in India : Role of public policies', proceedings of international conference on Science and Technology for Economic Diversification (INSCITED) 2013., jointly organized by NIHERST, Spain; CSIR-NISTADS, New Delhi and Organisation of American States, held at Port of Spain, T&T, during 5-7 June 2013, published by NIHERST, Spain, 2014, pp.125-149.,
 9. Madhulika Bhati (2015) 'Knowledge of nano water ecosystem through the lens of science citation index databases', bilingual international conference on 'Information technology: yesterday, today and tomorrow', by DRDO, New Delhi, during 19-21 February 2015, 5:108-112.
 10. Madhulika Bhati (2014) 'Nanotechnology application in water sector from the beginning to end of the value chain: An Indian perspectives', VIII World Aqua conference on 'Balancing Development & Environment (Economic growth with Environmental Sustainability)', held at Indian Science Centre, New Delhi, 21-22 November, pp.78-83
 11. Naresh Kumar and S. Rego (2013) 'Catching-up unequal access to ICT: A case of rural urban telecom divide in India', 11th Globelics Conference in Ankara, Turkey, September 11-13, 2013, organised by Science and Technology Policy Research Center (METU-TEKPOL), held at Middle East Technical University, Ankara.

12. Naresh Kumar (2015) 'Growth and estimation of engineering and technical manpower in India', proceedings of the 102th Indian Science Congress, (Engineering Section), 3-7 January, Mumbai.
13. S. Rego and Naresh Kumar (2015) 'Study of Impact on growth of rural telecom in India based on consumer spending pattern and implemented Government policies', proceedings of the 102th Indian Science Congress, (Information and Communication Science & Technology Section), 3-7 January, Mumbai.
14. Shilpa, A. Kaul and S. Bhattacharya (2014) 'Salient aspects of India's publication activity', in Markscheffel, B., Fischer, D., Buttner, D., Kretschmer, H. (eds.), proceedings of 10th International conference of Webometrics, Informetrics and Scientometric, Germany, Technical University of Ilmenau, pp.481-483.
15. Vipin Kumar, Sapna, A. Narula (2013) 'Green buildings in India: A skill development perspective', proceedings of AICTE - National Conference on Energy Engineering, Analysis, Audit & Management, July 8-10, 2013, NIT, Agarpara, Kolkata
- assessment of the articles on environmental issues published in English-language Indian dailies', *Annals of Library and Information Studies*, 60(3), September 2013, 219-226.
3. Rajeswari S. Raina, 'Discussant, for Nina Wormb's paper Remote sensing and the iconography of the planetary image, at the Workshop on Environmental Humanities and New Ecologies in the 21st century, organized by Shiv Nadar University (SNU) and KTH Royal Institute of Technology Sweden, in SNU, Dadri, 29th September 2014.
4. Rajeswari S. Raina, 'Berlin Memorandum on Sustainable Livelihoods for Smallholders', Input for the Conference "Setting the Course for a World Without Hunger – North-South Dialogue on the Role of the G7", prepared as part of a collaborative team, of scientists, civil society organizations and policy makers, from India, Ethiopia, Burkina Faso, Germany, Bolivia and Peru (www.welthungerhilfe.de) and presented to the German Parliamentarians and other stakeholders in the Brandenburg Academy of Sciences, Berlin, 4th February, 2015.
5. Rajeswari S. Raina, 'Put small holders centre-stage: Call for G7 support to end world hunger and poverty', in *The Alternative*, 11 March 2015. (see – www.thealternative.in/society/)
6. Rajeswari S. Raina, 2014, 'Policies and the Evolution of Social Entrepreneurship in India: Tight-rope walk to a potential runway', Villgro Research Paper, Villgro and IDRC: Chennai, India and Canada.

MISCELLANEOUS

1. Aparna Basu, (2013) *World University Ranking in Scientometrics: Collection of Articles Edited by I K Ravichandra Rao and A Neelameghan*. Ess Ess Publications. New Delhi. 2013. Published for the Sarada Ranganathan Endowment for Library Science.
2. Bharvi Dutt, K.C. Garg and Archita Bhatta, (2013) 'A quantitative





7. Rajeswari, S. Raina, (2014) 'What Rainfed Farming Communities Need?', In The HINDU, Survey of Indian Agriculture 2014, What does a farmer really need today? The HINDU: Chennai. Pp.52-55.
8. S. Bhattacharya, (2015) 'CEFIPRA: An important actor in the Indo-French innovation value chain', Ensemble (newsletter published by CEFIPRA), Volume 3(1), March.
9. Suman Patel, Ray A. (2014) Review the article on 'Patent on biomarkers in medical research: A focus on neuropsychiatric disorders', Recent Patents on Biomarkers. 3:1-14.
10. Y. Madhavi, (2014), An invited discussant in Rapid response to an article titled 'Assessment of causality of individual adverse events following immunization (AEFI): a WHO tool for global use', by Tozzi AE. Vaccine. 2013, in pubmed commons. Published online In: http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pubmed/24021304#cm24021304_2779
11. Y. Madhavi, (2014), An invited discussant in the first journal club discussion forum [Summary acknowledges my inputs on page 11 of the news letter at-<https://brightoncollaboration.org/public/resources/forum/thread-list.html?forumId=daa4c392-fe61-49f6-b1e9-b4fba4ffc35f>]. in response to an article on 'May 2014: Intussusception risk associated with rotavirus vaccines' published online on 10th June 2014 titled 'Risk assessment of intussusceptions with rotavirus vaccine in developing countries'. [file:///G:/all%20in%20one%20folder/madhvi/madhaviarticles/Thread%20view-intusseption%20rota%20vaccine.htm]
12. Y. Madhavi, Invited participant in 'Bridging the Gap: 4th Healthcare Leaders Forum (HLF)' on March 12, 2015 at Hotel Royal Plaza, New Delhi.
13. Yogesh Suman, Attended 3rd NKN Annual Workshop held at IIT, Guwahati from 15-17 December 2014.
14. Yogesh Suman, Discussant at the national meet on 'Responsible Indian BMO in context of MSME sector', held at India International Centre, New Delhi, 17 March 2015.
15. Yogesh Suman, Discussant at the Seminar on "Enhancing the Indian Manufacturing Competitiveness" PHD House, New Delhi, 22 May 2014.

CHAPTERS IN INDIA SCIENCE & TECHNOLOGY: VOL.III

1. Naresh Kumar, Vipin Kumar and Yogesh Suman, 'S&T Human Resource', pp.1-91
2. Naresh Kumar, Vipin Kumar and Yogesh Suman, 'Introduction', pp.1-3
3. Vipin Kumar and Sapna A. Narula, 'An Introduction to S&T Education System in India', pp.4-8
4. Neelam Kumar, 'Higher Education in India: The Current Status', pp.9-12
5. Sunita Kumari and Vipin Kumar 'Changing Higher Education System in India: A Brief Review of Latest Policy Decisions and Interventions', pp.12-16
6. Anup Kumar Das', 'Open Education (OER): Policy Perspectives in National Initiatives', pp.16-21
7. Tutan Ahmed, 'Decline of Formal Vocationally Trained Manpower in

- India during Past Decade: An Exploratory Analysis', pp.21-24
8. Jaideep Ghosh and Avinash Kshitij, 'Socioeconomic Factors Influencing Science Students' Educational Mobility at Higher Secondary and Undergraduate Levels', pp.24-27
 9. Naresh Kumar, 'Growth and Estimation of Engineering and Technical Manpower in India', pp.28-33
 10. Naresh Kumar, 'Imparting Technical Education through Alternative Mode: A Case of Institution of Engineers India (IEI)', pp.33-37
 11. Tabassum Jamal and Yogesh Suman, 'Capacity and Capability Building of Technical Education in the Area of Information, Electronics and Communication Technology (IECT) – Case Study of NIELIT', pp.37-43
 12. Tabassum Jamal, 'Vocational Education Qualification Framework (NVEQF): A Note on Proposed Reforms in Vocational Education', pp.43-47
 13. Yogesh Suman and D. Gangopadhyay, 'Trends in Manpower Production in the Area of Metallurgical and Materials Engineering and Estimation of Demand Supply Gap', pp.47-50
 14. Kavita Mehra and Suman Govil, 'Recent Trends of Human Resource Development in Biotechnology', pp.54-60
 15. Rajvir Singh Rathore, 'Capacity Building for Development of Indian Agriculture', pp.60-64
 16. L. Pulamte, 'Doctoral Degree (Science) Outturns in India during 1947–1983: University Performance, Regional Disparities and Emergence of Subjects', pp.64-71
 17. Vipin Kumar and Rohit Sagar, 'Ph.Ds in Energy Sector: A Brief Analysis', pp.71-76
 18. Neelam Kumar, 'Women in Science and Technology', pp.76-80
 19. Rashmi Shrivastava, Vipin Kumar, Mala Bahl, Anil Sharma and Rammi Kapoor 'Presence of Indians in the Editorial Boards of International Journals: A Preliminary Study', pp.80-85
 20. Sunita Kumari, Parthasarathi Banerjee and Vipin Kumar, 'Migration of India's Human Resource: A Perspective of Skilled Manpower', pp.85-91
 21. Sanjib Pohit and Pradip Kumar Biswas, 'S&T and Industry', pp.92-93
 22. Sanjib Pohit and Pradip Kumar Biswas, 'Introduction', pp.92-93
 23. Pradip Kumar Biswas and Sanjib Pohit, 'Structure of Indian Enterprises', pp.94-96
 24. Sanjib Pohit and Pradip K. Biswas, 'Facets of Growth in Indian Listed Companies', pp.96-100
 25. Pradip Kumar Biswas and Sanjib Pohit, 'Performance of Informal Sector', pp.101-104
 26. Yogesh Suman and Tabassum Jamal, 'Trends in Growth of MSME Sector – Evidences from Census Data', pp.104-108
 27. Pradip Kumar Biswas and Jaideep Ghosh, 'Demography, Start-up and Evolution of Informal Sector Enterprises', pp.108-110





28. Panchanan Das, 'Productivity, Growth and Structural Change in Indian Manufacturing Industries (1998-2010)', p 111-115
29. Anindita Sen Gupta and Panchanan Das, 'Regional Dispersion in Growth, Efficiency and Technological Change in Indian Industries (1971-2010)', pp.115-120
30. Pradip Kumar Biswas, Kanika Malhotra and Arundhati Choudhury, 'Problem of Sickness, Closure and Age Distribution among the Registered Manufacturing Industries', pp.121-124
31. Pradip Kumar Biswas', Exports, Imports and Contracting of Registered Manufacturing Units (2009-10)', pp.124-125.
32. Aditi Jamalpuria and Anindya Chaudhuri, 'Contractual Labour in the Indian Manufacturing Industries', pp.126-129.
33. Pradip Kumar Biswas and Parthasarathi Banerjee, 'Changes in the Pattern of Employment and Labour Productivity in the Informal Sector', pp.129-132
34. Biswatosh Saha, 'State Industrial Development Corporations (SIDCs): A Look into the Past', pp.133-136
35. Biswathosh Saha and Apalak Khatua, 'Financial Intermediaries and Financial Assess to Corporate Sector', pp.137-140
36. Biswatosh Saha and Apalak Khatua, 'Financial Intermediation and Corporate Sector: A Focus on FIs in Recent Years', pp.141-146
37. Pradip Kumar Biswas, Jaideep Ghosh Sanjib Pohit and Anindya Chaudhuri 'Informal Sector Financing: Regional and Sectoral Pattern Adequacy and Linkages with Growth and Start-ups', pp.146-150
38. Pradip Kumar Biswas and Raj Kumar', Asset Composition, Technology Categories of Enterprises and Estimates of Skilled Worker', pp.150-153
39. Sanjib Pohit and Pradip Kumar Biswas, 'Trends in Process Innovation, Skill Development in Indian Listed Companies', pp.153-158
40. Pradip Kumar Biswas, 'Level of ICT Uses by Informal Sector Enterprises', pp.159-160
41. Pradip Kumar Biswas, Jaideep Ghosh and Sanjib Pohit, 'Nature and Types of Business Links and their Relation to Technology Upgradation and Productivity Growth of Informal Sector', pp.161-163
42. Yogesh Suman, Tabassum Jamal and R. Saranya Devi 'Trends in Energy Efficiency, Labour Efficiency and Capital Productivity for MSMEs in India: Evidences from Census Data', pp.163 -166
43. Sanjib Pohit and Pradip Kumar Biswas, 'Firms' R&D Expenditure in India', pp.166 -170
44. Sanjib Pohit and Pradip Kumar Biswas, 'MNC's R&D Expenditure in India', pp.170-175
45. Sanjib Pohit, Pradip Kumar Biswas and Avinash Kshitij 'Collaborative Pattern in R&D between Public and Private Sectors', pp.175-178
46. Yogesh Suman and S. A. Nabi 'Interactions and Linkages between Public Sector Research Institutions and Private Sector Industry-

- Innovation Ecosystem Findings', pp.179-181
47. Kavita Mehra, 'Private Public Partnership Building Linkages between R&D Agencies and Industry', pp.181-191
 48. Rittwik Chatterjee and Niharika Sahoo, 'Biomedical Research Funds in India: Analysing Trends and Focus', pp.191-195
 49. Sanjib Pohit and Rittwik Chatterjee, 'Trends in High Technology Exports', pp.195-204
 50. Papiya Ghosh, 'India's Approach to Industrial Pollution: Problems and Possibilities', pp.204-207
 51. Aditi Jamalpuria, 'Additive Environmental Technology in the Indian Manufacturing Industries', pp.208-211
 52. Aditi Jamalpuria, 'Graduating towards an Integrated Cleaner Mode of Production', pp.212-215
 53. Sujit Bhattacharya, 'Governance and Regulation in an Emerging Technology: Nanotechnology as a Case Study', pp.215-218
 54. Niharika Sahoo, 'Medical Device Regulation in India', pp.218-222
 55. Papiya Ghosh, 'Interface between Law and Technology: The Case of Medical Malpractice in India', pp.222-224
 56. Niharika Sahoo, 'Regulating Risk through Effective Policy Development: A Case of Antimicrobial Resistance through Food Chain', pp.225-231
 57. Anshu Bhardwaj, Geethavani Rayasam and Zakir Thomas, 'Open Source Drug Discovery (OSDD): An Alternative Innovation Model for Drug Discovery', pp.231-234
 58. Papiya Ghosh, 'E-commerce in India: Investment and Innovation', pp.235-237
 59. Rittwik Chatterjee and Anindya Chaudhuri, 'Allocation of Technologies through Auction: Lessons from Past and Present Issues', pp.238-241
 60. Anindya Chaudhuri, 'Procuring Innovation', pp.242-245
 61. Anindya Chaudhuri, 'National Solar Mission', pp.244-248
 62. Sujit Bhattacharya, 'Introduction', pp.249-250
 63. Suresh Kumar, 'Sub-section A: Profile of India's Research Activity', pp.251.
 64. Suresh Kumar, 'Scientometric Profile of Indian S&T Output as seen through Science Citation Index: Expanded during 2010-11', pp.251-258.
 65. B. M. Gupta, 'Scientometric Profile of India's S&T Output as Seen through Scopus Database (1996-2011)', pp.259-273
 66. Divya Srivastava, 'Analysis of Indian Research Activity through Indian Science Abstracts (2005-2009)', pp.273-276
 67. P. Banerjee, S. Chattopadhyay; Sreevani and S. Singh, 'S&T Capacity and Capability Envelope and its Dynamics', pp.277-281
 68. Shilpa and Sujit Bhattacharya, 'Some Salient Aspects of India's Publication Activity', pp.282-287
 69. N.C. Jain, 'Open Access in Quality as Measured through Impact Factor: Case Study of S&T Journal of India', pp.288-292





70. Anup Kumar Das, 'Open Access to Scientific Knowledge: Policy Perspectives in National Initiatives', pp.292-299
71. Koen Bumer, 'Nano Technology and the Public in India: A Newspaper Analysis', pp.299—303
72. Bharvi Dutt and K. C. Garg, 'Biomedical Research Coverage in English-language Indian Newspapers', pp.303-305
73. Divya Srivastava, 'Monitoring Engineering and Applied Physics Research Activity in India', pp.306-310
74. N.G.Satish, Parveen Arora, 'Indian Patent Scene (2001-10) An Overview', pp.310-319
75. T.C.James, 'Patent Grants and Litigation: Indian Scenario', pp.319-324
76. Amit Shovon Ray, 'Commercialization of University Inventions in India: Highlights from Selected Case Studies', pp.324-328
77. PP. Banerjee, A. Kshitij, B. Sinha, D. Gangopadhyay, D. Saxena, S. Verma, A. K. Mukhopadhyay and R. Bahl 'Capacity, Capability and Strategy in Standards R&D', pp.328-341
78. Sujit Bhattacharya, 'Nanotechnology Standard Development', pp.341-345
79. T.N.V.V. Rao and Sujit Bhattacharya, 'Drinking Water Related Standards: Contemporary Scenario', pp.346-348
80. T.C. James, 'Trade Mark Protection in India', pp.348-352
81. Kashmiri Lal and Arvind Bharadwaj, 'Design Activity in India', pp.353-359
82. B.M. Gupta, Adarsh Bala, Har Kaur, Kiran Baidwan, Neelima Chadha and Harjit Singh Cheema, 'Scientometric Analysis of Publication Output in, Various Diseases', pp.360-375
83. Avinash Kshitij, Charu Singh, Ritu Bansala and Jaideep Ghosh, 'Collaboration Structures of Cancer Researchers in India: A Socio-professional Network Analysis', pp.376-379
84. Bharvi Dutt and Khaizer Nikam, 'Scientometric Profile of Solar Cell Research and Patenting Activity in India', pp.379-388
85. Divya Srivastava, 'Monitoring Research Activity in Indian through CABI (Agriculture, Environment and Global Health) Indexed Database', pp.389-392
86. Praveen Sharma, 'A Profile of Mathematics Research in India', pp.392-397
87. Sujit Bhattacharya, Praveen Sharma, Shilpa, Fayaz Ahmad Sheikh and Arshia Kaul, 'Role of Mediating Organization in Influencing Collaboration: Case Study of CEFIPRA – A Bilateral S&T Institution Established by India and France', pp.398-403
88. B. M. Gupta and Torsten Fischer, 'Indo-German Collaborative Research during 2004–09: A Quantitative Assessment', pp.404-408
89. Rajeswari S. Raina and Kasturi Mandal, 'Rural India: S&T for Skills and Employment', pp.409
90. Rajeswari S. Raina, 'Introduction', pp.409
91. Rajeswari S. Raina, 'Skills and Employment: The Macro-economic Context', pp.410-414

92. Rajeswari S. 'Raina Service Sector Growth, S&T and Rural Employment', pp.414-418
93. Rajeswari S. Raina, 'Sub-section B: S&T and Employment: Production Services in Rural India', pp.419-426
94. Rajeswari S. Raina, 'Agricultural S&T and Extension: Development Services', pp.427-433
95. Viswanath Reddy K., 'A Regional Profile: Research and Education Services for Agriculture', pp.434-437
96. Rajvir Singh Rathore, 'S&T Challenges and Capacity Building for Development of Indian Agriculture', pp.438-442
97. Neelkanth Mishra, 'Convergence in Education System, Research and Local Institutions: A Key for Development of Fisheries Sector in India', pp.442-445
98. Tinny Swahney, 'Small Ruminants, Knowledge Gaps and Employment Questions', pp.446-448
99. Mohammad Rais and Shatroopa Acharya, 'Food Processing Industry: S&T Capability, Skills and Employment Opportunities', pp.449-453
100. Mohammad Rais and Shatroopa Acharya, 'Food Processing in Northeast India: Skills and Employment', pp.453-457
101. Hardip Grewal, Biswatosh Saha, Pradip Biswas and PP. Banerjee, Mentha, 'An Innovation Success Story', pp.458-461
102. Sukhpal Singh, 'Small Producers, Knowledge and Markets', pp. 462-465
103. Kavita Mehra 'Trade-offs in the Development of a Ceramic Cluster', pp.465-468
104. Rajeswari S. Raina Sub-section C: 'S&T Applications: Governance and Management of Rural Services', pp.469
105. Rajeswari S. Raina 'S&T Applications in the Context of Service Sector Expenditure', pp.469-478
106. Y. Madhavi Healthcare, 'Services and Capacity Development for Rural India under Globalization and Privatization', pp.478-483
107. Kasturi Mandal and Md Iqbal Hassan, 'Provisioning of Water Services in Rural India', pp.483-488
108. Kasturi Mandal and Rajeswari S. Raina, 'S&T and Skill Development – Rural Universities and Research Institutes', pp.489-493
109. Fozia S.Qazi, 'Vocational Education and Training in India', pp.493-495
110. PP.S.Geethakutty, 'Gender Inclusive S&T and Agricultural Education in India', p 496-500
111. Kavita Mehra 'Rural Innovation Fund', pp.500-505
112. Pradosh Nath, 'ICT for Development: Indian Initiatives', pp.506-513
113. Kasturi Mandal and Md Iqbal Hassan, 'S&T Support for Rural Roads Infrastructure', pp.513-517
114. R.Prasad, 'S&T Supported Development Interventions in Meghalaya', pp.517-521
115. Rajeswari S. Raina 'Summing Up: S&T for Skills and Employment in Rural India', pp.521-523





LECTURES/CONFERENCE PRESENTATIONS

1. A. Kaul, S. Bhattacharya and Shilpa, 'Measuring efficiency of scientific research', at 10th International conference of Webometrics, Informetrics and Scientometrics, organised by Technical University of Ilmenau, Germany and COLLNET, 3-5 September 2014
2. Jaideep Ghosh, 'Dynamics of innovative technology incorporation by the Indian small enterprise industry', 14th Global Information technology Management Association World Conference, 16-18 June 2013, Kuala Lumpur, Malaysia.
3. Jaideep Ghosh, 'Techniques and uses of social network analysis', 14th Global Information technology Management Association World Conference, 16-18 June 2013, Kuala Lumpur, Malaysia.
4. Jaideep Ghosh, 'Board interlock networks of Indian companies and firm performance: A social network analysis', University of North Carolina, Greensboro, U.S.A., August 2013.
5. Jaideep Ghosh and Avinash Kshitij, 'Cohesiveness, structural holes, hierarchy, and giant clusters: An integrated examination of management annual meeting and conference', Lake Buena Vista, Orlando, Florida, U.S.A., 9-13 August 2013.
6. Jaideep Ghosh, Avinash Kshitij and Sandeep Kadyan, 'Structure-functional aspects of co-authorship networks in Information systems, technology, and economics: a social network Study', Global Information Technology Management Association (GITMA) World Conference 2014, USA, June.
7. Kasturi Mandal, 'Institutional reform: Enabling S&T and innovation in rural India', at the Atlanta Conference on Science and Innovation Policy-Building Capacity for Scientific Innovation and Outcomes hosted at School of Public Policy at Georgia Tech, Atlanta, USA, 24-30 September 2013.
8. Kasturi Mandal, 'Institutional reorganization: A case of Council of Scientific and Industrial Research, India', at International conference on Science, Technology & Innovation Policy Making for Developing Countries', organised by NAM S&T Centre at Kish Island, Iran, 26 November – 2 December 2014.
9. Kasturi Mandal, 'Skill development for greening economy – The Indian case', at the International conference on Science and Technology for Economic Diversification, INSCITED, 4- 7 June 2013.
10. Madhulika Bhati, 'Basic research to commercialization in nano water research: A case study of India', in Sixth Scottish Symposium on Environmental Analytical, sponsored by Royal Society of Chemistry, Analytical Division, Scottish Region, Royal Society of Chemistry, Glasgow and West of Scotland Section in University of Strathclyde, GLASGOW G1 1XL, 11 December 2013
11. Madhulika Bhati, 'Chemical processes in the environment: Modelling and application', at CMMAC, Bangalore, 2 May 2013.
12. N. Mrinalini, 'Make in India : Implications on Indian innovation', in

- half day dissemination workshop under ISTIP project on 25 November 2014.
13. N. Mrinalini, 'Growth, green growth or degrowth? New critical directions for India's sustainability', Inaugural address, India Habitat Centre, New Delhi, 12 September 2014.
 14. Neelam Kumar, 'Gender and science: The persistent patterns!', at Sapienza, University of Rome, 3 July 2013.
 15. Neelam Kumar, 'Gender and science: Some observations in Indian Context', The Open University, London, 12 June 2014.
 16. Neelam Kumar, 'Gendered equation in science in India', Jawaharlal Nehru University, New Delhi, 9 April 2014.
 17. Neelam Kumar, 'Women in science: Issues and challenges', Pondicherry University, 17 March, 2015
 18. Neelam Kumar, Organized and chaired a session 'Gender science and technology: Organizational and political interventions in Asia', at Women's World Conference 2014, Hyderabad, India; during 17-22 August 2014, and also delivered a talk on 'Women and science in India', on 18 August 2018.
 19. Neelam Kumar, 'Gender and science in non-western contexts', in the workshop on 'Gender Segregation on Campuses: A Cross-Time Comparison in the Higher Education Sector among Japan, Korea and Taiwan', at 11th EASTS Network Meeting, Tokyo, 15-16 November 2013.
 20. Neelam Kumar, 'Leadership in Indian academia: The missing minerva?', 4th European Women Rectors Conference, at Istanbul, 15-17 May 2014.
 21. Neelam Kumar, 'Women leadership in Indian higher education', at The 6th World Women University Presidents Forum, Beijing, China, 2014.
 22. Neelam Kumar, 'Women in science and engineering: The continuing lack!', IIT Madras, 14 March, 2015.
 23. Rajeswari S. Raina, 'Policy options and investments for sustainable development: From central to state governments', at International conference on Strategies to Drive Organic Sector Forward: For Sustainability and For Markets, Organized by ICCOA, Horticulture Mission, Government of Kerala, Trivandrum, 5-6 Sept 2013.
 24. Rajeswari S. Raina and Kasturi Mandal 'Institutional reform: Enabling S&T and innovation in rural India', paper presented by Kasturi Mandal at the Atlanta Conference on Science and Innovation Policy, organized by School of Public Policy, Georgia Tech. Atlanta, 27-29 September 2013.
 25. Rajeswari S. Raina, 'Agriculture in the environment: Is climate resilient rainfed agriculture possible?', presented at the National Workshop on Climate Change Adaptation in Drought Affected Areas: Policies, Programmes and Traditional Coping Mechanisms, organized by MoEF&CC, Government of India and the United Nations Disaster Management Team, Venue: Hotel Park, New Delhi, 16 October, 2014
 26. Rajeswari S. Raina, Invited presenter in the international policy workshop on "A New Approach to Governing GM Crops? Global Lessons for the UK" at the Royal Society in London, - to





- 'comment on the institutional and organizational issues in GM governance,' organized by Durham University, Department of Anthropology. 13 June 2014
27. Rajeswari S. Raina, Two presentations made at the UK-India Joint Plenary meetings of the BURD Project, "Scaling the Rural Enterprise", Nov. 25-29 2013.
28. Rajeswari S. Raina, "'Socializing" scale – Building capacities for sustainable impacts', at UK-India Joint Plenary meetings of the BURD Project, "Scaling the Rural Enterprise", sponsored by DST (India) and EPSRC (UK), organized by CTD, New Delhi along with partner organizations IIT-Mumbai and CSIR-NISTADS, New Delhi, at Hotel Hill Queen, Mussoorie, 8 November 2014.
29. Rajeswari S. Raina, 'Agriculture in rural transformation in India and China', at International conference, Juxtapose 2014 – Comparative research, creative collaboration, methodological challenges in contemporary China and India, organized by Wolfson college, Oxford University and School of International Studies, JNU, in JNU, 24-25 September 2014.
30. Rajeswari S. Raina, 'Agronomy and agrarian alternatives: The discipline as lens', presented at the Seminar on Disciplines, Movements and Policies: The Changing relationship between Science, State and Society, at Indian Institute of Advanced Studies, Shimla . 24-25 November 2014. (Paper presented over skype with the help of the organizers).
31. Rajeswari S. Raina, 'Agronomy, rice production and India's agricultural policy – Do knowledge and evidence matter?', at the Policy Workshop, in the International Workshop on Recent Changes in Rice Production and Rural Livelihoods: New Insights on the System of Rice Intensification as a Socio-Technical Movement in India, organized by Wageningen University and the National Consortium on SRI, at the NASC, New Delhi, 19-21 June 2014.
32. Rajeswari S. Raina, 'Articulating a new agronomy: Peasants and contemporary history in Asia', presented by Prof. Bray, in the session on Planning for Peasants: Ideologies of Agronomic Science Compared, presented by Prof. Francesca Bray, at the 9th STEP meeting- Science Technology in the European Periphery, Lisbon, 1-3.September 2014.
33. Rajeswari S. Raina, 'Climate resilient agriculture', at the Climate Change Advocacy Workshop, organized by OXFAM, India and CECOEDECON, Lucknow 25- 26 June 2014.
34. Rajeswari S. Raina, 'From "Looking Up" to "Seeing Through": Agro-ecological alternatives and formal mainstream pest management', presented at the UK-India Agro-Ecology Initiative, meeting-cum-conference of the Agricultural Ecology Group of the British Ecological Society and Society of Agro-ecology, India, at the Centre for Pollination Studies, Calcutta University, 21-24 February 2015.
35. Rajeswari S. Raina, 'Norms of Expertise and the supply syndrome: State, science and rice in India', presented at the Panel on 'The Social Shaping of Rice Production

- Technologies: Institutions, Knowledge and Practice', at the APSTS Biennial Conference Knowing, Making, Governing, at Tembusu College, National University, Singapore, 15-17 July 2013.
36. Rajeswari S. Raina, 'Pandora or Cornucopia? Strengthening the interface between science and policy', at the International conference on Science, Technology and Innovation Policy: Foresight, Growth, Roadmaps, Sectoral Impact Assessments and Alliances, organized by Zaheer Science Foundation and UNESCO, at the Indian National Science Academy (INSA), 27-29 November 2014.
 37. Rajeswari S. Raina, 'Rainfed agriculture: The discourse and evidence for a paradigm shift', at the International Workshop on Cultivating Futures. Ethnographies of Alternative Agricultures in (South) Asian Landscapes of Crisis, at the Karl Jaspers Centre for Advanced Transcultural Studies of Heidelberg University, 12-14 December 2013.
 38. Rajeswari S. Raina, 'Rural enterprise in the new global economy', at the UK-India Joint Plenary meetings of the BURD Project, "Scaling the Rural Enterprise", presented at the Imperial College, London, 25-29 November 2013
 39. Rajeswari S. Raina, 'Social innovation and entrepreneurship in India: Nurturing the institutional sine qua non for the informal sector', at the 12th GLOBELICS International Conference, Africa Union Centre, Addis Ababa, 29-31 October 2014.
 40. Rajeswari S. Raina, 'Toolkit – Scaling up the rural enterprise', at the UK-India Joint Plenary meetings of the BURD Project, 'Scaling the Rural Enterprise', at the HCI lab, Swansea, UK, 25-29 November 2013.
 41. Rajeswari S. Raina, 'Policies and investments for sustainable/ organic agriculture: From central to state governments', at International conference on Two Pronged Strategy for Organic Movement: For Sustainability and For Markets, Organized by IFOAM Asia, ICCOA, Dept of Agriculture Government of Karnataka. And Nuremberg Messe, Palace Grounds, Bangalore: 14-16 November 2013.
 42. Rajeswari S. Raina, panel presentation on 'Ethics in Indian S&T policy and practice', at the GEST Conference – International conference on Ethics, Equity and Inclusion in Science and Technology: Global and Regional Perspectives, organized by RIS for Developing Countries, as part of the EU 7th Framework Programme, at Hotel Ashok, New Delhi. 6-7 March 2014.
 43. Rajeswari S. Raina, Panelist at the "Women in science, technology, engineering and mathematics (STEM) – A case for intervention," the fourth ministerial meeting of Newton Bhabha Fund and UK Science and Innovation Network meeting organized by DST and British Council, New Delhi, Hotel Lalit, 12th February 2015.
 44. Rajeswari S. Raina, Chair, discuss and review the IFAD project at the Workshop on Safeguarding Commons for the Next Generation, organized by Sewa Mandir, at Shilpi Resort, Udaipur, 13-14 September 2013.





45. Rajeswari S. Raina, invited to speak on 'Rational choices, ethics and S&T, at the Panel on the Book, "Paradoxes of Rationality and Norms of Human Behaviour," at the Book Launch, organized by the Institute for Studies in Global Prosperity and the Office of Public Affairs, Bahai's of India,
46. Rajeswari S. Raina, Keynote Address, "Knowing and administering food: How do we explain persistence?" delivered at the two day National Seminar on Food Security and Food Production: Institutional Challenges in the Governance Domain, organized by the Indian Institute of Public Administration (IIPA), New Delhi, 31 October and 1 November, 2013.
47. Rajeswari S. Raina, Presentation to the Indo-UK BURD (Bridging the Urban Rural Divide) project team, small rural entrepreneurs, local government officials, and students.
48. S. Bhattacharya, 'Advanced interaction of information professionals', CSIR-NISCAIR, New Delhi, August, 2013
49. S. Bhattacharya, 'Issues in managing technologies in emerging areas: A case of nanotechnology', at the Senior Level Officers Training Programme, the Administrative Staff College, 18th September, 2013
50. S. Bhattacharya, Keynote address on 'Scientometrics: Genesis, tenet, and output measurement', at Ravishankar Shukla University, Raipur, 22 September 2013.
51. S. Bhattacharya, Keynote Lecture on 'Emerging technologies and new initiatives: A case study of emergence of India in the nanotechnology race', at the NISTADS-NIT Silchar workshop 'Innovating India', held at NIT Silchar, 25-26 November 2013.
52. S. Bhattacharya, Keynote Presentation on 'International collaboration: Changing the global landscape of science in the 21st century', at 10th International conference of Webometrics, Informetrics and Scientometrics, organised by Technical University of Ilmenau, Germany and COLLNET, 3-5 September 2014.
53. S. Bhattacharya, Keynote speaker lecture on 'Big data and scientometrics: From google search engine to competitive intelligence', at the TEQIP-II/COE sponsored workshop on Exploration in Knowledge Analytics at PES university, Bangalore, 7 February 2014.
54. S. Bhattacharya, Panelist at the workshop entitled 'Innovation: Brokering nanotechnology, creating capacity', organized by Maastricht University at the IISER-Pune, 27-28 March 2014
55. S. Bhattacharya, Plenary Talk on 'Structured databases as Innovation Ecosystem', at Big Data mining: Concepts Methods and Applications, organised by Society for Information Science and CSIR-Institute of Microbial Technology, 27-29 November 2014.
56. S. Bhattacharya, presentation on 'Salient aspects of Indian research activity: A scientometric investigation', at the National Workshop on Measuring Science: The Scientometric Approach, held in CSIR-NISTADS, 14 February 2014.
57. S. Pohit, Discussant for paper on 'Macro Models for Climate Change',

- in Workshop on New Climate Economy: The Global commission on the Economy and Climate, organized by ICRIER, Delhi, 14 April 2014
58. S. Pohit, 'Effectiveness of policy Instruments in limiting GHG emissions- A CGE Modelling Approach', in Workshop on Economy of Tomorrow, organized by Institute of Economic Growth, University of Delhi, 15 December 2014.
 59. S. Pohit, 'Social accounting matrix: Concepts & applications', Centre for International Trade & Development, Jawaharlal Nehru University, New Delhi, 5 February 2015.
 60. S. Pohit, 'Input-output & its applications', a talk to IES trainees at Institute of Economic Growth, University of Delhi, 3 February 2015.
 61. S. Pohit, 'SAM, CGE & applications', a talk to IES trainees at Institute of Economic Growth, University of Delhi, 6 February 2015.
 62. S. Pohit, 'Principle of economics', and 'Indian economy and policy', presentation of course proposal at CSIR-NISTADS, New Delhi, 25 September 2013.
 63. S. Pohit, 'High technology export - Where does India stands', in Workshop on Innovation for Inclusive Growth and Entrepreneurship Generation, organized by Punjab State Innovation Council, 23 July 2014.
 64. S. Pohit, T. Jamal and Yogesh Suman, 'Emerging issues and challenges in Indian MSME sector', at CSIR-NISTADS, New Delhi, 23 May 2013.
 65. S. Pohit, (2014) 'Enhancing trade in goods', in 2nd Annual conference on Normalizing India-Pakistan Trade, organized by ICRIER, 21-22 January 2014.
 66. Shilpa, A. Kaul and S. Bhattacharya, 'Salient aspects of India's publication activity', at 10th International conference of Webometrics, Informetrics and Scientometrics, organised by Technical University of Ilmenau, Germany and COLLNET, 3-5 September 2014.
 67. Shilpa, presented in Raizada Memorial Lecture on 'Data analytics: Tools & techniques for measuring science & technology', in conference 'BIG DATA Mining: The Concepts, Methods and Applications' organised by CSIR-IMTECH and Society for Information Sciences from 27-29 Nov 2014.
 68. Sujit Bhattacharya and Swagat Yadav, 'University in the innovation ecosystem', at Conclave of Scientists on Science, Technology and Innovation policy: Foresight, growth, roadmaps, Sectoral impact assessment and alliances, INSA, New Delhi, 27-29 November 2014.
 69. Sujit Bhattacharya, Planary lecture on 'Designing research and innovation strategies: The Importance of bibliographic databases and data analytics', in conference 'BIG DATA Mining: The Concepts, Methods and Applications' organised by CSIR-IMTECH and Society for Information Sciences from 27-29 Nov 2014.
 70. Tabassum Jamal, 'Innovation landscape sources of innovation in Indian manufacturing MSMEs-empirical evidences', at dissemination workshop in ISTIP Project NISTADS New Delhi, 25 November 2014.





71. Tabassum Jamal, 'Building national capability through S&T and innovation policies- opportunities and challenges in developing countries', presented in Conclave of Scientists on Science, Technology and Innovation Policy: Foresight, Growth, Roadmaps, Sectoral Impact Assessment and Alliances held at INSA, New Delhi, 27-29 November 2014.
72. Tabassum Jamal, 'Dynamics of technological change in MSME Sector - A cluster development approach innovation redefined, cognizance', 21-23 March 2014, Indian Institute of Technology Roorkee (IIT-R), Roorkee ,Uttarakhand.
73. Tabassum Jamal, 'Ideate, initiate, innovate for inclusive growth: University- industry networking for technological development: cluster development approach- a future roadmap in technical Education', Women's Polytechnic, Aligarh Muslim University, 15 March 2014.
74. Tabassum Jamal, 'India science technology and innovation policy-in retrospect', at New Drug Discovery in the context of new STI Policy 2013, Administrative Staff College of India, Hyderabad, 5-6 April 2013.
75. Tabassum Jamal, 'Skilling in green business, at India Green Business Summit 2014', at India International Centre New Delhi, January 2014
76. Tabassum Jamal, 'Technical education and human resources development-skill advancement in IT sector, a case study of NIELIT', at Workshop on Information Technology Prospects and Challenges held at University Women's Polytechnic, AMU Aligarh, 14-15 February 2015.
77. Tabassum Jamal, 'Women and skill advancement in agri-sector- issue and concerns', presented at National conference on Gender Equality through Women Empowerment in Cooperative and Agriculture, at NCUI Complex, New Delhi, 9 March 2015
78. Tabassum Jamal, 'Women entrepreneurs and leadership, problems and prospects', presented at INSPIRE 2014, event organized by women leadership conclave on 4th April 2014 at Crown Plaza Gurgaon.
79. Tabassum Jamal, Five lectures delivered at Tamil Nadu Agricultural University, Coimbatore for video-recording of production for e-learning module (in Hindi), as a course material of PDGAEM, at Coimbatore, during 8-10 November 2013.
80. Tabassum Jamal, Guest lecture at Annual day, Women's Polytechnic, AMU Aligarh, 2014
81. Tabassum Jamal, Keynote speaker at Cognizance 2014, IIT Roorkee, Uttarakhand.
82. Vipin Kumar and Rohit Sagar, 'Researcher guide networking: A case of Renewable Energy Research', at ASONAM'13 Advances in Social Networks Analysis and Mining 2013, Niagara, ON, Canada; 25-29 August 2013.
83. Vipin Kumar, Sapna A Narula, 'Green buildings in India: A skill development Perspective', in AICTE - National Conference on Energy Engineering, Analysis, Audit & Management NIT, Agartala, Kolkata, 8-10 July 2013.

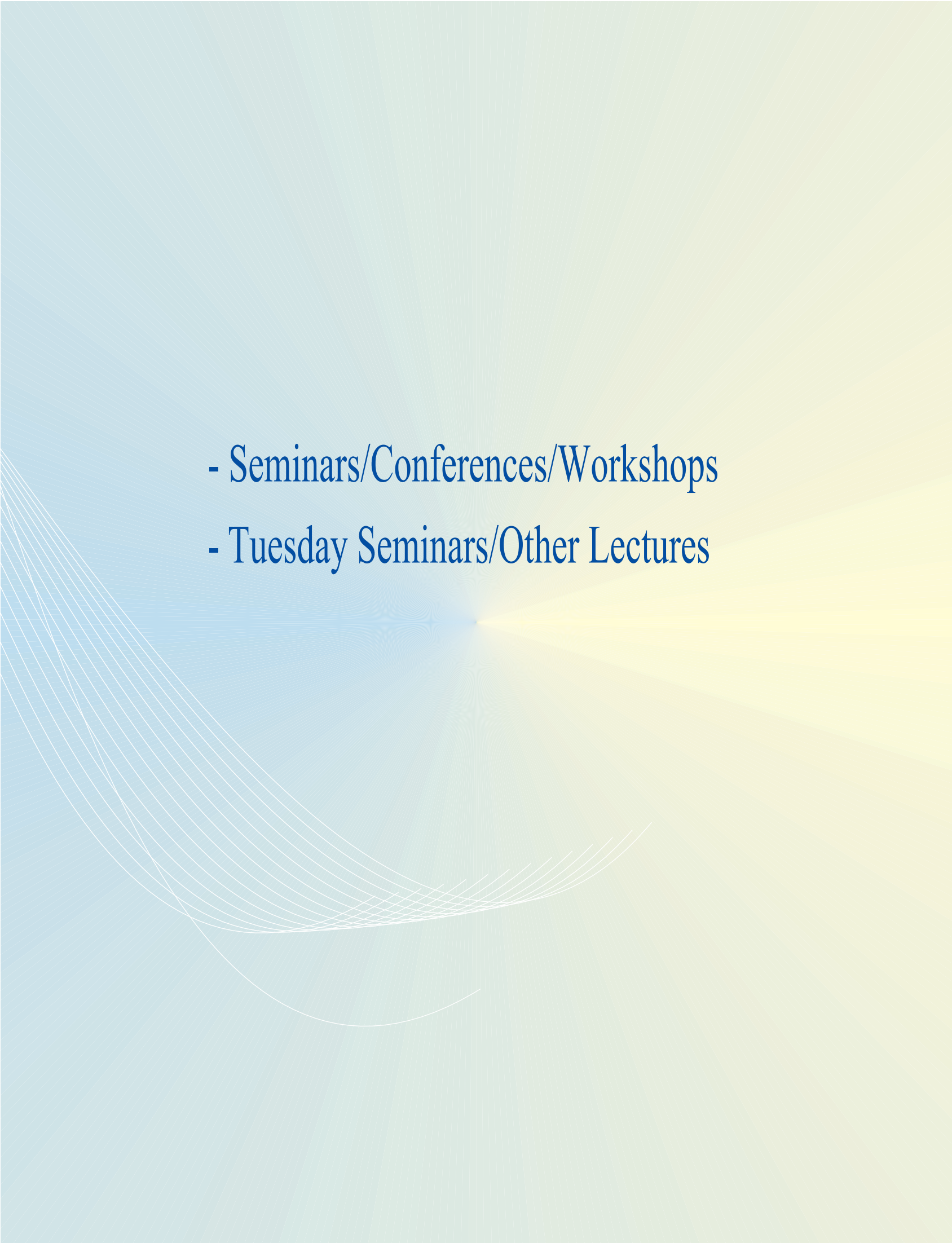
84. Y. Madhavi and Anubha Mahajan, 'Access to affordable healthcare in post liberalization in India', at CSIR-NISTADS, New Delhi, 25 November 2014.
85. Y. Madhavi, 'Preventive medicine and vaccination policy', at National Workshop on "Law and Medicine" Organized by University School of Law & Legal Studies GGSIP University, New Delhi, 20 March 2015.
86. Y. Madhavi, invited as consultant on 'Consultations on potential biologics in enhancing healthcare outcomes and Barriers to access', at New Delhi, 13 December 2014.
87. Y. Madhavi, invited as discussant in a multi-stakeholder discussion on 'Facing our future: countering non-communicable diseases in India through investments in Innovation', at Strategic Partners Group (SPAG Asia) New Delhi, 4 August 2014.
88. Y. Madhavi, invited as discussant in a Round Table conference on 'Governance of Regenerative Medicine and Patients' Needs in India', at IIC Annexe, organized by University of Sussex, RIS and Delhi University, 2 July 2014.
89. Yogesh Suman, 'Innovation landscape sources of innovation in Indian manufacturing MSMEs-Empirical evidences', at dissemination workshop in ISTIP Project CSIR-NISTADS, New Delhi, 25 Nov 2014.
90. Yogesh Suman, lecture on 'Innovation challenges in MSMEs', in Cluster Innovation Center, Delhi University, in March 2014
91. Yogesh Suman, lecture on 'Technology transfer', in the conference "Innovating India", jointly organized by NIT Silchar and NISTADS, at NIT Silchar, 25-26 November 2013.





FOREIGN VISITS

S.No.	Name & Designation	Country Visited	Duration
1.	Shri D.K. Abrol, Chief Scientist	Brazil	08-09 April 2013
2.	Dr. (Mrs.) Kavita Mehra, Chief Scientist	Port of Spain, (Trinidad)	04-07 June 2013
3.	Dr.Sujit Bhattacharya, Sr. Principal Scientist	Bangkok, Berlin	09-10 July 2013 03-05 September 2014
4.	Dr. (Mrs.) Neelam Kumar, Principal Scientist	(1) Kuwait (2) Tokyo, Japan (3) Lithuania (4) China	21-23 April 2013 13-16 November 2013 13-17 April 2014 06-08 September 2014
5.	Dr. Naresh Kumar, Principal Scientist	Turkey	11-13 September 2013
6.	Shri Vipin Kumar, Principal Scientist	Canada	25-28 August 2013
7.	Dr. (Mrs.) Rajeswari S. Raina, Principal Scientist	(1) Singapore (2) U.K (3) Germany (4) London, UK (5) Berlin (6) Ethiopia (7) Nairobi, Kenya	15-17 July 2013 25-30 November 2013 12-14 December 2013 11-14 June 2014 24 June 2014 29-31 October 2014 27-30 April'2015
8.	Dr. (Mrs.) Kasturi Mandal, Scientist	(1) Port of Spain, (Trinidad) (2) USA (3) Kish Island, Iran	08-14 June 2013 26-28 September 2013 28 November 2014 to 1 December 2014.
9.	Shri Bharvi Dutt. Sr. Technical Officer(3)	Germany	06-08 September 2014

- 
- Seminars/Conferences/Workshops
 - Tuesday Seminars/Other Lectures

SEMINARS/CONFERENCES/WORKSHOPS

1. **National workshop on 'Rainfed Farming Systems: Evolving Operational Framework for the Recommended Programme Under the 12th Five Year Plan', organized in collaboration with the RRA Network, CRIDA, and Ministry of Agriculture, Dept of Agriculture and Co-operation (DoAC), National Mission on Sustainable Agriculture, sponsored by FAO, at CRIDA, Hyderabad, on 14-15 May 2013. (Coordinator : Dr Rajeswari S. Raina)**

The overall objective of the workshop was to evolve an approach and specific guidelines for the proposed **national rainfed farming systems program** under the 12th Five Year Plan. The programme is included in the Plan document. But it needs specific guidelines, evolved in a participatory manner, with the active ownership of State Governments who will implement the Pilot programme in selected Blocks.

The specific objectives of the workshop was:

1. To synthesize emerging innovative experiences on rainfed farming systems across the country – under Ministry of Agriculture, ICAR and civil society.
2. Revisiting the proposed national rainfed farming systems program framework laid out by the Working

Group on NRM and Rainfed Farming for the XII Five Year Plan.

3. To evolve institutional and operational mechanism(s) for facilitating convergence of schemes/ investments at Block (and district), based upon emerging evidences;
4. To explore the possibilities of inter-institutional action research (through collaborative pilots) for generating location specific knowledge and working experiences on sustainable development of rainfed agriculture.

Organized in the premier research institute on dryland farming, CRIDA, with the policy, financial and intellectual support of the FAO, Ministry of Agriculture, Planning Commission and the RRA network, the workshop made specific recommendations (based on four discussion groups on technology process, institutions, finance, and research and extension) leading to the preparation of draft operational guidelines.

2. **National workshop on 'Innovating India', jointly organised by NIT, Silchar and CSIR-NISTADS, New Delhi, at NIT, Silchar during 25-26 November 2013. (Coordinator: Dr. Sujit Bhattacharya)**

The coordinator of the workshop were Dr Sujit Bhattacharya (CSIR-Nistads) & Dr Kishor Sathpathy (NIT Silchar). Two-day workshop on the theme "Innovating





India” was held at NIT Silchar during 25-26 November, 2013. The workshop saw active participation of subject experts, academicians, distinguished speakers, researchers and students from various institutes, universities, colleges in India besides the NIT fraternity. The web-site of the workshop was a reflection of the interest this workshop generated among scholars and students from India and Abroad. The workshop programme covered five technical sessions which included eleven key note lectures, twelve paper presentations, exhibition of innovative models/design by school students, besides a cultural evening. A total of 175 persons attended the workshop.

3. National Workshop on “Measuring Science: The Scientometric Approach”, held at CSIR-NISTADS, New Delhi, 14 February, 2014. (Coordinators: Dr. Sujit Bhattacharya and Dr Aparna Basu)

A National Workshop on “Measuring Science: The Scientometric Approach” was held on 14th February, 2014 at the CSIR-National Institute of Science Technology and Development Studies (CSIR-NISTADS), a constituent laboratory of the Council of Scientific and Industrial Research. The workshop was conducted within the ambit of the ongoing Indian S&T and Information Policy (ISTIP) – Supra Institutional Project under 12th Five Year plan.

The personal visit of Prof Ton (A) F. J. van Raan to India and his acceptance to visit Nistads and meet the scientometric community in the country generated huge interest across our research

community in the country. Keeping this in context, it was decided that a National Workshop should be held. The workshop was coordinated by Dr. Sujit Bhattacharya (Professor AcSIR and Senior Principal Scientist, CSIR-NISTADS) and Dr. Aparna Basu (Emeritus Scientist CSIR-NISTADS). There were more than 70 scholars/researchers from heterogeneous backgrounds from universities and research institutes who attended this workshop with a large number of the participants being PhD scholars.

Starting with an opening remark on the increasing importance given to Scientometrics in policy studies/decision making in India and the role of NISTADS in strengthening this activity, Dr. Parthasarathi Banerjee (Director, CSIR-NISTADS) opened the floor to Dr. Basu and Dr. Bhattacharya, who introduced the speakers and workshop program. The keynote address was given by distinguished scholar Professor Ton van Raan, Professor of Quantitative Studies of Science at the Centre for Science and Technology Studies (CWTS) (Founder Director of this Center), Leiden University, The Netherlands. Prof. van Raan talk was titled ‘Advanced Bibliometric Methods for Evaluation of Research Groups, ranking and benchmarking of universities’. He began his presentation by showing interesting glimpses of Leiden, the Leiden University and the mission and objectives of the CWTS group. Exposed the audience to some of the indicators developed by the CWTS and how they help to capture more effectively scientific performance. He then drew attention to the varied types of structures/maps that could be derived from bibliometric elements (citations, keywords, etc) using sophisticated scientometrics methods

such as co-citation analysis, bibliometric coupling. He demonstrated how these maps become highly useful for understanding the dynamics of science and in policy context. He then elucidated the advanced bibliometric methods for evaluation of research groups, ranking and benchmarking of universities.

The discussions that followed were not restricted within the strict domains of scientometrics as participants were from diverse disciplinary backgrounds. This heterogeneous participant background led to critical reflexive discussion touching upon issues such as the evaluation of teachers and professors at universities, role of students in evaluation of teachers (whether they should be an integral part of the evaluation procedure or not), the role of fellow-teachers in the evaluation process, the importance of order of authors, in publication, and the differences in university rankings when using different indicators, and to what extent scientometrics can play a role when fences are created by restricting the free-flow of scientific results. There was a general consensus among the participants that scientometrics is now becoming increasingly important as it is getting embedded within the decision making process and also it is indeed helping to reveal the trends in domains/ sub- domains which is useful to the scientific community. Also it was felt that it is equipping the researchers to explore the intellectual terrain of their research field. It was strongly felt that the workshop of this kind should be a regular feature and should not be restricted within the scientometric community as this workshop had done. This they felt would help to connect the researchers with the scientometric community,

provide a feedback mechanism to improve the bibliometric tools, and also lead to better appreciation of scientometric based analysis.

4. **Workshop on 'Innovation on Inclusive growth and Entrepreneurs Generation', jointly organized with Punjab State Council for Science & Technology, at Chandigarh, 23 July 2014. (Coordinators: Dr Kavita Mehra, Dr Tabassum Jamal, Dr Sujit Bhattacharya , Dr Sanjib Pohit and Dr Yogesh Suman)**
5. **Symposium on 'Growth, Green Growth or Degrowth? New critical directions for India's sustainability', organized in collaboration with Julien Fracois-Gerber, TERI University, at the India Habitat Centre, sponsored by Ford Foundation, Indian Council for Social Science Research (ICSSR - Northern Regional Centre, and Indian Society for Ecological Economics (INSEE), 12-13 September 2014. (Coordinator : Dr Rajeswari S. Raina)**

This symposium was intended to reflect on the pertinence – in the Indian context – of alternative conceptions of "economic growth", whether they are envisioned as green growth, ecological democracy, village economy, prosperity without growth, eco-socialism or degrowth. With eminent speakers, including economists and planners, environmental scholars and activists, historian and anthropologists, and students, addressing key questions, and a media panel analysing the public media on growth and sustainable development, the symposium concluded





that India needs a thorough democratic appraisal of the growth question, and alternative measures of economic and social wellbeing and ecological sustainability.

6. **Seminar On “The Innovation Blueprint: Identifying, Adapting and Assimilating Best Practices for R&D-Intensive MSMEs”,** Jointly organised with Wadhvani Foundation, New Delhi, at CSIR-NISTADS, New Delhi, 16 September 2014. (Coordinators: Dr Tabassum Jamal and Dr. Yogesh Suman)
7. **International Meeting Workshop on “Library Information Systems and Services: Challenges and Opportunities”,** held at CSIR-NISTADS, New Delhi on 5 November 2014. (Coordinators: Shri Vipin Kumar; Shri Bharvi Dutt and Shri Suresh Kumar)

The primary objective of this workshop is to exchange professional awareness and understanding of different types of libraries/Information Systems & Services (LISS) in India and USA. The major issues will be; 1) challenges and issues faced by the modern information systems; 2) opportunities for future cooperation between the LISS of two countries.

8. **A Half day dissemination workshop in ISTIP Project on ‘Innovation Landscape’,** held in NISTADS on 25 November 2014. (Coordinators: Dr. Kavita Mehra, Dr. Tabassum Jamal, Dr. Sujit Bhattacharya , Dr. Sanjib Pohit and Dr. Yogesh Suman)
9. **National Workshop on ‘Critical Issues in Indian Official Statistics’,** in collaboration with Department

of Economics, University of Kolkata, 13 March 2015. (Coordinators: Prof. Ishita Mukhopadhyay, Dr. Panchanan Das, Department of Economics, University of Calcutta; Dr. Parthasarathi Bannerjee, Dr. Sanjib Pohit, Dr. Tabassum Jamal, CSIR-NISTADS)

Concept Note: Indian Official Statistics is the secondary source of all data required to understand and explain Indian macroeconomic and microeconomic data systems. The major source of information comes from data generated by Central Statistical Organisation and Indian Census. National Sample Survey Organisation and National Accounts Statistics provide the pillars of the analytical structures of explanation of Indian economy. The gross macroeconomic data like Gross Domestic Product and Employment are officially estimated by NSSO data. This is also providing the household based information with respect to consumption expenditure, work, health etc. leading to microeconomic analysis of Indian society. However the analysis suffers from several problems. The problems have been discussed by researchers often both in private dialogues and research papers. The scientific basis of the generated data needs to be discussed in details. An interface between generators and users of the data system will also be helpful to explain Indian economy in a better way. With this objective the two day workshop is organized at Department of Economics, University of Calcutta in collaboration with CSIR-National Institute of Science, Technology and Development Studies (CSIR-NISTADS) to understand the NSSO data system.

DELEGATIONS

1. A delegation from Ministry of Science and Technology, Government of Trinidad and Tobago visited NISTADS on 14th November 2014. The delegation included Mr. Cornell Buckradee, Advisor to the Minister of Science and Technology and Head of the Delegation, Dr. Shaliza Mohammed, Senior Specialist (Science and Technology) Strategy and Research Unit. (Coordinator: Shri Vipin Kumar)
2. Lecture organised for visiting Russian research scholars in CSIR-NISTADS, New Delhi, 25 November 2014. (Coordinator: Dr Yogesh Suman)



TUESDAY SEMINARS/OTHERS LECTURES

Date	Title	Speaker
16 April 2013	Patterns of product innovations in the Indian Manufacturing Sector	Dr. Sandra Leitner <i>{from: Vienna Institute for International Economic Studies (wiiw)} Visiting Fellow at JNIAS, JNU, New Delhi</i>
7 May 2013	On the Possibility of Creating New and Useful Knowledge through Research	Prof. Rajen Gupta Management Development Institute (MDI), Gurgaon
6 August 2013	European Standards, Project SESEI and Role of Standardization in Research	Dinesh Chand Sharma <i>Director – Standardization, Policy and Regulation SESEI - Seconded European Standardization Expert in India, New Delhi</i>
<i>Mr Dinesh Chand Sharma is presently working in the capacity of Director – Standardization, Policy and Regulation for an European Director – Standardization, Project on Standards called “SESEI - Seconded European Standardization Expert in India” and acting as the focal point of the European standardization community. This Project known as SESEI is supported by three European Standards Organizations “European Committee for Standardization known as CEN, European Committee for Electrotechnical Standardization known as CENELEC, and European Telecommunications Standards Institute” known as ETSI”, and European Free Trade Association and European Commission. Prior to this, Mr Sharma has worked with Ericsson for 15 years with last worked profile as “Director – Regulatory Affairs & Industry Relation” and headed the Corporate Affair function within Communication & Corporate Affairs Unit. Within Ericsson Group India and Abroad, Mr Sharma has also worked in various other profiles such as Account Management, Commercial and Technical Solution Management, Driving 3G Programs in India and after Sale Support functions. Mr Sharma began his career in Customer support back in 1992 and has 20 years of industry experience. Mr Sharma has academic base of “Bachelor’s degree in Electronics”, Diploma with highest honour in Business Management from Stratford Institute, Washington DC/ USA and SUN certification</i>		





27 August 2013	Food Industry Survey – Proposed Design and Processes	Dr. Rajeswari S. Raina Scientist, CSIR-NISTADS
19 Nov. 2013	Why Information Ethics?	Prof. Rafael Capurro Stuttgart Media University, Germany
	<i>Abstract: Digital ethics or information ethics in a broader sense deals with the impact of digital Information and Communication Technologies (ICT) on our societies and the environment at large. In a narrower sense information ethics (or digital media ethics) addresses ethical questions dealing with the internet and internetworked information and communication media such as mobile phones and navigation services. Issues such as privacy, information overload, internet addiction, digital divide, surveillance and robotics are discussed today particularly from an intercultural perspective. The message of this paper is that information ethics can and should contribute to address the challenges of the digital age.</i>	
OTHER LECTURES		
12 Apr. 2013	“Export potential of Consultancy services to CIS & Africa nations” & “Innovative interventions required to make select Manufacturing sector globally Competitive	Mr Dipankar De <i>Innovation Expert, New Delhi</i>
24 May 2013	Emerging issues and challenges in Indian MSME sector	Dr T. Jamal, Dr S. Pohit and Dr Y. Suman <i>CSIR-NISTADS, New Delhi</i>
30 Sep. 2013	GM Futures: Science and Technology Studies and the Problem of Interdisciplinary	Dr Yulia Egorova Durham University, UK
2 Dec. 2013	A Neo-Mertonian Approach of Science : Stem Cell Research in France and Comparative Analysis	Dr. Michel Dubois <i>Research Director at CNRS, France</i>
5 Feb. 2014	Promoting Innovation through Public private Partnership: An Assessment of the SBIRI and BIPP Programmes	Dr. Aradhna Aggarwal <i>Wadhvani Foundation, New Delhi</i>

	<i>Abstract: It has increasingly been realised by governments, academicians and policy makers that public support to financing MSME research is critical. An increasing number of countries have introduced and robustly funded a broad array of agencies and programs to support the innovation capacity of their SME manufacturers. The Government of India has also directed considerable efforts towards providing an impetus to technology innovation in this sector and has initiated several innovation programmes in public private partnership (PPP) mode. However, there is a lack of impact assessments of these programmes. The purpose of the present study is to evaluate public support of private-sector research and development (R&D) through two complementary grant programmes of the Department of Biotechnology, namely Small Business Innovation Research (SBIRI) and Biotechnology Industrial Partnership programmes (BIPP). Based on online surveys of 80 firms, we conclude that there is ample evidence that SBIRI/BIPP Programs are stimulating R&D as well as efforts to commercialize that would not otherwise have taken place. Further, the benefits associated with the programme- sponsored research are substantial. Nonetheless there are some challenges which, if addressed could make these program more responsive to the strategic goals of promoting innovation, competitiveness, and entrepreneurship. We strongly recommend further improvements in these programmes and their replication by other government departments and state governments</i>	
13 Mar. 2015	The Norms of Valuation - Breed Improvement and Biodiversity in India's Livestock Sector	Ms. Debanjana Ph.D. Student



- 
- Library
 - IT Infrastructure
 - Research Council
 - Management Committee
 - Right To Information Act (RTI) Cell
 - Budget
 - Staff List

LIBRARY

During this period Library added 183 books to its collection on various aspects of STS. In addition, the library also enhanced its Hindi collection by 46 books. After these additions the number of books is 26257. Library also subscribed to 156 periodicals and 17 different databases for the use of researchers.

During the year 250 books were lent out to users in the institute and 75 books were sent on Inter-library loan to various libraries and received 5 books through this mode. Library continued to support the STS research activity of the Institute according to the needs of the users.





IT INFRASTRUCTURE

CSIR-NISTADS has self-designed and hosted website which is running on Linux Server, an open source software (OSS) and is on Joomla platform. Joomla is content management system (CMS) and open source software that supports pictures, texts and videos. Our website is being regularly updated. We have our own DNS Linux based Server hosted in the institute. Our institute has email for all staff members from NIC with nistads.res.in domain name.

We have Chassis based Core and Edge switches for network infrastructure and network backbone is on optical fiber. The Chassis switch supports 1GB Connectivity. The optical fiber network is from Server Room to Umbrella, Administrative Block, Second Floor and Library. We have also Wi-Fi internet connectivity in the campus through secured login. We also have 30 KVA Three Phase online UPS which provides uninterrupted power supply to IT equipment round the clock.

CSIR-NISTADS has One Gbps leased line from National Knowledge Network (NKN). The NKN is a state-of-the-art multi-gigabit pan-India network for providing a unified high speed network backbone for all knowledge related institutions in the country.

We are having about 150 desktops, 40 laptops as well as few workstations having secured internet access. The systems and servers are protected with latest client based antivirus that prevents the system from being attacked by unauthorized entities and helps them running smooth and safe.

CSIR-NISTADS has excellent video conferencing facility with latest equipment's and dedicated public IP address.

This institute has Intel Xeon 6 core processor based Servers. These Servers are used for variety of services like Website, DNS Servers, Antivirus Servers and applications. These servers are running on Windows and Linux operating system to meet the requirements of our organization. Moreover, we also have 20TB SAN.

We are using various application software to meet the requirements of our research and analysis. The list includes:

- CMIE
- Systat
- SPSS
- Stata
- Sigma plot

RESEARCH COUNCIL

With effect from 1 August 2013

CHAIRMAN

Prof. Ashok Chandra

Principal Advisor,
International Management Institute,
India
B-10, Qutab Institutional Area,
Tara Crescent, New Delhi-110 016

MEMBERS

Prof. C.A. Murthy
Machine Intelligence Unit
Indian Statistical Institute
203 B.T. Road, Kolkata-700108

Prof Anand Patwardhan
SJM School of Management
Indian Institute of Technology Mumbai
Powai, Mumbai-400076

Prof. Manoj Panda
Director
Institute of Economic Growth
University of Delhi Enclave, North
Campus
Delhi-110007

Dr. Rangan Dutta
Former DG, CAPART & Secretary to Govt
of India
C-106 Sector 40
Noida-201303

Shri Manab Majumdar
Assistant Secretary General
Federation of Indian Chambers of
Commerce and Industry
Federation House
Tansen Marg, New Delhi-110001

Prof. Pranav Desai
Professor of Economics
Centre for Studies in Science Policy
School of Social Sciences
JNU New Delhi-110 001

Prof. Rahul Varman
Dept of Industrial & Mgmt. Engineering
Indian Institute of Technology Kanpur
Kanpur-208 016

AGENCY REPRESENTATIVE

Dr. S.S. Kohli
Scientist F
SERC Division
Department of Science & Technology
Technology Bhawan, New Delhi-110016

DG NOMINEE

Dr. R.R. Hirwani
Head, CSIR- Unit for Research and
Development of
Informataion Products
Jopasana, 85/1 Paud Road
Pune-411038

SISTER LABORATORY

Dr. S Gangopadhyay
Director
CSIR-Central Road Research Institute,
Delhi-Mathura Road,
New Delhi-110020

CLUSTER DIRECTOR

Prof. P Seshu
Head, CSIR-Fourth Paradigm Institute
NAL Belur Campus
Bengaluru-560037





DIRECTOR

Dr. P. Banerjee

Director

National Institute of Science, Technology
and Development Studies

Dr. K.S. Krishnan Marg

New Delhi 110012

PERMANENT INVITEE

Head or his Nominee

Planning & Performance Division

Council of Scientific & Industrial Research

Anusandhan Bhawan, 2 Rafi Marg

New Delhi 110001

MANAGEMENT COMMITTEE

1 January 2012 to 31 December 2013

CHAIRMAN

Dr. P. Banerjee

Director, CSIR-NISTADS

MEMBERS

Dr. Gangan Prathap

Director, CSIR-NISCAIR

Sh. Pradosh Nath

Chief Scientist, CSIR-NISTADS

Sh. Vipin Kumar

Principal Scientist, CSIR-NISTADS

Mrs. Sandhya Wakdikar

Senior Scientist, CSIR-NISTADS

Dr. (Mrs.) Madhulika Bhati

Scientist, CSIR-NISTADS

Head, PME

CSIR-NISTADS

Sh. Rammi Kapoor

Principal Tech. Officer, CSIR-NISTADS

Finance & Accounts Officer;

CSIR-NISTADS

MEMBER-SECRETARY

C.O.A./Admn. Officer

CSIR-NISTADS





MANAGEMENT COMMITTEE

1 January 2014 to 31 December 2015

CHAIRMAN

Dr. P. Banerjee

Director, CSIR-NISTADS

Dr. S. Gangopadhyay

Director, CSIR-CRRI

MEMBERS

Dr. Sujit Bhattacharya

Sr. Principal Scientist, CSIR-NISTADS

Dr. S. Rajeswari Raina

Principal Scientist, CSIR-NISTADS

Dr. Kasturi Mandal

Scientist, CSIR-NISTADS

Dr. Suman Patel

Scientist, CSIR-NISTADS

Head, PME

CSIR-NISTADS

Sh. Rammi Kapoor

Principal Tech. Officer, CSIR-NISTADS

Finance & Accounts Officer

CSIR-NISTADS

MEMBER-SECRETARY

Controller of Admn./Admn. Officer

CSIR-NISTADS

RIGHT TO INFORMATION ACT (RTI)

1. **Dr. Mohd. Rais**, Appellate Authority
2. **Shri Rammi Kapoor**, Public Information Officer (PIO)
3. **Shri S.A. Nabi**, Assistant Public Information Officer (APIO)

During Biennial period total number of RTI application has been received are 56

(April 2013-March 2014 are number 18 & from April 2014 To March 2015 are 38) to provide requisite information all possible care has been taken to ensure accuracy and consistency for providing RTI information to the applicant under the RTI of Act 2005. Apart from that uploaded report on quarterly basis the website of CIC.





BUDGET FOR LAST FIVE YEARS

Year	Total Budget (Rs. in lakhs)	E.C.F. (Rs. in lakhs)
2009-2010	1109.38	102.66
2010-2011	1254.40	105.93
2011-2012	1084.599	33.832
2012-2013	1198.14	77.83
2013-2014	1078.15	32.1
2014-2015	1007.93	27.08

STAFF LIST

DIRECTOR

Dr. P. Banerjee
(upto February 2015 and transferred in March 2015)
Dr. S. Gangopadhyay
(Additional-charge Director since March 2015)

CHIEF SCIENTIST

Shri P. Nath
(retired on 30.09.2013)
Shri Dinesh Abrol
(retired on 30.04.2013)
Dr. Subhan Khan
(retired on 28.02.2014)
Dr. (Ms) N. Mrinalini
Dr. (Mrs) Kavita Mehra
(retired on 30.09.2014)
Mrs. Anuradha Singh
Dr. (Ms.) G.D. Sandhya
Dr. (Ms.) Tabassum Jamal

SENIOR PRINCIPAL SCIENTIST

Shri S.K. Dhawan
(retired on 31.08.2014)
Dr. Satpal Sangwan
Dr. Sanjib Pohit
Dr. P.K. Biswas
(resigned in May 2013)
Dr. Sujit Bhattacharya
Dr. Mohammed Rais

PRINCIPAL SCIENTIST

Dr. (Ms)Y. Madhavi
Dr. Naresh Kumar
Dr. L. Pulamte
Dr. (Ms) Neelam Kumar
Dr. (Ms)S. Rajeswari
Shri Vipin Kumar
Shri Yogesh Suman
Mrs. Sandhya Wakdikar

SCIENTIST

Dr. (Ms.) Madhulika Bhati
Shri Avinash Prasad Kshitij
Dr. (Ms) Kasturi Mandal
Dr. Suman Patel
(joined in August 2013)

PRINCIPAL TECH. OFFICER, GROUP III(7)

Shri Rammi Kapoor

SR. TECHNICAL OFFICER (3), GROUP III(6)

Shri Anil Kr. Sharma
Shri Bharvi Dutt
Dr. (Ms.) Anju Chawla (voluntary retirement on 30.12.2014)
Shri S.A. Nabi (retired on 31.08.2013)
Shri A.K. Bhardwaj
Shri Suresh Kumar
Shri Kashmiri Lal
Dr. (Mrs.) Praveen Sharma

SR. TECHNICAL OFFICER (2), GROUP III(5)

Shri S.K. Prasad
Ms. Renu Jethi
Ms. Mala Bahl

TECHNICAL OFFICER GROUP III(3)

Shri Avinash Verma

SR. TECHNICIAN (2), GROUP II (4)

Ms. Shaheen Syed (retired on 31.01.2014)
Shri Suresh Chander (retired on 28.02.2014)
Dr. (Ms.) Anita Bali
Ms. Tara Verma
Shri N.K. Prashar
Shri J.S. Narula





Shri R.K. Nagarwal
Shri Bharat Lal

LAB. ASSISTANT, GROUP I(4)

Shri Madan Kumar
Shri Dhiraj Pal
Shri Ram Suphal
Shri K.C. Joshi
Shri S.C. Tyagi
(passed away on 7.11.2013)

LAB. ATTENDANT, GROUP I(3)

Shri Shiv Singh Negi
Shri Sunder Lal
Shri Murli Dhar

C.O.A.

Shri Bal Krishna
(joined in January 2014)

ADMINISTRATIVE OFFICER

Shri L.S. Negi
(transferred in June 2013)
Shri B.K. Singh
(transferred in January 2014)
Ms. Mercy Joseph

FINANCE & ACCOUNTS OFFICER

Shri V.K. Anand
(retired on 30.11.2014)
Shri Jai Prakash Indora
(joined in September 2014)

S&PO

Shri Lalasei Misao
(joined in September 2014)

SECTION OFFICER (GEN.)

Mrs. Anita
(transferred in June 2014)
Shri Dharam Singh
Shri Brij Bihari
(joined February 2015)

SECTION OFFICER (F&A)

Shri Anil Kumar Sharma
(transferred in March 2015)

HINDI OFFICER

Shri Virpal Singh

PRIVATE SECRETARY

Ms. Neeta Sahney
(retired on 31.10.2014)

ASSISTANT (GEN) GRADE-I

Ms. Rajinder Kaur
Shri Anil Kumar
(joined in October 2014 after completion of deputation period at UIDAI as Section Officer)
Shri Manish Kumar Mehta
(joined in June 2014 after completion of deputation period at UIDAI as Section Officer)
Shri N.A. Khan
Shri Pretesh Kumar
Shri Mohd. Idrees
Shri Surinder Pal

ASSISTANT (F & A) GRADE-I

Shri Anisur Rehman

ASSISTANT (S &P) GRADE – I

Ms. Indira Jain
Shri Rakesh Kumar Mago

ASSISTANT (F&A) GRADE-II

Shri M.S. Rawat
Shri Narender Singh

ASSISTANT GRADE- II (S&P)

Shri Kanchan Singh Negi

SENIOR STENOGRAPHER

Ms. Krishna Verma
(transferred in March 2015)
Shri Yogender Kumar (Hindi)

Shri Mohan Lal
Shri Ved Prakash (Hindi)
Shri Pukh Raj (Hindi)
Shri Ashok Kumar
Ms. Sunita Arora

JUNIOR STENOGRAPHER

Ms. Inderjeet Kaur
Ms. Dolly Chaudhary

DRIVER

Shri Surinder Prasad (joined in October 2013)

RECORD KEEPER

Shri Harbans Singh

DAFTRY

Shri Rajnath

PEON

Shri Md. Kamrul

MULTITASKING STAFF

Shri Mohit (joined in July 2014)



